

गौरव खन्ना-श्रद्धा आर्या के शो 'दिल की बेवफाइयां' के प्रोमो ने बढ़ाया फैंस का उत्साह, पहली बार दिखेगी ये जोड़ी

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 28
न्यूनतम - 16

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 318 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 16 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 7 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

● घाटी में पुलिसकर्मियों के शव डंपर में लाने का आरोप

बीजेपी विधायक बोलीं-हमारे शहीदों का यह है अपमान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की गोली से मारे गए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के शव डंपर में लाने के आरोप लगे हैं। बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के शव ताबूत के बिना डंपर में रखकर उनके गांव लाए गए, जो शहीदों का अपमान है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में विधायक शगुन परिहार पुलिस अधिकारियों को शवों को लाने के तरीके पर फटकार लगाती दिख रही हैं। शुक्रवार को रशपाल सिंह और बॉबी चंद का उनके पैतृक गांव डच्छन के केयार में अंतिम संस्कार किया गया। दोनों बुधवार से लापता थे। गुरुवार सुबह उनके शव देहरना जंगल से करीब 2 किलोमीटर दूर मिले थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे। उनकी सर्विस राइफल भी गायब थी। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया कि शहीद हुए दो एसएचओ के पार्थिव शरीर बिना ताबूत के डंपर में घर पहुंचाए गए। पार्टी ने कहा कि ग्रामीणों को खुद स्ट्रेचर और सफेद कपड़े का इंतजाम करना पड़ा। मोदी सरकार हमारे शहीदों का अपमान करने से भी नहीं चूक रही है।

अखिलेश चिंता न करें तीसरी पारी में और भी नौकरियां देंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कहा- हमने 9.5 साल में 9.50 लाख नौकरी दी तो अखिलेश यादव ने पूछा कि अब क्यों नहीं दे रहे। मैंने कहा- आपकी यह चिंता नहीं होनी चाहिए। बल्कि, यह चिंता करिए कि आपको 4 बार मौका मिला, लेकिन क्यों नहीं दे पाए। सीएम ने कहा- 22 सितंबर से अब तक हजारों जॉइनिंग लेटर बांट चुके हैं। आने वाले समय में और भी नौकरी देने जा रहे हैं। मैंने समाजवादी पार्टी के मुखिया को आश्वस्त कर दिया है कि चिंता मत करिए। तीसरी पारी आएगी तो नौकरियों में और भी चौके-छक्के लगाएंगे। योगी ने लखनऊ से 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान की शुरुआत की। उन्होंने आज स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत लखनऊ मंडल के 300 कॉलेजों के 50 हजार युवाओं को टैबलेट बांटे।

यूपी में दंगाई चूहे बनकर बिलों में दुबक गए- योगी ने कहा- यूपी में माफिया मिट्टी में मिल गए, दंगाई चूहे बनकर बिलों में दुबक गए। नकल माफिया पर पहरा लगा दिया गया। ये सभी पहले युवाओं के लिए पहचान का संकट खड़ा करते थे। सीएम ने कहा- पहले की सरकारों में किसी भर्ती का विज्ञापन निकलता था तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली करने निकल पड़ती थी। हम यह सब व्यवस्था समाप्त कर पारदर्शिता और ईमानदारी से नौकरी दे रहे हैं।

जय छठी मइया!

बिहार से दिल्ली तक हर ओर छठ की धूम

● अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए उमड़ी भारी भीड़ ● डूबते सूर्य दिया गया पहला अर्घ्य,50 लाख प्रवासी घर लौटे

पटना (एजेंसी)। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की। कई श्रद्धालु दंडवत करते हुए घाटों तक पहुंचे। राजधानी पटना में गंगा नदी के 100 से ज्यादा घाटों पर अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई थी। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन, 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं। पटना के दीघा घाट पर बैंड ने गणेश वंदना से धुन की शुरुआत की। इसके बाद भगवान जगदीश की आरती का धुन बजाया। इंडिया गेट क्विक मार्च भी किया। सब इंस्पेक्टर नानक चंद्र ने बैंड को लीड किया। दिल्ली में छठ पूजा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार घाट पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने छठी मैया की आराधना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सोनिया विहार घाट पर छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह था।





राष्ट्रपति मुर्मू ने की खुशहाली की कामना

छठ महापर्व की बधाई देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा, छठ पूजा की शुभकामनाएं लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर, में देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह पर्व सूर्य देव एवं छठी मैया के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाला यह पावन त्योहार तप, संयम और निष्ठा के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की महत्ता को दर्शाता है। इस पर्व पर श्रद्धालु सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा-जय छठी मइया!

छठ महापर्व की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, सभी देशवासियों को महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य की अनेकानेक शुभकामनाएं। प्रकृति-पूजन को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के लिए नई चेतना और स्फूर्ति लेकर आए, साथ ही समाज में सद्भाव एवं समरसता को और अधिक प्रगाढ़ करे। सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन आलोकित हो। जय छठी मइया! गृह मंत्री अमित शाह ने छठ की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, श्रद्धा और समर्पण के महापर्व छठ की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। सूर्य उपासना और लोक आस्था का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति और आरोग्य लेकर आए। छठी मैया की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे।

नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को

● मोदी बोले-हमारी सरकार आने के बाद हमने इसका खात्मा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया। 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। हर साल हजारों लोगों और आदिवासियों की जान जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को उठा ले जाते थे। हमने नक्सलवाद-माओवाद को खत्म किया। इससे अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पीएम रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

● आजादी की लड़ाई में आदिवासी वीरों-वीरांगनाओं ने बलिदान दिया- प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई में आदिवासी समाज ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और कई वीरों-वीरांगनाओं ने बलिदान दिया। भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और उनका उलगुलान आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा है। मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर पिछले साल देशभर में दो लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें करोड़ों लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस आदिवासी समाज के गौरव और भगवान बिरसा मुंडा की भावनाओं से जुड़ा पर्व है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के पास अब नहीं खुलेंगी शराब की दुकानें

हाई कोर्ट का बड़ा निर्देश,तय किया 1,000 फीट का दायरा

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आंगनबाड़ी केंद्र के 1,000 फीट के दायरे में शराब की दुकान को स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

अदालत ने आंगनबाड़ी केंद्रों को शिक्षण संस्थान की श्रेणी में रखते हुए कहा कि वहां बच्चों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा दी जाती है इसलिए इन केंद्रों को भी शिक्षण संस्थानों के लिए निर्धारित कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति शंपा सरकार और न्यायमूर्ति पार्थसारथी चट्टोपाध्याय की खंडपीठ ने एकल पीठ के पूर्व फैसले को बरकरार रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्देश दिया।



मामला हुगली जिले की सराय तीनार ग्राम पंचायत के तीनार मौजा का है।

यहां एक व्यक्ति किराये के मकान में विदेशी शराब की दुकान चलाता था। बाद में उसने अपनी जमीन पर दुकान स्थानांतरित करने के लिए राज्य के आबकारी विभाग से अनुमति मांगी। प्रस्तावित जगह के पास आंगनबाड़ी केंद्र होने के कारण विभाग ने आवेदन खारिज कर दिया।

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग 2 शूटर अरेस्ट

अमृतसर (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी दीपक सिंह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था।

पॉक्सो आरोपी और पीड़िता के बीच समझौते से केस खत्म नहीं

● केरल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला,पॉक्सो मामलों कह दी बड़ी बात

नाबालिग पीड़िता के बालिग होने से अपराध की प्रकृति नहीं बदलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने वाले कानून को लेकर केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है।



अदालत ने साफ किया कि आरोपी और पीड़ित के बीच आपसी सहमति या समझौता होने से पॉक्सो का मुकदमा सामान्य रूप से खत्म नहीं किया जा सकता। यह फैसला इसलिए अहम है, क्योंकि इससे पहले केरल हाईकोर्ट की अलग-अलग एकल पीठ इस सवाल पर अलग राय दे चुकी थीं। केरल हाई कोर्ट की दो जजों की पीठ ने अब इस कानूनी सवाल पर अपना रुख साफ किया है। केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने, जिसमें जस्टिस राजा विजयराघवन वी. और जस्टिस के.वी. जयकुमार शामिल थे, पॉक्सो के मामलों पर एक बड़ी बात कही है। उनके अनुसार नाबालिगों से जुड़े यौन अपराध, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज होता है, केवल आपसी समझौते के आधार पर सामान्य रूप से रद्द नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि यह नियम कम गंभीर माने जाने वाले आरोपों पर भी, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज है, उन पर भी लागू होता है।

● हाईकोर्ट के पास केस रद्द करने का अधिकार नहीं - हालांकि अदालत ने ऐसा नहीं कहा कि पॉक्सो के हर मामले में मुकदमा रद्द करना पूरी तरह असंभव है। हाईकोर्ट के पास अपनी विशेष कानूनी शक्तियों के तहत उचित मामलों में कार्यवाही रद्द करने का अधिकार बना रहता है। लेकिन इसके लिए केवल समझौता नहीं, बल्कि मामले के स्वतंत्र और ठोस कानूनी आधार जरूरी हैं। उदाहरण के लिए, आरोपों से अपराध बनता ही न हो या मुकदमा अदालत की प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल हो।



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

*पाती के माध्यम से आपसे संवाद करते हुए 50 सप्ताह कब पूर्ण हो गए, पता ही नहीं चला। **कभी-कभी आपके मन में यह जिज्ञासा उठती होगी कि मुख्यमंत्री पाती क्यों लिखते हैं?** इसका उत्तर एक प्रसंग में छिपा है।*

*पहली बार वनटांगिया गांव जाने का मुझे आज भी स्मरण है। कोल, गोंड, मुसहर, थारू और बुक्सा जैसे वंचित समाज के लोगों का दयनीय जीवन तथा वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से विमुख रहने की उनकी स्थिति देखकर मैं अत्यंत व्यथित हुआ। मुझे लगा कि **शासन का वास्तविक दायित्व केवल योजनाएं बनाना और उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि समाज के उस अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है, जिसकी अपेक्षाएं और पीड़ा कई बार व्यवस्था तक नहीं पहुंच पातीं।** उस प्रसंग ने मेरे मन में यह भाव और दृढ़ किया कि शासन और जनता के बीच निरंतर संवाद तथा संवेदनशील जुड़ाव होना चाहिए। पाती की प्रेरणा भी इसी भाव में निहित है।*

*मेरी सहज भावना यही थी कि मुख्यमंत्री और प्रदेश की 25 करोड़ जनता के बीच संबंध केवल औपचारिक सूचनाओं तक सीमित न रहें। **उत्तर प्रदेश मात्र एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि एक परिवार है। और, परिवार में आदेश नहीं, अपनत्व के साथ संवाद होता है।** मेरा प्रयास ऐसे विषयों पर आपसे संवाद करने का रहा है, जो सीधे आपके जीवन, आपकी आकांक्षाओं और नए उत्तर प्रदेश के भविष्य से जुड़े हों। पाती के माध्यम से सुख-दुःख की साझेदारी, परस्पर विश्वास और सहभागिता को सुदृढ़ करना ही मेरी भावना रही है।*

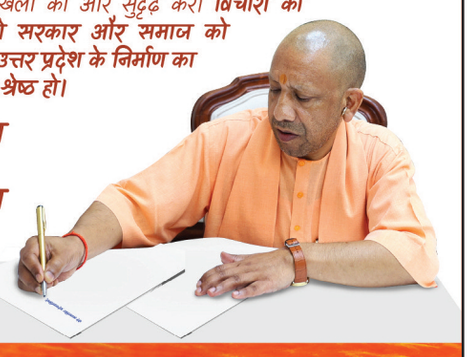
***गत एक वर्ष में लिखे गए ये पत्र मेरे लिए केवल विचारों की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि प्रदेश की जनभावनाओं को समझने, उन्हें स्वर देने और उनके अनुरूप एक व्यापक दृष्टि साझा करने का माध्यम भी बने हैं।** मुझे यह जानकर विशेष प्रसन्नता होती है कि इस संवाद की गूंज प्रदेश की सीमाओं को पार कर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंची है।*

*इस यात्रा में आपका स्नेह और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी रहे हैं। **मैं चाहता हूं कि पाती केवल मेरे विचारों की अभिव्यक्ति बनकर न रह जाए, बल्कि इसमें आपके मन की बात, आपकी अपेक्षाएं और आपके सुझाव भी समान रूप से स्थान पाएं। आपकी आवाज ही पाती की वास्तविक शक्ति है।** आपकी सहभागिता ही इसे और अधिक सार्थक तथा जनभावनाओं के अनुरूप बनाने का आधार बनेगी।*

*आइए, आत्मीय सुख-दुःख की इस संवाद-श्रृंखला को और सुदृढ़ करें। **विचारों की यह साझेदारी विश्वास का ऐसा सेतु बने, जो सरकार और समाज को एक-दूसरे के निकट लाए। हम सब मिलकर ऐसे उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जो समृद्धि में अग्रणी और संस्कारों में श्रेष्ठ हो।***

आपका

योगी आदित्यनाथ



संकल्प · संवाद · संवेदना

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा सका था,एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित

इंडिगो की गुवाहाटी फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते वापस पुणे लौटी

पुणे (एजेंसी)। पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया। पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। किसी



भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया। लैंडिंग से पहले विमान को रनवे के ऊपर से कम ऊंचाई पर उड़ाया गया, ताकि देखा जा सके कि उसका लैंडिंग गियर ठीक से खुला है या नहीं। इसके बाद सुबह 9.04 बजे विमान को पुणे एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। लैंडिंग के बाद तीन दमकल गाड़ियों और दो एंबुलेंस की मदद से विमान को बे नंबर-7 पर ले जाया गया।

● यात्रियों को गुवाहाटी भेजने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था- एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, विमान में सवार सभी 192 लोग सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई। इंडिगो अब यात्रियों को गुवाहाटी पहुंचाने के लिए बेंगलुरु से दूसरा विमान पुणे भेजने की तैयारी कर रही थी। लैंडिंग गियर विमान के पहिए और उन्हें संभालने वाले हिस्से को कहते हैं। इन्हीं पहियों की मदद से विमान रनवे पर उतरता है और जमीन पर चलता है। उड़ान भरने के बाद ये पहिए अंदर चले जाते हैं।

अनमोल वचन

फिजूलखर्ची देशद्रोह है। इससे बेकारी और दुष्प्रवृत्तियों में भी वृद्धि होती है। अपने जरूरी खर्चों में किसी प्रकार की कंजूसी न दिखाएं। कंजूस भी अपव्ययी की भाँति सम्मानीय नहीं बन पाता। सामूहिक खर्चों में भी वह अपनी जेब में हाथ नहीं डालता, चाहता है कि उसके बदले भी दूसरे खर्च करें। इस प्रकार वह उपहास का पात्र भी बनता है। आप कंजूस के बजाय किफायतशार बनिए। किफायतशारी दूरदर्शिता की पुत्री है और संयम की बहन है। यह हमारे चरित्र और निष्ठा की रक्षा करती है। जब हम विचार संयम, जिह्वा संयम, इन्द्रिय संयम आदि विषयों पर उपयोगी चर्चाएं करते हैं तो अर्थ संयम पर भी हमें संवेदनशील होना चाहिए। यदि हम धन को लक्ष्मी माता की तरह पूजें और मेहनत की कमाई को बुरी आदतों, व्यसनों में बर्बाद कर दें तो इसे नासमझी ही कहा जाएगा। मेहनत और ईमानदारी से खूब कमाएं, उसे पुण्य की कमाई कहा जाता है। उसे दान-पुण्य और अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति में लगाएं। जो पुरुषार्थी होता है उसे धन का अभाव भी नहीं होता। किसी विद्वान का यह कथन अक्षरशः सत्य है कि लक्ष्मी उद्यमी पुरुष की दासी है। वह अपने रहने के लिए उपयुक्त स्थान पर स्वयं ही चली आएगी।

भोपा क्षेत्र में तीन कारों से भारी मात्रा में असलाह बरामद, 15 से 20 लोग हिरासत में

मंडावर की ओर से हथियार लेकर आने की मिली थी सूचना, खादर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस ने की कार्रवाई, लाइसेंसी व अवैध हथियारों के साथ कारतूस भी बरामद





मोरना। मुजफ्फरनगर जनपद के भोपा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन कारों से भारी मात्रा में लाइसेंसी और अवैध हथियारों के साथ कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने तीनों कारों में सवार करीब 15 से 20 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अचानक हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

भोपा क्षेत्राधिकारी राधा रमण सिंह ने बताया कि रविवार को पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि मंडावर की ओर से तीन कारों में सवार होकर कुछ लोग भारी मात्रा में हथियार लेकर आ रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए शुक्रताल चौकी प्रभारी विवेक चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खादर क्षेत्र में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में आती दिखाई दीं तीन कारों को रोककर उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कारों से भारी मात्रा में लाइसेंसी और अवैध हथियारों के साथ कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने तत्काल कारों में सवार करीब 15 से 20 लोगों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस सभी हिरासत में लिए गए लोगों से बरामद हथियारों के संबंध में पूछताछ कर रही है। हथियार कहां से लाए गए थे और इन्हें कहां ले जाया जा रहा था, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

अखिल उत्तर प्रदेश जाट महासभा ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन



मेरठ। अखिल उत्तर प्रदेश जाट महासभा द्वारा विचार संगोष्ठी प्रोग्राम सुभारती विश्विद्यालय के मानगलय प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि रहे उन्होंने जाट समाज को संबोधित करते हुए कहा कि जाट समाज खेती के लिए जाना जाता है लेकिन आज खेती की जमीन जैविक और रसायन खेती करने से बंजर होती जमीन को बचाने के लिए प्र-ाकृतिक खेती करने के लिए जाट समाज को प्रोत्साहित किया साथ ही उन्होंने जाट समाज के महापुरुषों को याद करते हुए बताया कि जाट समाज को सर्वसमाज के साथ विनम्र तरीके से अपना समन्वय किस तरह बनाना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि चौधरी करनैल सिंह ने शिक्षा के मुद्दे पर बोला कि उनकी एक संस्था है जो राजेंद्र नगर दिल्ली में सर्व समाज के नवयुवकों को आ-ईएस और। पीसीएस की कोचिंग देने में मदद कर रही है और ऐसी ही संस्था वह हरियाणा के लीगल गाँव में शुरू कर चुके है।

उन्होंने यह भी बताया कि चौधरी अमन सिंह के आग्रह पर वह उत्तर प्रदेश के मेरठ में भी जल्द ही ऐसी व्यवस्था करेंगे जहां सर्व समाज के ऐसे बच्चों को चिन्हित कर जो आर्थिक रूप से कमजोर है लेकिन पढ़ाई मे उत्तम है के लिए भी आईएस और पीसीएस की फ्री कोचिंग व विद्यार्थियों के रहने इत्यादि की व्यवस्था कर अपनी संस्था शुरू करेंगे।

वहीं दूसरे विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर के पी सिंह ने बताया कि जाट शिक्षा और व्यापार के क्षेत्र में किस तरह से खुद को आगे बढ़ा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी अमन सिंह ने की व व्यवस्था युवा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चौधरी व जिलाध्यक्ष आशीष चौधरी ने की।

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकाली गई भव्य कलश यात्रा, पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने किया ग्रंथ का स्वागत



मुजफ्फरनगर। मीरापुर कस्बे में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान सप्ताह एवं सामूहिक तुलसी विवाह समारोह के शुभारंभ से पूर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ सत्संग भवन से हुआ, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई सरस्वती शिशु मंदिर तक पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ धर्म और आस्था का संदेश दिया। कलश यात्रा के दौरान श्रीमद्भागवत महापुराण को विशेष रूप से सजाकर श्रद्धालुओं के बीच रखा गया। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर श्रीमद्भागवत ग्रंथ का स्वागत किया तथा पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ उठाया। महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इसके पश्चात श्रीमद्भागवत ज्ञान सप्ताह के प्रथम दिवस की कथा का शुभारंभ वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास बाल योगी पचैरी जी महाराज ने किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि परमात्मा के स्वरूप को शास्त्रों में तीन रूपों सत, चित और आनंद के रूप में बताया गया है। सत का अर्थ शाश्वत सत्य, चित का अर्थ चेतना अथवा ज्ञान और आनंद का अर्थ परम सुख है। परमात्मा इन तीनों गुणों से परिपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में सत्य, सदाचार और भक्ति को अपनाना चाहिए। भगवान की भक्ति और सत्संग से ही मनुष्य को वास्तविक शांति एवं आनंद की प्राप्ति होती है। कथा के दौरान श्रद्धालु भजनों और धार्मिक प्रसंगों में भावविभोर नजर आए। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत ज्ञान सप्ताह के अंतर्गत प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सांय 6 बजे तक कथा का आयोजन किया जाएगा तथा सामूहिक तुलसी विवाह समारोह सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ संपन्न होंगे। कार्यक्रम में प्रवीण कुमार, प्रशांत अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, सोनू कुमार, चन्द्रभाव विश्वकर्मा, नरेश रस्तौगी, दिनेश माहेश्वरी, नीरज शारदा आदि मौजूद रहे।

शरद महोत्सव में मेधावियों का सम्मान, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मिली छात्रवृत्ति



मुजफ्फरनगर। शिखर शिक्षा सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को वार्षिक शरद महोत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोकगीतों, मनमोहक नृत्यों और आकर्षक मेले ने अतिथियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीचंद शर्मा एवं विशिष्ट अतिथियों ने विद्यालय के चेयरमैन सुशील शर्मा, निदेशक राजेश शर्मा, प्रबंधिका शिखा शर्मा, राजीव कौशिक, वान्या कौशिक एवं चित्रा गोयल के साथ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का आगाज हुआ। विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना भी है। बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए ऐसे मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। शिखर शिक्षा सदन इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा कि विद्यालय शिक्षा, संस्कार और संस्कृति का सुंदर संगम प्रस्तुत कर रहा है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। विद्यालय के चेयरमैन सुशील शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान छात्र-छात्राओं ने लोकगीतों, पंजाबी गीतों और विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों पर पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। वहीं महोत्सव में लगाए गए मेले में आकर्षक दुकानें, मनोरंजक खेल, स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल और रंग-बिरंगे झूले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों के साथ अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने भी मेले का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर अनुभव मेमोरियल स्कॉलरशिप के अंतर्गत बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की टॉपर तिथि शर्मा एवं सलोनी को 20-20 हजार रुपये, आदित्य चौधरी, इशिता प्रजापति एवं शौर्य पाराशर को 15-15 हजार रुपये तथा हादिया, मोहम्मद हम्माद, पलक शर्मा एवं अक्षित चैधरी को 10-10 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इसके अलावा मेले में कूपन के माध्यम से 21 लकी ड्रॉ निकाले गए, जिनमें चयनित विद्यार्थियों को आकर्षक पु-रस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन छात्राओं तिथि शर्मा, श्रेया, आव्या शर्मा, इनम्मा, जोया तोमर, समरीन, इशिका सैनी, अक्षिता एवं निदा ने अध्यापक अनुराग गोयल और फैजदीन के मार्गदर्शन में किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया

बिजली का बिल जमा कराने गई मां लौटी तो घर से गायब मिली 15 वर्षीय किशोरी, इलाके में मचा हड़कंप

पति-पत्नी ने मोहल्ले से लेकर रिश्तेदारियों तक की तलाश, कोई सुराग नहीं लगा, अज्ञात व्यक्ति पर बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका; खालापार थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शहर के खालापार थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में 15 वर्षीय किशोरी के अचानक लापता होने से प-रिवार में हड़कंप मच गया। मां बिजली का बिल जमा कराने के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। जब मां बिल जमा कराकर वापस लौटी तो बेटी घर पर मौजूद नहीं मिली। काफी देर तक आसपास तलाश करने के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद किशोरी के माता-पिता ने मोहल्ले के लोगों और रिश्तेदारियों में उसकी तलाश की, लेकिन कहीं से भी कोई जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों ने किसी अज्ञात व्यक्ति पर किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने की आशंका जताई है। मां की तहरीर पर थाना खालापार पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

बिजली का बिल जमा कराने के लिए घर से निकली थी मां

खालापार थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले के रहने वाली महिला ने पुलिस को दी शि-ाकायत में बताया कि उसकी बेटी की उम्र करीब 15 वर्ष है। 13 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 3:30 बजे वह बिजली का बिल जमा कराने के लिए घर से बाहर गई थी। महिला को उम्मीद थी कि बिल जमा कराकर वापस लौटने पर बेटी घर पर ही मिलेगी, लेकिन जब वह वापस पहुंची तो किशोरी घर पर मौजूद नहीं थी। घर में बेटी को नहीं देखकर मां परेशान हो गई और उसने आसपास के लोगों से उसके बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी।

काफी देर तक घर और आसपास तलाशते रहे परिजन

किशोरी के अचानक लापता होने से प-रिवार के लोग घबरा गए। मां ने पहले आसपास के घरों और मोहल्ले में उसकी तलाश की। इसके बाद किशोरी के पिता और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी खोजबीन शुरू कर दी। परिजनों ने मोहल्ले के लोगों से पूछताछ की और रिश्तेदारियों में फोन कर बेटी के पहुंचने की जानकारी जुटाई। काफी प्रयासों के बावजूद किशोरी का कोई पता नहीं चल सका। परिवार की ओर से संभावित स्थानों पर तलाश किए जाने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने से उनकी चिंता लगातार बढ़ती चली गई।

अज्ञात व्यक्ति पर बहला-फुसलाकर ले जाने की जताई आशंका

बेटी का कोई सुराग नहीं मिलने पर मां ने थाना खालापार पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। तहरीर में उसने आशंका जताई कि उसकी 15 वर्षीय बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मां ने पुलिस से बेटी की तलाश कराने और उसे सुरक्षित बरामद करने की गुहार लगाई है। किशोरी की कम उम्र को देखते हुए परिवार के लोग किसी अनहोनी की आशंका से परेशान हैं।

13 नवंबर से लापता है किशोरी, परिजनों को बरामदगी का इंतजार

शिकायत के अनुसार, किशोरी 13 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 3:30 बजे से लापता है। घटना के बाद से प-रिवार के लोग लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए हैं। परिजनों का कहना है कि उन्होंने अपने स्तर से हर संभव स्थान पर जानकारी करने का प्रयास किया, लेकिन अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

मामले में किशोरी की मां की तहरीर के आधार पर थाना खालापार पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस किशोरी की तलाश के साथ ही उसके अचानक लापता होने के कारणों की जांच कर रही है। आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाने और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि किशोरी को जल्द से जल्द सकुशल बरामद किया जा सके।

घरेलू काम में मदद करने वाले युवक को लेकर विवाहिता से विवाद, तीन महिलाओं पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ससुराल में अकेली रह रही विवाहिता को घर छोड़ने का दबाव बनाने और आए दिन गाली-गलौज कर परेशान करने का आरोप, पीड़िता की तहरीर पर बुढ़ाना थाने में तीन महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना थाना क्षेत्र में घरेलू कामकाज में मदद करने वाले मोहल्ले के एक युवक को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। यहां ससुराल में अकेली रह रही एक विवाहिता ने मोहल्ले की तीन महिलाओं पर आए दिन उसके साथ झगड़ा करने, गाली-गलौज करने, झूठे आरोप लगाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। विवाहिता का कहना है कि आरोपी महिलाएं उसे लगातार मानसिक रूप से परेशान कर रही हैं और ससुराल छोड़कर चले जाने का दबाव बना रही हैं। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने तीनों महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी के बाद से प्रताड़ित करने का आरोप

विवाहिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका निकाह मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा परेशान और प्रताड़ित किया जाने लगा था। इस संबंध में उसने पहले भी बुढ़ाना थाने में शिकायत की थी। शि-ाकायत के बाद उसके ससुराल पक्ष के सभी लोग वहां से बाहर चले गए और वह अकेली ही ससुराल में रह रही है।

घरेलू काम में मदद करने वाले युवक को लेकर विवाद

विवाहिता के अनुसार, उसके मोहल्ले में रहने वाला एक युवक घरेलू कामकाज में उसकी थोड़ी-बहुत मदद कर देता है। इसी बात को लेकर मोहल्ले की तीन महिलाएं उससे नाराज रहती हैं। आरोप है कि तीनों महिलाएं आए दिन इसी बात को लेकर उसके साथ विवाद करती हैं और गाली-गलौज कर परेशान करती हैं। इतना ही नहीं, आरोपी महिलाएं उसके खिलाफ तरह-तरह के गलत और झूठे आरोप भी लगाती हैं।

ससुराल छोड़ने का दबाव, जान से मारने की धमकी

पीड़िता ने आरोप लगाया कि तीनों महिलाएं उसे बार-बार ससुराल छोड़कर चले जाने की धमकी देती हैं। विरोध करने पर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। आरोप है कि महिलाएं उसे जान से मारने की धमकी देते हुए कहती हैं कि इसे मार दो, पुलिस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। विवाहिता का कहना है कि आरोपी महिलाओं की इन धमकियों से वह बेहद भयभीत है।

अकेले रहने के कारण सुरक्षा को लेकर चिंतित

विवाहिता ने पुलिस को बताया कि वह ससुराल में अकेली रहती है। ऐसे में तीनों महिलाओं द्वारा लगातार परेशान किए जाने और धमकियां दिए जाने से उसे अपनी जान-माल का खतरा बना हुआ है। उसे आशंका है कि आरोपी महिलाएं भविष्य में उसके साथ कोई गंभीर अप्रिय घटना कर सकती हैं। पीड़िता ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आ-रोपियों के खिलाफ उचित कानूनी का-र्रवाई करने और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की।

तीन महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मामले में 13 नवंबर 2026 को थाना बुढ़ाना में लिखित शिकायत दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर शहनाज, नूर जहां और शमीम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में बच्चे को डॉक्टर को दिखाने पहुंचे परिवार से युवती लापता, युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। शहर के महावीर चौक स्थित एक अस्पताल में बच्चे को डॉक्टर को दिखाने पहुंचे परिवार की 26 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिवार के लोग अस्पताल में बच्चे का उपचार कराने के लिए डॉक्टर के केबिन में गए थे, जबकि युवती अपनी छोटी बहन के साथ बाहर बैठी हुई थी। कुछ देर बाद जब परिवार के लोग बाहर आए तो युवती वहां से गायब मिली। तलाश और फोन पर संपर्क करने के दौरान युवती ने समोसे लेने के लिए गर्ग की दुकान पर जाने की बात कही, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजनों ने गाजियाबाद जनपद के एक युवक पर अपने रिश्तेदारों और परिवार के लोगों की मदद से युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। भाई की तहरीर पर थाना सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बच्चे को दिखाने अस्पताल पहुंचा था परिवार

बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव बिटावदा निवासी एक युवक ने थाना सिविल लाइन पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ महावीर चौक स्थित अस्पताल में बच्चे को डॉक्टर को दिखाने पहुंचा था। उसके साथ उसकी दो बहन भी मौजूद थीं। परिवार के लोग बच्चे को लेकर डॉक्टर के केबिन में चले गए, जबकि दोनों बहनें बाहर बैठी हुई थीं।

शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ डॉक्टर के केबिन से बाहर आया तो उसकी बड़ी बहन वहां मौजूद नहीं मिली। उसने अपनी छोटी बहन से उसके बारे में जानकारी की तो बताया गया कि वह किसी काम से बाहर गई है। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया।

समोसे लेने जाने की कही थी बात, फिर मोबाइल हुआ बंद

तहरीर के मुताबिक, जब भाई ने युवती के मोबाइल नंबर पर फोन किया तो उसने बताया कि वह गर्ग की दुकान पर समोसे लेने आई है। इसके बाद परिजन लगातार उसे फोन करते रहे, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं की। शाम करीब 5:30 बजे से उसका मोबाइल फोन बंद आने लगा। काफी प्रयासों के बावजूद उससे संपर्क नहीं हो सका, जिससे परिजनों की चिंता बढ़ गई।

गाजियाबाद के युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

परिजनों का आरोप है कि बाद में उन्हें जानकारी मिली कि गाजियाबाद जनपद के निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव शेरपुर निवासी अमन पुत्र देवेंद्र सिंह अपने रिश्तेदारों और परिवार के लोगों की मदद से युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। युवती के अचानक लापता होने और मोबाइल फोन बंद होने के बाद परिवार ने पुलिस से उसकी तलाश कराने तथा आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

आरोपी अमन के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी मामले में युवक की तहरीर पर थाना सिविल लाइन पुलिस ने गाजियाबाद निवासी अमन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। युवती की तलाश के साथ ही उसके लापता होने के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोहतास प्रजापति का मुजफ्फरनगर में भव्य स्वागत, समाज के लोगों ने किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद पहली बार मुजफ्फरनगर पहुंचे रोहतास प्रजापति का प्रजापति समाज एवं व्यापारी संगठनों की ओर से भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया।

इस दौरान समाज के लोगों ने उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित करते हुए नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुजफ्फरनगर पहुंचने पर रोहतास प्रजापति ने सबसे पहले ऐतिहासिक शिव चौक स्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्रीयादें प्रजापति कल्याण समिति में उनके सम्मान में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष कंवरपाल ने की, जबकि संचालन एडवोकेट रामनिवास प्रजापति ने किया।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि रोहतास प्रजापति को भाजपा पिछड़ा मोर्चा में पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलना पूरे प्रजापति समाज के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने समाज की एकजुटता, संगठन की मजबूती, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही युवाओं से शिक्षा एवं सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।

इस दौरान संजीव संगम प्रजापति, पूर्व अध्यक्ष रमेश प्रजापति, मैनपाल प्रजापति, श्याम सुंदर प्रजापति, गोपाल प्रजापति, सोहन पाल प्रजापति, संदीप रोधिया प्रजापति, ब्रह्मपाल प्रजापति, निर्वेश प्रजापति, भाजपा नेता विजय प्रजापति, गोपी प्रजापति, पिंटू प्रजापति, कुणाल प्रजापति, मोनू प्रजापति और पत्रकार विशाल प्रजापति सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इसके अलावा रोहतास प्रजापति के साथ मेरठ से पहुंचे आनंद प्रजापति, सचिन प्रजापति, दिनेश प्रजापति एवं भविष्य प्रजापति का भी फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। समारोह में समाज के लोगों ने आपसी भाईचारा और एकता बनाए रखने के साथ सामाजिक उत्थान, शिक्षा तथा आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में उपस्थित लोगों ने रोहतास प्रजापति के सफल कार्यकाल की कामना की।

मुरादनगर में काइट कॉलेज के सामने दो रेस्टोरेंट में भीषण आग, दमकल की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र में का-इट कॉलेज के सामने रविवार को दो रेस्टोरेंट में अचानक आग लगने से ह-ड़कंप मच गया। आग खोखा ओपन रेस्टोरेंट और फूड हब के किचन में लगी। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही मोदीनगर फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में फायर सर्विस यूनिट ने तत्काल कार्रवाई करते हुए फायर टेंडर से होज पाइप लाइन बिछाई और होजरील के माध्यम से पंपिंग कर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत और सूझबूझ के साथ आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इस दौरान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री



मुरादनगर से भी दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने के अभियान में सहयोग किया।

दोनों दमकल गाड़ियों की मदद से आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। दमकलकर्मियों की तत्परता से आसपास स्थित अन्य रेस्टोरेंट और मकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। राहत की बात रही कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई।

घटनास्थल पर मुरादनगर थाना प्रभारी सहित स्थानीय पुलिस बल और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। खोखा रेस्टोरेंट के मालिक चैतन्य बालियान निवासी मु-रादनगर हैं, जबकि फूड हब के मालिक सौरभ शर्मा बताए गए हैं। आग लगने के कारणों और संपत्ति के नुकसान का फिलहाल विवरण सामने नहीं आया है।

पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी के दीपावली मिलन समारोह में उमड़ा ऐतिहासिक जनसैलाब, 15 हजार से अधिक लोगों की भागीदारी से हुआ भव्य शक्ति प्रदर्शन

मेरठ। किठौर विधानसभा के पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी द्वारा रविवार को दीपावली के पावन अवसर पर भगवती फार्म हाउस, गोकुलपुर, गढ़ रोड, मेरठ में भव्य दीपावली मिलन एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उमड़े अभूतपूर्व जनसैलाब ने समारोह को ऐतिहासिक जनसमागम का स्वरूप प्रदान किया। किठौर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 15 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सत्यवीर त्यागी जी के प्रति अपना अपार स्नेह एवं समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष हरवीर पाल, कैबिनेट मंत्री सोमेंद्र तोमर, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल, वर्तमान विधायक अमित अग्रवाल, श्रीचंद शर्मा, संजीव सिक्का, मनिंदर पाल एवं पूर्व सांसद विजय पाल सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह की भव्यता और जनसमर्थन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि क्षेत्र के दूर-दराज के गांवों से लोग 2300 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, 600 से अधिक जीपों और 1000 से अधिक बाइकों सहित अन्य वाहनों के माध्यम से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। हर ओर उत्साह, उमंग और दीपावली के उल्लास के साथ हजारों लोगों की मौजूदगी देखने को मिली। उमड़े इस विशाल जनसैलाब ने न केवल समारोह को यादगार बनाया, बल्कि इसे किठौर विधानसभा में एक भव्य शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी स्थापित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों ने पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी जी के जनसेवा के कार्यों, संगठन के प्रति समर्पण, कार्यकताओं के साथ उनके जुड़ाव और क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका की सराहना की। अतिथियों ने उनके नेतृत्व, मेहनत और जनता के बीच मजबूत संबंधों की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता का इतना बड़ा समर्थन उनके प्रति विश्वास और आत्मीयता को दशार्ता है। इस विशाल जनसमर्थन ने आगामी राजनीतिक परिदृश्य को लेकर भी एक स्पष्ट संदेश दिया। हजारों की संख्या में उमड़े क्षेत्रवासियों ने अपने उत्साह और सहभागिता से सत्यवीर त्यागी के प्रति पूरे दिल से समर्थन व्यक्त किया। जनसैलाब के रूप में उमड़ी जनता की मौजूदगी को उनके नेतृत्व और लोकप्रियता पर जनता की मजबूत मुहर के तौर पर देखा जा रहा है। इस अवसर पर सत्यवीर त्यागी जी ने सभी अतिथियों, वरिष्ठजनों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं क्षेत्र-वासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किठौर विधानसभा की जनता का यह अपार स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

रॉयल बुलेटिन
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 16 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



मुजफ्फरनगर में चंद्रशेखर आजाद और ओवैसी के गठबंधन के खिलाफ खुला मोर्चा, दक्षिणी कृष्णापुरी में लगे प्रवेश निषेध के पोस्टर

आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम के नेताओं, कार्यकताओं व समर्थकों की मोहल्ले में एंट्री पर रोक लगाने का ऐलान

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। नए राजनीतिक समीकरण बनाने के साथ ही गठबंधन की राजनीति भी जोर पकड़ने लगी है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के बीच हुए गठबंधन के बाद प्रदेश की सियासत में नई चचाएं शुरू हो गई हैं। दोनों दलों ने आगामी विधानसभा चुनाव साथ लड़ने के लिए ह्यसामाजिक परिवर्तन मोर्चाह्न बनाया है, लेकिन इस गठबंधन को लेकर अब विरोध के स्वर भी सामने आने लगे हैं। मुजफ्फरनगर शहर के दक्षिणी कृष्णापुरी मोहल्ले में इस गठबंधन के खिलाफ पोस्टर लगाकर बाकायदा विरोध का ऐलान किया गया है। पोस्टरों में दोनों दलों को भाजपा की बी-टीम बताते हुए उनके नेताओं, कार्यकताओं और समर्थकों के मोहल्ले में प्रवेश पर रोक लगाने की बात लिखी गई है। पोस्टर सामने आने के बाद शहर के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इस घटनाक्रम को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

'एंट्री बैन्ड लिखकर दोनों दलों के प्रवेश पर लगाई रोक दक्षिणी कृष्णापुरी मोहल्ले में लगाए गए पोस्टरों की भाषा और संदेश ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। पोस्टर पर सबसे ऊपर आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम का नाम लिखा गया है। इसके बाद दोनों दलों पर निशाना साधते हुए भाजपा की बी-टीम बनकर आए दोनों दल लिखा गया है। पोस्टर में अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में ह्यएंट्री बैन्डह्न और उसके नीचे हिंदी में ह्यप्रवेश निषेधह्न लिखकर विरोध को स्पष्ट किया गया है। पोस्टर पर आगे लिखा गया है कि इन दोनों दलों से जुड़े किसी भी नेता, कार्यकर्ता या समर्थक की अब जनपद मुजफ्फरनगर के मोहल्ला दक्षिणी कृष्णापुरी में एंट्री नहीं होगी। पोस्टर के अंत में निवेदक के रूप में शौर्य भारद्वाज का नाम दर्ज है। इस तरह पोस्टर के माध्यम से केवल गठबंधन की राजनीतिक आलोचना ही नहीं की गई, बल्कि दोनों दलों से जुड़े लोगों के मोहल्ले में आने पर भी आपत्ति जताई गई है। चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी पर साधा निशाना

पोस्टर लगाने वाले शौर्य भारद्वाज ने आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष



चंद्रशेखर आजाद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के राजनीतिक गठबंधन पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने दोनों नेताओं के गठबंधन को ठगबंधन करार दिया। उनका आरोप है कि दोनों दल भाजपा की बी-टीम के रूप में काम करने के लिए आए हैं। उन्होंने इस गठबंधन को लेकर लोगों से सावधान रहने और इससे बचने की अपील भी की। शौर्य भारद्वाज का कहना है कि दोनों दलों की राजनीतिक भूमिका को लेकर उन्हें और क्षेत्र के लोगों को आपत्ति है। इसी कारण उन्होंने विरोध को सार्वजनिक रूप से दर्ज कराने के लिए पोस्टर लगाने का कदम उठाया है। उनका कहना है कि राजनीतिक गठबंधन करना किसी भी दल का अपना निर्णय हो सकता है, लेकिन उस गठबंधन की भूमिका और उसके राजनीतिक उद्देश्य को लेकर सवाल उठाना भी लोगों का अधिकार है। इसी विरोध को पोस्टर के माध्यम से सामने रखा गया है।

अपने ही मोहल्ले में पोस्टर लगाकर राजनीतिक गठबंधन को दी चुनौती

शौर्य भारद्वाज ने बताया कि दक्षिणी कृष्णापुरी उनका निवास स्थान है। उन्होंने दावा किया कि मोहल्ले के लोगों के साथ मिलकर आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम के गठबंधन का विरोध करने का फैसला लिया गया है। उनके अनुसार, क्षेत्र के लोगों के बीच इस गठबंधन को लेकर नाराजगी है और इसी नाराजगी को जाहिर करने के लिए पोस्टर लगाए गए हैं। उनका दावा है कि यह विरोध केवल उनका व्यक्तिगत विरोध नहीं है, बल्कि मोहल्ले के लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। हालांकि, पोस्टर पर निवेदक के रूप में केवल शौर्य भारद्वाज का नाम दर्ज है। मोहल्ले के कितने लोग इस फैसले में शामिल हैं और क्या सभी निवासियों ने सामूहिक रूप से ऐसा कोई निर्णय लिया है, इस संबंध में अलग से पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पोस्टर पर लिखे संदेश और पूरे मोहल्ले की वास्तविक राय के बीच अंतर को लेकर भी सवाल बने हुए हैं। पोस्टर के पीछे किसी राजनीतिक दल की भूमिका है या व्यक्तिगत विरोध, सवाल पर चुप्पी इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प पहलू पोस्टर लगाने के पीछे की राजनीतिक भूमिका को लेकर रहा। मीडिया से बातचीत के दौरान शौर्य भारद्वाज से पूछा गया कि पोस्टर पर केवल उनका नाम क्यों लिखा गया है? क्या यह विरोध उनकी व्यक्तिगत पहल है या फिर किसी राजनीतिक पार्टी अथवा संगठन के निर्देश पर पोस्टर लगाए गए हैं? इस सवाल पर उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने सवाल को टालते हुए कहा, ह्यसब चीजें अंदर की हैं, आप सवाल-जवाब ना करें।

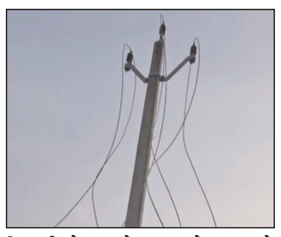
चरथावल में बिजली विभाग को चोरों ने लगाया साढ़े चार लाख का चूना, 5450 मीटर बिजली का तार चोरी

घिस्सूखेड़ा-पावटी मार्ग पर अज्ञात चोरों ने 33/11 केवी उपकेंद्र चौकड़ा के पावटी यून फीडर को बनाया निशाना

मुजफ्फरनगर। जनपद में बिजली विभाग की लाइनों को निशाना बनाकर तार चोरी करने वाले गिरोह की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। चरथावल क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने बिजली विभाग को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाते हुए घिस्सूखेड़ा-पावटी मार्ग से करीब 5450 मीटर बिजली का तार चोरी कर लिया। चोरों ने 33/11 केवी उपकेंद्र चौकड़ा से संचालित पावटी यून फीडर की लाइन को निशाना बनाया और लंबी दूरी तक फैली बिजली लाइन से तार काटकर ले गए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार चोरी किए गए तार की कीमत करीब 4.50 लाख रुपये है। घटना की जानकारी मिलने पर बिजली विभाग में हड़कंप मच गया। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है।

लाइन स्टाफ को जांच के दौरान मिली तार चोरी की जानकारी

जानकारी के अनुसार चरथावल क्षेत्र के 33/11 केवी उपकेंद्र चौकड़ा से पावटी यून फीडर का संचालन होता है। इसी फीडर से जुड़ी बिजली लाइन को अज्ञात चोरों ने अपना निशाना बनाया। घिस्सूखेड़ा-पावटी मार्ग पर चोरों ने



बिजली के खंभों पर लगे तार को काटकर चोरी कर लिया। बताया गया कि चोर एक-दो मीटर नहीं, बल्कि करीब 5450 मीटर यानी साढ़े पांच किलोमीटर से अधिक लंबा बिजली का तार समेटकर ले गए। इतनी बड़ी मात्रा में तार चोरी होने की घटना ने बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र में सक्रिय चोरों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाइन स्टाफ को जब बिजली लाइन से तार गायब होने की जानकारी मिली तो विभागीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और चोरी की गई लाइन का निरीक्षण किया। जांच के दौरान करीब 5450 मीटर बिजली का तार चोरी होने की पुष्टि हुई। अवर अभियंता के मुताबिक चोरी हुए तार की कीमत लगभग 4.50 लाख रुपये आंकी गई है। इतनी बड़ी मात्रा में बिजली का तार चोरी होने से विभाग को आर्थिक नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने घटना से संबंधित जानकारी जुटाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना में अज्ञात चोरों ने बिजली विभाग की लाइन को निशाना बनाते हुए तार काटा और अपने साथ ले गए। जिस स्थान से तार चोरी हुआ है, वहां इतनी बड़ी मात्रा में तार निकालने के लिए चोरों को पर्याप्त समय और संसाधनों की जरूरत पड़ी होगी। इसके बावजूद घटना को अंजाम देकर चोर मौके से निकल गए। विभागीय स्तर पर चोरी की मात्रा और नुकसान का आकलन करने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। अब पुलिस के सामने यह पता लगाने की चुनौती है कि इतनी बड़ी मात्रा में तार चोरी करने वाले लोग कौन हैं और चोरी किए गए तार को कहां खपाया गया है। बिजली विभाग की ओर से मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कार्रवाई की मांग की गई है। अवर अभियंता ने पुलिस चौकी कुरेसरा के प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और घटना का खुलासा करने की मांग की है। तहरीर में चोरी हुए तार की मात्रा और उससे विभाग को हुए आर्थिक नुकसान का उल्लेख किया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत, सिसौली के सुमित बालियान की मौत से परिवार में मचा कोहराम

फुगाना थाना क्षेत्र के लोई गांव के निकट वाटर पार्क के पास हुआ भीषण सड़क हादसा, देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुआ युवक

मुजफ्फरनगर। जनपद में तेज रफ्तार और लापरवाही से होने वाले सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। फुगाना थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। लोई गांव के निकट वाटर पार्क के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और हादसे में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान सिसौली निवासी सुमित बालियान के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं, युवक की असमय मौत की सूचना घर पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार फुगाना थाना क्षेत्र के लोई गांव के निकट स्थित वाटर पार्क के पास शनिवार देर रात बाइक सवार सुमित बालियान जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद सुमित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने युवक को संभालने का प्रयास किया और पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। हादसे में सुमित बालियान को गंभीर चोटें आईं और उनकी जान नहीं बच सकी। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने



वाले वाहन की पहचान नहीं हो सकी। हादसे के कारणों और वाहन की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसे में कौन सा वाहन शामिल था और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। सिसौली निवासी सुमित बालियान की मौत की खबर जैसे ही उनके परिजनों तक पहुंची, परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अचानक हुई इस घटना से परिवार के लोग सदमे में हैं। जिस युवक के घर लौटने का इंतजार किया जा रहा था, उसकी मौत की खबर ने परिजनों को गहरे दुख में डाल दिया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिचितों और क्षेत्र के लोगों में भी शोक की लहर दौड़ गई। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर फुगाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। अज्ञात वाहन के बारे में पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस हादसे के संभावित कारणों की भी जांच कर रही है, ताकि दुर्घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। इस हादसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि बाइक को टक्कर मारने वाला वाहन कौन सा था और दुर्घटना के बाद वह कहां चला गया। फिलहाल वाहन की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने के साथ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। सिसौली के सुमित बालियान की मौत से क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं, परिजन हादसे की पूरी जानकारी मिलने और पुलिस की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

भैया दूज पर मां को गांव छोड़कर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में गंभीर हुआ था घायल कुनाल

बुढ़ाना के बड़ौत रोड पर बड़ौदा कट के निकट हुआ हादसा, तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाने का आरोप

बुढ़ाना। भैया दूज के अवसर पर अपनी मां को गांव छोड़कर वापस घर लौट रहे एक युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। बुढ़ाना क्षेत्र में बड़ौत रोड पर गांव बड़ौदा कट के निकट दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल हुए युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान कुनाल पुत्र अजय के रूप में हुई है। हादसे के बाद उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया था। परिजन उसे सुभारती अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां तीन दिन तक चले उपचार के बावजूद चिकित्सक उसकी जान नहीं बचा सके। युवक की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया। मृतक के भाई अर्चित की शिकायत पर बुढ़ाना पुलिस ने दूसरे मोटरसाइकिल चालक के



खिलाफ दुर्घटना का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार नोएडा निवासी अर्चित का भाई कुनाल पुत्र अजय 11 नवंबर 2026 को भैया दूज के अवसर पर अपनी मां को मोटरसाइकिल से गांव बड़ौदा छोड़ने आया था। त्योहार के चलते वह अपनी मां को गांव पहुंचाने के बाद वापस अपने घर लौट रहा था। परिवार को अंदाजा भी नहीं था कि घर लौटने के दौरान रास्ते में उसके साथ ऐसा दर्दनाक हादसा हो जाएगा। मां को गांव छोड़कर निकला कुनाल रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गया और गंभीर रूप से घायल होने के बाद अस्पताल पहुंच गया। बताया गया कि 11 नवंबर की सुबह करीब 9:30 बजे कुनाल जब बुढ़ाना के बड़ौत रोड से गुजर रहा था, तभी गांव बड़ौदा कट के निकट सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उसकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुनाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्ष रूप से सामने आए घटनाक्रम के बाद घायल युवक को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। मृतक के भाई अर्चित ने पुलिस को दी शिकायत में दूसरे मोटरसाइकिल चालक पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है।

विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, इंस्पेक्टरों के तबादलों में फिर रद्दोबदल, बिजेंद्र सिंह रावत की मुजफ्फरनगर वापसी

शामली से मुजफ्फरनगर भेजे गए निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत, सहारनपुर और मुजफ्फरनगर के 15 निरीक्षकों के स्थानांतरण में हुआ बदलाव, नई सूची जारी होते ही पुलिस महकमे में चचाएं तेज

मुजफ्फरनगर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में स्थानांतरण और तैनाती की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में सहारनपुर परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर जनपदों में पुलिस निरीक्षकों के तबादलों को लेकर एक बार फिर बड़ा बदलाव किया गया है। पहले जारी स्थानांतरण आदेश के बाद अब संशोधित सूची जारी की गई है, जिसमें कई निरीक्षकों की तैनाती में रद्दोबदल किया गया है। इस फेरबदल में सबसे अधिक चर्चा निरीक्षक विजेंद्र सिंह रावत की मुजफ्फरनगर वापसी को लेकर हो रही है। वह इससे पहले मुजफ्फरनगर जनपद के कई थानों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब शामली से उनका स्थानांतरण दोबारा मुजफ्फरनगर कर दिया गया है। पुलिस निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह रावत का नाम मुजफ्फरनगर के पुलिस महकमे में पहले से जाना-पहचाना है। वह जनपद के कई थानों में



तैनात रह चुके हैं। विधानसभा चुनाव-2027 के दृष्टिगत जारी स्थानांतरण आदेश में उन्हें शामली से मुजफ्फरनगर भेजने का निर्णय लिया गया है। उनके स्थानांतरण की खबर सामने आने के बाद पुलिस विभाग में उनकी वापसी को लेकर चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस महानिरीक्षक स्थापना, उत्तर प्रदेश लखनऊ की ओर से 12 नवंबर 2026 को जारी निदेशों के अनुपालन में सहारनपुर परिक्षेत्र के जनपदों में निरीक्षक नागरिक पुलिस के स्थानांतरण और समायोजन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी क्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह की ओर से जारी पहले आदेश में छह निरीक्षकों के स्थानांतरण किए गए थे। इनमें विजेंद्र सिंह रावत को शामली से मुजफ्फरनगर भेजा गया था। प्रमोद कुमार, मोनिका चौहान, मनोज कुमार, विपिन कुमार मौर्य और यतेन्द्र कुमार को शामली से सहारनपुर स्थानांतरित किया गया था। इसके बाद जारी संशोधित स्थानांतरण सूची में सहारनपुर में तैनात दस निरीक्षकों को शामली के स्थान पर मुजफ्फरनगर भेजने का निर्णय लिया गया है। इनमें अविनाश गौतम, धर्मेन्द्र कुमार, ज्ञानेश्वर बौद्ध, हृदय नारायण सिंह, परविन्दर पाल, रमेश चन्द्र सिंह, संजीव कुमार, संजीव कुमार, सन्तोष कुमार त्यागी और सुरेन्द्र कुमार शामिल हैं। इन सभी निरीक्षकों के स्थानांतरण में गंतव्य जनपद मुजफ्फरनगर में किया गया है। संशोधित सूची में मुजफ्फरनगर में तैनात पांच निरीक्षकों का भी स्थानांतरण किया गया है।

2027 के चुनाव से पहले सपा ने तेज की सियासी तैयारी, पंकज मलिक ने भाजपा सरकार को घेरा, महानगर संगठन का विस्तार

सपा पार्टी कार्यालय पर प्रेस वार्ता में महंगाई, बेरोजगारी, किसान और युवाओं के मुद्दों पर उठाए सवाल, जिया चौधरी ने भी संगठन को मजबूत करने और जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष तेज करने की बात कही, बोबी त्यागी महानगर अध्यक्ष और असद पाशा महासचिव नियुक्त

मुजफ्फरनगर। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी ने जिले में अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। महावीर चौक स्थित पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में चरथावल विधायक पंकज मलिक ने महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा की प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश शर्मा ने भी भाजपा की चुनावी राजनीति पर सवाल उठाए। वहीं, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों को लेकर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। इसी क्रम में महानगर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए पुष्पेंद्र उर्फ बोबी त्यागी को महानगर अध्यक्ष और मौहम्मद असद पाशा को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रेस वार्ता में विधायक पंकज मलिक ने योगी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश की जनता को वास्तविक समस्याओं से भटकाने के लिए धर्म और जाति के मुद्दों को आगे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी आम आदमी के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। युवाओं को रोजगार, आम परिवारों को महंगाई से राहत और किसानों को उनकी समस्याओं का समाधान चाहिए, लेकिन सरकार इन बुनियादी सवालों पर अपेक्षित जवाब देने के बजाय नारों और दावों में उलझी हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति धर्म और जाति के आधार पर समाज में विभाजन पैदा करने के इर्द-



गिर्द घूम रही है। जनता की असली समस्याओं को राजनीतिक नारों के पीछे छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता के वास्तविक मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के पास जनता के बीच ले जाने के लिए ठोस चुनावी मुद्दों का अभाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय सांप्रदायिक तनाव और दंगों के मुद्दों का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है। राकेश शर्मा ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की राजनीति में बदलाव और बेचैनी दिखाई देने लगी है। जनता के सामने महंगाई, बेरोजगारी, विकास और जनसमस्याओं जैसे सवाल प्रमुखता से उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी। सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने भी प्रेस वार्ता में पार्टी की राजनीतिक और संगठनात्मक तैयारियों को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और कार्यकताओं को सक्रिय रखना जरूरी है। पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी तथा महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और युवाओं की समस्याओं को लेकर संघर्ष करेगी।

उन्होंने नवनियुक्त महानगर पदाधिकारियों से संगठन की जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

फर्मों का डाटा और जीएसटी नंबर चुराकर देशभर के व्यापारियों से ठगी करने वाला शातिर साइबर अपराधी गिरफ्तार

मेरठ निवासी आरोपी आठ राज्यों के व्यापारियों को बना चुका था निशाना, करीब 12 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा; दो मोबाइल फोन, तीन सिमकार्ड और आठ लाख रुपये के फर्जी बिल बरामद

मुजफ्फरनगर। ऑनलाइन कारोबार की आड़ में देशभर के व्यापारियों को ठगी का शिकार बनाने वाले एक शातिर साइबर अपराधी को मुजफ्फरनगर साइबर अपराध पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी इंटरनेट पर सक्रिय विभिन्न व्यापारिक फर्मों का डाटा चोरी कर उनके नाम और जीएसटी पहचान संख्या का दुरुपयोग करता था। इसके बाद मोबाइल अनुप्रयोगों के माध्यम से फर्जी बिल तैयार कर खुद को वास्तविक कारोबारी बताकर व्यापारियों से संपर्क करता था। उत्पादों के नमूनों की तस्वीरें भेजकर उनका विश्वास जीतने के बाद भुगतान अपने खातों में मंगवा लेता था। रकम मिलने के बाद या तो नकली सामान भेजता था अथवा सामान की आपूर्ति ही नहीं करता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन, तीन सिमकार्ड और करीब आठ लाख रुपये की धनराशि दर्शाने वाले फर्जी बिल



बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कुंवरपाल पुत्र नरपत सिंह मूल रूप से ग्राम लुहारली, थाना दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर का निवासी है और वर्तमान में जागृति विहार, थाना मेडिकल, जनपद मेरठ में रह रहा था के मोबाइल नंबरों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से अब तक 15 शिकायतें सामने आई हैं। इन शिकायतों में करीब 12 लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की जानकारी मिली है। पुलिस अब आरोपी से जुड़े अन्य मामलों और उसके पूरे गिरोह की पड़ताल कर रही है।

आंध्र प्रदेश के व्यापारी से 22,400 रुपये की ठगी से खुला मामला

पुलिस के मुताबिक, थाना साइबर अपराध मुजफ्फरनगर को आंध्र प्रदेश निवासी थारुन रेड्डी की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि मुजफ्फरनगर में पंजीकृत केके एंटरप्राइजेज के नाम से योनेक्स मैविस-350 शटलकॉक की आपूर्ति करने का झांसा देकर उससे 22,400 रुपये की धोखाधड़ी की गई है। शिकायत मिलने के बाद साइबर अपराध पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आया कि मुजफ्फरनगर में केके एंटरप्राइजेज के नाम से वास्तव में एक फर्म पंजीकृत है, लेकिन आरोपी ने इस फर्म के नाम और जीएसटी पहचान संख्या का गलत इस्तेमाल कर लिया था। आरोपी ने एक्सपोर्ट इंडिया और व्यापार मोबाइल अनुप्रयोगों के माध्यम से फर्जी बिल तैयार किए और इसी फर्म की पहचान का इस्तेमाल करते हुए दूसरे व्यापारियों को भी अपने जाल में फंसाया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य जुटाने और डिजिटल गतिविधियों की जांच के बाद आरोपी की पहचान कुंवरपाल के रूप में की। इसके बाद साइबर अपराध पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गूगल से फर्मों का डाटा जुटाकर तैयार करता था फर्जी बिलपुलिस की जांच में आरोपी के धोखाधड़ी करने का तरीका भी सामने आया है।

नए डीएम की पहली दस्तक, अधिकारियों के साथ बैठक और कलेक्ट्रेट का निरीक्षण, विकास को गति देने का संकल्प

सुनील कुमार सिंह ने संभाली मुजफ्फरनगर की कमान, चुनाव और जनगणना के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने के दिए संकेत, बोले- पूरी टीम को साथ लेकर जिले को विकास की राह पर आगे बढ़ाएंगे

मुजफ्फरनगर। जिले को नया जिलाधिकारी मिल गया है। शासन की ओर से किए गए प्रशासनिक फेरबदल के बाद मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी उमेश मिश्रा का पदोन्नति के बाद लखनऊ में विशेष सचिव के पद पर स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थान पर नियुक्त किए गए सुनील कुमार सिंह ने शनिवार शाम मुजफ्फरनगर पहुंचकर जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। जिले की कमान संभालने के अगले ही दिन रविवार सुबह नए जिलाधिकारी पूरी तरह सक्रिय नजर आए। उन्होंने सबसे पहले कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी में जनपद के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रशासनिक कामकाज की जानकारी ली। इसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर निमार्णाधीन भवनों और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नए जिलाधिकारी की पहली सक्रियता से



प्रशासनिक महकमे में हलचल दिखाई दी। कार्यभार ग्रहण करने के बाद रविवार सुबह जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने एनआईसी में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के कामकाज और जनपद में संचालित प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। जिले के सामने मौजूद महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और शासन की प्राथमिकताओं पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर काम करने और सभी महत्वपूर्ण कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने पर जोर दिया।

कलेक्ट्रेट का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की ली जानकारी

बैठक के बाद जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ निमार्णाधीन भवनों और अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

मुजफ्फरनगर से पुराना नाता, बोले- यहां के लोगों से मिला है भरपूर प्यार

मीडिया से बातचीत के दौरान नवनियुक्त जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने मुजफ्फरनगर से अपने पुराने जुड़ाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह पहले भी लंबे समय तक मुजफ्फरनगर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। यहां के लोगों से उन्हें पहले भी भरपूर प्यार और सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर के लोग बहुत अच्छे हैं और वह अपनी पूरी टीम को साथ लेकर काम करेंगे। उनका प्रयास रहेगा कि जनपद को विकास और प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया जाए।

संपादकीय

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने मेडिकल रिसर्च को किया आसान

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई के अनुसार, अगले एक दशक में कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियों को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। पहले यह दावा असंभव लगता था, लेकिन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) ने मेडिकल रिसर्च को जो अभूतपूर्व गति दी है, उससे अब इस लक्ष्य को हासिल करने की एक नई और मजबूत उम्मीद जगी है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई का दावा है कि कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियां अगले एक दशक में अतीत की बातें हो सकती हैं। कुछ साल पहले अगर यह बात कही गई होती, तो यकीन करना मुश्किल हो जाता। लेकिन, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने जिस तरह मेडिकल रिसर्च को रफ्तार दी है, उससे डारियो का बयान उम्मीद जगाता है। काम आसान हुआ। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की ताकत है बहुत सारे आंकड़ों का तेजी से विश्लेषण। पहले डेटा के ढेर में से जो नतीजे हासिल करने में महीनों और बरसों लगते थे, वह काम अब घंटों और दिन में सिमट गया है। गूगल डीपमाइंड का अल्फाफोल्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसने प्रोटीन की संरचना का अनुमान लगाने में सफलता हासिल की, जो एक पुरानी पहेली थी। किसी बीमारी से जुड़े प्रोटीन की सही जानकारी होने पर वैज्ञानिक कम समय और लागत में इलाज तलाश सकते हैं। जानकारी बढ़ी। इसी तरह का एक और उदाहरण है रेनटोर्सेटिव , फेफड़ों से जुड़ी एक बेहद गंभीर बीमारी की दवा। जेनरेटिव एआई की मदद से खोजी और विकसित की गई यह पहली दवा है। फिलहाल क्लिनिकल ट्रायल के तीसरे चरण में है।

कैंसर और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के प्रति समझ बढ़ाने में भी एआई से बहुत सहायता मिली है। ऐसे ही कई और प्रॉजेक्ट हैं, जिन पर दुनियाभर में रिसर्च टीमें लगी हुई हैं।सभी तक पहुंच। चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक हमेशा मददगार रही है और एआई की क्षमताओं को देखते हुए उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही ज्यादा हैं। लेकिन, इसके साथ यह चिंता भी है कि तकनीक का लाभ कुछ खास तक सीमित होकर न रह जाए। अभी कुछ चुनिंदा देश हैं, जिन्होंने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में भारी निवेश किया है। एआई की कुंजी और उससे जुड़ा आर्थिक लाभ भी फिलहाल इन्हीं के पास है। घातक बीमारियों को जड़ से समाप्त करने के लिए तकनीक के फायदों को सभी के साथ बांटना होगा। साथ ही, सरकारों को मेडिकल इंफ्रा पर निवेश बढ़ाने की जरूरत है। डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी है। स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा मजबूत हुए बिना सभी को इलाज नहीं मिल सकता। यह ध्यान भी रखना होगा कि एआई से दवाओं की खोज और उत्पादन में तेजी तो आएगी, पर इलाज बहुत महंगा हुआ तो बड़ी आबादी की पहुंच से बाहर रहेगा। एंथ्रोपिक सीईओ डारियो ने एक अनुमान लगाया है। इसे निश्चित समयसीमा नहीं माना जा सकता। लेकिन, महत्वपूर्ण है कि इससे जुड़ी तैयारियां भी साथ में चलती रहें।

जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम

आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है।

(उमेश चतुर्वेदी)



जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, पीएमएएजीबाय , ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सूर्य षष्ठी व्रत यानी सूप में सजी सृष्टि

(दिलीप पाण्डेय)

छठ, प्रकृति पूजा और सहअस्तित्व का लोकदर्शन है। कार्तिक की ठंडी शाम। नदी किनारे हज़ारों दीये झिलमिला रहे हैं। पानी में उतरी व्रती के हाथ में बाँस का सूप है, जिसमें ठेकुआ, गन्ना, नारियल, केला और मौसमी फल सजे हैं। ध्यान से देखिए तो उस छोटे से सूप में पूरी सृष्टि समाई हुई है। खेत की उपज, पेड़ के फल, नदी का जल और ऊपर आकाश में ढलता सूरज। छठ का यह दृश्य किसी चित्रकार की कल्पना जैसा लगता है, पर यह हमारी हज़ारों साल पुरानी जीवन दृष्टि का सबसे सजीव रूप है।

इतिहास की परतों में छठ : सूर्य की उपासना भारत की सबसे प्राचीन परंपराओं में से एक है। ऋग्वेद में सूर्य और सविता की स्तुति के अनेक मंत्र हैं। गायत्री मंत्र भी सविता देव को ही समर्पित है। वैदिक ऋषि सूर्य को जगत की आत्मा मानते थे।

छठ की जड़ें लोककथाओं और महाकाव्यों में भी मिलती हैं। मान्यता है कि वनवास से लौटने के बाद माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य की आराधना की थी। मुंगेर में आज भी सीता चरण से जुड़ी आस्था इस कथा को जीवित रखे हुए है। महाभारत में सूर्यपुत्र कर्ण के बारे में कहा जाता है कि वे रोज़ घंटों कमर तक जल में खड़े रहकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। एक कथा यह भी है कि पांडवों के कठिन समय में द्रौपदी ने यह व्रत रखा था। छठी मैया को षष्ठी देवी के रूप में पूजा जाता है, जिन्हें संतान की रक्षा करने वाली माँ माना गया है। बिहार के औरंगाबाद ज़िले का देव सूर्य मंदिर इस परंपरा का बड़ा केंद्र है। प्राचीन अंग और मगध की धरती से निकला यह पर्व आज पूर्वांचल, झारखंड, नेपाल के तराई क्षेत्र से लेकर मुंबई, दिल्ली, मॉरीशस और अमेरिका तक मनाया जाता है। जहाँ भी इस मिट्टी के लोग गए, छठ उनके साथ गया।

बिना पुरोहित की पूजा : छठ की सबसे अनोखी बात इसकी सीधी सादी बनावट है। यहाँ भक्त और भगवान के बीच कोई तीसरा नहीं खड़ा होता। न किसी विशेष मंत्र की अनिवार्यता है, न किसी भव्य मंदिर की। नदी का किनारा ही वेदी है और खुला आसमान ही गर्भगृह। व्रती खुद पानी में उतरकर अपनी बात सूर्य से कहती है। इस पर्व में तामझाम की कोई जगह नहीं। सामग्री वही जो खेत और बगीचे ने दी। गुड़, गेहूँ, चावल, गन्ना, सिंघाड़ा, हल्दी, मूली। सब कुछ अपने हाथ से बना, पूरी पवित्रता के साथ। चार दिन का कठिन उपवास मन को भी उतना ही निर्मल करता है जितना घाट की सफाई नदी किनारे को।

एक और बात इसे दुनिया के तमाम पर्वों से अलग करती है। यहाँ अस्त होते सूर्य को भी उतने ही आदर से अर्घ्य दिया जाता है जितना उदय होते सूर्य को। चढ़ते को सलाम करना दुनिया की रीत है, पर ढलते को प्रणाम करना भारतीय मन की उदारता है। यह स्वीकार है कि जीवन का हर पड़ाव, उगना भी और ढलना भी, एक ही चक्र के हिस्से हैं।

प्रकृति पूजा- अंधविश्वास नहीं, विज्ञान है : कुछ लोग प्रकृति पूजा को पिछड़ेपन से जोड़ते हैं। पर ज़रा सोचिए, जिस सूर्य के बिना एक पत्ता भी हरा नहीं हो सकता, जिस जल के बिना एक दिन भी नहीं कटता, उसके प्रति आभार जताना अंधविश्वास कैसे हुआ? यह तो सबसे वैज्ञानिक कृतज्ञता है। हमारे अन्न, हमारी साँस, हमारी ऊर्जा, सबका मूल सूर्य ही है।

अथर्ववेद का पृथ्वी सूक्त कहता है, माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। यानी धरती माता है और मैं उसका पुत्र। ईशोपनिषद सिखाता है कि त्याग के भाव से भोग करो, किसी के धन का लोभ मत करो। हमारे पुरखों ने प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, परिवार का सदस्य माना। इसीलिए पीपल में देवता, तुलसी में माँ, गाय में माता और नदी में देवी देखी गई।

सहअस्तित्व का पाठ : सहअस्तित्व का अर्थ है कि इस धरती पर मनुष्य अकेला मालिक नहीं, बल्कि एक साझेदार है। पेड़, पशु, पक्षी, नदी, पहाड़, सबका इस पृथ्वी पर बराबर का हक है। हम उनसे लेते हैं तो हमें उन्हें लौटाना भी होगा। यह संतुलन ही जीवन का आधार है। छठ इस विचार को व्यवहार में उतारता है। जब व्रती सूर्य से मिली फसल का एक अंश उसी को अर्पित करती है, तो यह लेन देन का नहीं, आभार का संबंध है। जब पूरा मोहल्ला मिलकर घाट बनाता है, रास्ते साफ करता है, अनजान लोगों को प्रसाद बाँटता है, तो यह मनुष्य और मनुष्य के बीच सहअस्तित्व का उत्सव बन जाता है। यहाँ जाति, वर्ग, अमीरी गरीबी की दीवारें पानी में घुल जाती हैं। सब एक ही घाट पर, एक ही सूरज के सामने खड़े होते हैं।

आस्था और आचरण की दूरी : पर आज एक चुभता हुआ सच भी है। जिन नदियों में खड़े होकर हम अर्घ्य देते हैं, उनमें से कई की हालत दयनीय है। कहीं सफेद झाग तैर रहा है, कहीं प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, कहीं कारखानों का गंदा पानी बह रहा है। बदलते मौसम, घटती हरियाली और सूखते जलस्रोत बता रहे हैं कि प्रकृति के साथ हमारा रिश्ता बिगड़ चुका है। यह विरोधाभास हमें सोचने पर मजबूर करता है। एक तरफ हम नदी को पवित्र मानते हैं, दूसरी तरफ उसी में कचरा फेंकते हैं। अगर छठ की भावना सच्ची है, तो उसे घाट से उठाकर रोज़ की ज़िंदगी में लाना होगा।

घाट से घर तक संकल्प : इस बार अर्घ्य के साथ मन में एक वचन भी रखिए। घाट को जितना साफ पाया, उससे बेहतर छोड़कर आइए। पूजा में प्लास्टिक और थर्मोकोल की जगह बाँस, मिट्टी और पत्तों का उपयोग कीजिए। घर में हर बूँद पानी का मोल समझिए। और छठी मैया के नाम पर एक पौधा लगाइए, जिसे अपनी संतान की तरह पालिए। छठ हमें बताता है कि धर्म का असली अर्थ प्रकृति के साथ तालमेल में जीना है। जब सूप में सजी सृष्टि को हम सूरज की ओर उठाते हैं, तो असल में उस सृष्टि की रक्षा का वादा भी करते हैं। इस वादे को निभाना ही इस महापर्व का सच्चा फल है।छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ॥

(लेखक 'मानव-केंद्रित लोकतांत्रिक व्यवस्था' में शोधरत हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

पहले नेता और अफसर ही हनीट्रैप में फँसते थे, अब कंपनियों के सीईओ

अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई।

(नीरज कुमार दुबे)



यह पूरा मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। दुनिया की सबसे ताकतवर टेक्नोलॉजी कंपनियों में शुमार एनवीडिया के लिए नवंबर 2026 किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा। जिस कंपनी के ढ चिप्स पर दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य टिका है, उसके शेयरों में भारी गिरावट ने निवेशकों को हिलाकर रख दिया है। लेकिन इस बार संकट की वजह न तो किसी नए प्रतिस्पर्धी की चुनौती है और न ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मांग में कमी। इस तूफान के केंद्र में हैं कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग, चीन से जुड़े जासूसी के गंभीर आरोप और एक हनीट्रैप की कहानी।

मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। हम आपको बता दें कि जेनसन हुआंग का ऐलिस हुआंग नाम की एक चीनी कारोबारी महिला के साथ संबंध चर्चा में आया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कथित तौर पर संदेह था कि ऐलिस हुआंग के चीन की खुफिया व्यवस्था से संबंध हैं। वह सिंगापुर की क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल से जुड़ी रही थीं।

आरोप यह भी है कि उनके कारोबारी नेटवर्क के जरिए अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों के बावजूद करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स चीन तक पहुंचाने में मदद मिली। इस विवाद ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब एनवीडिया के बोर्ड ने स्वतंत्र जांच शुरू की। अमेरिकी जांच एजेंसियों की दिलचस्पी भी इस मामले में बढ़ी। अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई। कंपनी की सीएफओ कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन इस कहानी का असली महत्व सिर्फ एक सीईओके विवाद में नहीं छिपा है। इसके पीछे चिप्स की वह वैश्विक लड़ाई है, जिसमें तकनीक अब सीधे कूटनीति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा का हथियार बन चुकी है।

चिप्स क्यों बन गए हैं कूटनीतिक हथियार? : देखा जाये तो आज की दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप्स की अहमियत तेल और परमाणु तकनीक से कम नहीं है। लड़ाकू विमानों से लेकर मिसाइलों, सैटेलाइट, सुपर कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, हर महत्वपूर्ण तकनीक के पीछे चिप्स की ताकत है। जिस देश के पास अत्याधुनिक चिप्स और उन्हें बनाने की तकनीक पर नियंत्रण होगा, उसके पास भविष्य की सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्रभावित करने की क्षमता भी होगी। यही वजह है कि अमेरिका ने चीन को अत्याधुनिक चिप्स की आपूर्ति पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। दूसरी तरफ चीन लगातार ऐसे प्रतिबंधों से बचने और अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में एनवीडिया जैसी कंपनी सिर्फ एक कारोबारी प्रतिष्ठान नहीं रह जाती, बल्कि वह अमेरिकी सामरिक हितों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है।

जेनसन हुआंग का मामला इस बात का उदाहरण है कि किसी कंपनी के सीईओ का निजी जीवन भी किस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन सकता है। अगर किसी कारोबारी को व्यक्तिगत संबंधों के जरिए प्रभावित किया जा सके तो उसके फैसलों, संपर्कों और कंपनी की रणनीति तक पहुंचने का रास्ता खुल सकता है।

हनीट्रैप जासूसी की पुरानी तकनीक, नए निशाने : वैसे इस प्रकार की जासूसी का खेल कोई नई रणनीति नहीं है। शीत युद्ध के दौर में सोवियत संघ की चतक्रऔर पूर्वी जर्मनी की स्टासी जैसी एजेंसियां भी आकर्षण और प्रेम संबंधों के जरिए महत्वपूर्ण लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए कुख्यात थीं। सिंगापुर के राजनयिक अधिकारी एलन वी खेंग सून का मामला इसका चर्चित उदाहरण है।

1980 में उन्हें सोवियत एजेंट के साथ संबंधों और ब्लैकमेल के जरिए गोपनीय सूचनाएं साझा करने के मामले में दस साल की सजा हुई थी। ताइवान के सेना के जनरल लो सिएन-चे को भी चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में 2011 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उनके मामले में भी हनीट्रैप की भूमिका की चर्चा हुई थी।

फ्रांस के राजनयिक बर्नार्ड बोरसिकोट का मामला तो जासूसी की दुनिया के सबसे विचित्र प्रकरणों में गिना जाता है। 1964 में बीजिंग में उनकी मुलाकात चीनी ओपेरा कलाकार शी पेई पु से हुई थी। करीब दो दशक तक चले संबंधों में बोरसिकोट को यह विश्वास दिलाया गया कि शी एक महिला हैं और उनका एक बच्चा भी है। इस दौरान बोरसिकोट ने फ्रांस के गोपनीय राजनयिक दस्तावेज साझा किए। 1983 में मामला खुला और 1986 में दोनों को जासूसी का दोषी ठहराया गया था। साथ ही अमेरिका में भी चीनी खुफिया गतिविधियों को लेकर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। चीनी नागरिक फांग फांग के अमेरिकी नेताओं और राजनेताओं से संपर्क बनाने के प्रकरण ने अमेरिकी राजनीति में काफी हलचल मचाई थी। हालांकि, उनके खिलाफ जासूसी का कोई आपराधिक आरोप साबित नहीं हुआ।

बहरहाल, एनवीडिया प्रकरण की सबसे बड़ी सीख यही है कि अब जासूसी का निशाना सिर्फ सैन्य अधिकारी, राजनयिक या सरकारी गोपनीय दस्तावेज नहीं हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के सीईओ, उनके कारोबारी नेटवर्क और उनकी निजी कमजोरियां भी खुफिया एजेंसियों के निशाने पर हो सकती हैं। एआई के दौर में चिप्स पर जिसका नियंत्रण होगा, वह भविष्य की ताकत को प्रभावित करेगा। इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या आने वाले समय में दुनिया की तकनीकी कंपनियां जासूसी और भू-राजनीतिक संघर्ष का नया युद्धक्षेत्र बनने जा रही हैं?

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बिटावदा में पांच दिवसीय शूटिंग चैंपियनशिप, ऑनलाइन स्कोरिंग से मिल रही लाइव अपडेट



बुढ़ाना। क्षेत्र के गांव बिटावदा में पांच दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न जनपदों से आए शूटर निशानेबाजी में अपना दम खम दिखा रहे हैं। प्रतियोगिता के अंत में टॉप श्री शूटरों को नकद पुरुस्कार और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

बिटावदा गांव स्थित स्टार शूटिंग एकेडमी के कोच विनीत ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 नवंबर से 17 नवंबर तक पांच दिवसीय शहीद सहरावत मैमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न जनपदों से आए शूटरों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। एनआर रायफल, एनआर पिस्टल, इंटरनेशनल स्पोर्ट्स शूटिंग फेडरेशन पिस्टल और रायफल सहित चार श्रेणियों में शूटिंग प्रतियोगिता कराई जा रही है। शूटिंग कोच अमित चौधरी ने बताया कि इस बार प्रतियोगिता का परिणाम ऑनलाइन ऐप पर उपलब्ध है, जहां पर कोई भी खिलाड़ी का लाइव स्कोर देख सकता है। प्रतियोगिता के शुरूआती दो दिनों में एकेडमी की शूटर तपस्वी बालियान 623 स्कोर के साथ रायफल वर्ग में और रजत सांगवान 575 स्कोर के साथ पिस्टल वर्ग में उच्चतम स्कोर पर चल रहे हैं। पांच दिवसीय प्रतियोगिता के अंतिम दिन चारों श्रेणियों से उच्च स्कोर वाले आठ शूटरों का चयन चैम्पियन ऑफ द चैंपियंस प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। जिनमें से टॉप श्री शूटरों को नकद पुरुस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

थाईलैंड में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से 65 हजार रुपये ठगे, दूसरे देश भेजकर नहीं दिलाया रोजगार

व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर विदेश में नौकरी लगवाने का दिया था भरोसा, ऑनलाइन 35 हजार और 30 हजार रुपये नकद लेकर की धोखाधड़ी; पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर एक युवक से 65 हजार रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क कर युवक को थाईलैंड में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया और अपनी अच्छी जान-पहचान होने की बात कहकर उसे विश्वास में ले लिया। इसके बाद आरोपी ने अलग-अलग तारीखों में ऑनलाइन और नकद के रूप में कुल 65 हजार रुपये ले लिए। आरोप है कि युवक को थाईलैंड में नौकरी दिलाने के बजाय किसी दूसरे देश भेज दिया गया, जहां उसे कोई रोजगार भी नहीं दिलाया गया। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

व्हाट्सएप पर संपर्क कर विदेश में नौकरी का दिया झांसा

एकता विहार, रुड़की चुंगी निवासी सूर्यकांत पुत्र धर्मपाल ने कोतवाली नगर पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 जनवरी 2025 को प्रवीन नाम के व्यक्ति ने व्हाट्सएप के माध्यम से उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया था। आरोपी ने उसे बताया कि वह लोगों को विदेश में नौकरी दिलवाने का काम करता है। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर लगातार बातचीत होने लगी। आरोप है कि प्रवीन ने अपनी अच्छी जान-पहचान होने का हवाला देते हुए उसे थाईलैंड में नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया।

तीन किस्तों में लिए 65 हजार रुपये

पीड़ित के अनुसार आरोपी ने नौकरी लगवाने के नाम पर उससे अलग-अलग तारीखों में रुपये लिए। 28 जनवरी 2025 को 15 हजार रुपये ऑनलाइन खाते में ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद पांच फरवरी 2025 को 20 हजार रुपये ऑनलाइन लिए गए, जबकि 30 हजार रुपये नकद भी ले लिए गए। इस तरह आरोपी ने उससे कुल 65 हजार रुपये ऐंठ लिए।

थाईलैंड की जगह दूसरे देश भेजने का आरोप

सूर्यकांत का आरोप है कि आरोपी ने उसे थाईलैंड में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर रुपये तो ले लिए, लेकिन उसे बताए गए देश में भेजने के बजाय किसी दूसरे देश भेज दिया। वहां पहुंचने पर उसे न तो नौकरी मिली और न ही रोजगार से संबंधित कोई व्यवस्था की गई। रोजगार नहीं मिलने के कारण उसे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पीड़ित के मुताबिक वह किसी तरह 10 जुलाई 2025 को वापस अपने घर मुजफ्फरनगर पहुंचा।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का आरोप

पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि प्रवीन नाम का व्यक्ति लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठता है। उसके साथ भी इसी तरह धोखाधड़ी और विश्वासघात किया गया। उसने पुलिस से आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

कोतवाली नगर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मामले में सूर्यकांत की तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आरोपी प्रवीन की पहचान, उससे हुई बातचीत और रुपये के लेन-देन से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। साथ ही विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर हुई कथित धोखाधड़ी के पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर रकम वसूलने का यह मामला युवाओं के लिए भी सतर्क रहने की चेतावनी है। विदेश में रोजगार के लिए किसी व्यक्ति को पैसे देने से पहले उसकी पहचान, एजेंसी की वैधता और नौकरी से संबंधित दस्तावेजों की जांच करना बेहद जरूरी है।

एमआईएमआईएम के विधिक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष तजकीर मुशीर का पगड़ी पहनाकर किया भव्य सम्मान



मुजफ्फरनगर। लक्ष्य सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों द्वारा अक्टक्ट के विधिक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष तजकीर मुशीर एडवोकेट को पगड़ी पहनाकर एवं फूल-मालाओं से सम्मानित किया गया तथा नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने AIMIM के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, विधिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुफ्ती ओसामा नदवी एवं पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष महताब चौहान का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में महबूब आलम ने लक्ष्य सामाजिक संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जमकर सराहना की और आगे भी समाज सेवा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। तजकीर मुशीर एडवोकेट ने संस्था के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी नई जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगे तथा आमजन को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

सम्मान समारोह में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी रागिब आलम, अमीर अंसारी एडवोकेट, सिंगर उस्मान राणा, अली शाह जैदी एडवोकेट एवं काशिफ मुशीर एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

दूसरों की समृद्धि को देखकर जो खुश होता है, वही भागवत कथा श्रवण का सच्चा अधिकारी है: शान्तनु महाराज



मुजफ्फरनगर। रेशू विहार रेलवे फाटक के समीप रेशू परिवार की ओर से आयोजित अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन भी आज कथा श्रवण के लिये भारी संख्या में श्रद्धालू रेशू प्रांगण पहुंचे। इस अवसर पर कथाव्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने अपने श्रीमुख से ध्रुव चरित्र एवं कपिल गीता का बडा ही सुन्दर वर्णन कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान श्रद्धालू तीन घंटे तक भक्ति के सागर में डूबे रहे। कथा श्रवण के लिये जनपद मुजफ्फरनगर के अलावा अलीगढ, दिल्ली, वृंदावन, गाजियाबाद, शामली, मेरठ, थानाभवन और नोएडा से भी श्रद्धालू पहुंचे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह चुस्त-दुरूस्त नजर आई।

श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन परम पूज्य कथाव्यास शान्तनु जी महाराज ने कहा कि भागवत जी में भगवान को सत्य कहकर सम्बोधित कर उनकी वन्दना की गई है। भागवत जी के वाचन व गायन के अधिकारी का वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि भागवत जी की कथा के श्रवण का अधिकारी वही है, जो छल-कपट से मुक्त है, इसके लिये व्यक्ति को मत्सर रहित जलन और द्वेष से दूर रहना होना पड़ेगा और इसके लिये दूसरों की समृद्धि पर प्रसन्न होना सीखना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कथा सुनने के लिए हृदय में निर्मलता, श्रद्धा और दूसरों के प्रति सद्भाव होना सबसे आवश्यक है। श्री शान्तनु जी महाराज ने कहा कि सूत जी ने नैमिसारण्य में शौनकादि मुनि से छः प्रश्न पूछे है और यह पूरी भागवत जी की कथा इन्हीं प्रश्नों के उत्तर स्वरूप है। महाराज जी ने कहा कि भक्ति हमारी अहैतुकी और अप्रतिहता होनी चाहिये। भक्ति के लिये कोई भौतिक कारण नहीं होना चाहिये, जीवन का परम उद्देश्य मात्र उस परम तत्व को जानना ही है। उन्होंने कहा कि मनुष्य शरीर से ही भगवान के स्वरूप का साक्षात्कार किया जा सकता है। भगवान के गुणों के गायन की महिमा का परिणाम ही था कि दासी के पुत्र ने बह्मा जी के मानस पुत्र के रूप में जन्म लिया। महाराज जी ने बताया कि भागवत जी की रचना व्यास जी ने की, जो गणेश जी के द्वारा लिखी गई। उसके पश्चात व्यास जी ने सर्वप्रथम अपने पुत्र शुकदेव जी महाराज को भागवत जी की कथा सुनाई। अश्वत्थामा की कथा सुनाते हुए श्री शान्तनु जी महाराज ने कहा कि कुरुक्षेत्र के रणक्षेत्र में दुर्योधन असहाय और घायल पड़ा है, उसकी इस अवस्था को देखकर अश्वत्थामा पाण्डवों को मारने के लिये गया, परन्तु पाण्डवों की जगह उनके पुत्रों के सिर काट दिये। अर्जुन ने अश्वत्थामा को पकड़कर उसका अपमान करते हुए उसके माथे की मणि को निकाल लिया और धक्का मारकर नगर से बाहर निकाल दिया। इस अपमान का बदला लेने के लिये इसने अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहे बालक पर शक्तिबाण चला दिया, जिसके बाद भगवान ने उत्तरा के गर्भ में प्रवेश करके बालक की रक्षा की, इसके बाद कुन्ती माँ ने भगवान की बहुत ही सुन्दर स्तुति की है। महाराज श्री ने कहा कि एक बार परीक्षित जी अपने राज्य में भ्रमण कर रहे थे और उनसे सामने मुनि का अपमान हो गया और उनके पुत्र द्वारा तक्षक नाग के द्वारा काटने का श्राप दे दिया गया, जिस कारण से शुकदेव जी महाराज ने आकर राजा परीक्षित को भागवत की कथा सुनाई है।

ज्ञातव्य है कि रेशू प्रांगण में 13 नवम्बर से प्रतिदिन अपरान्ह 3 बजे से सायं 6 बजे तक अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जो 20 नवम्बर तक जारी रहेगा। कथा के दूसरे दिन

पानी भरने को लेकर मदीना कॉलोनी में भिड़े दो पक्ष, मारपीट का वीडियो सामने आने से पहले ही पुलिस ने शुरू कर दी थी कार्रवाई

मामूली विवाद ने लिया संघर्ष का रूप, 6 से 7 लोगों को थाने लाकर पूछताछ; अन्य आरोपियों की भी हो रही पहचान, सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा बोले- जांच के आधार पर होगी सख्त वैधानिक कार्रवाई



मुजफ्फरनगर। पानी भरने जैसी मामूली बात को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। थाना सिविल लाइन क्षेत्र की मदीना कॉलोनी में हुई इस घटना से इलाके में हलचल मच गई। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आरोपियों की पहचान और धरपकड़ शुरू कर दी। पुलिस अब तक 6 से 7 लोगों को थाने लाकर पूछताछ कर रही है। वहीं घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जिसकी भी भूमिका सामने आएगी, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पानी भरने को लेकर शुरू हुआ विवाद, देखते ही देखते मारपीट में बदला

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मदीना कॉलोनी में पानी भरने को लेकर कुछ लोगों के बीच कहासुनी हो गई थी। शुरूआत में मामूली दिखाई देने वाला यह विवाद धीरे-धीरे बढ़ता चला गया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। इसके बाद उनके बीच मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय स्तर पर मामला चर्चा में आने के बाद पुलिस ने इसकी जानकारी जुटाई और कार्रवाई शुरू कर दी।

सोशल मीडिया पर वीडियो आने से पहले ही पुलिस ने लिया संज्ञान

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया, लेकिन पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस ने वीडियो वायरल होने का इंतजार नहीं किया था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने अपने स्तर से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित लोगों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी थी। पुलिस अब वीडियो और घटना से जुड़ी जानकारी के आधार पर विवाद में शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने बताया कि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। कुछ लोगों को चिह्नित कर लिया गया है, जबकि अन्य की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है। फिलहाल 6 से 7 लोगों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस की ओर से आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है, ताकि दोबारा विवाद या किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। जांच के आधार पर होगी आगे की कानूनी कार्रवाई

सीओ सिटी ने स्पष्ट किया कि पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है। पूछताछ और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि विवाद की शुरूआत किन परिस्थितियों में हुई और मारपीट में किन-किन लोगों की भूमिका रही। किसी भी व्यक्ति को केवल भीड़ का हिस्सा होने के आधार पर नहीं, बल्कि जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने बताया कि मदीना कॉलोनी में पानी भरने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। पुलिस ने घटना का तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई शुरू कर दी थी। अब तक 6 से 7 लोगों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। अन्य संबंधित लोगों की पहचान की जा रही है। जांच के आधार पर सभी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में 26,720 परिषदीय विद्यालयों में होगा सोशल ऑडिट: 20.93 करोड़ से अधिक की धनराशि निर्धारित, दो माह में प्रस्तुत होगी अंतिम रिपोर्ट

सोशल ऑडिट निदेशालय, ग्राम्य विकास विभाग और राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा के बीच समझौते पर हुए हस्ताक्षर



लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश की परिषदीय शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण पहल कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के सभी 75 जनपदों में संचालित परिषदीय विद्यालयों के 20 प्रतिशत विद्यालयों का सोशल ऑडिट कराया जाएगा। इसके लिए कुल 26,720 परिषदीय विद्यालय चिह्नित किए गए हैं। सोशल ऑडिट की प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए सोशल ऑडिट निदेशालय, ग्राम्य विकास विभाग और राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा मोनिका रानी ने सोशल ऑडिट निदेशालय के निदेशक को एमओयू की हस्ताक्षरित प्रति भेजते हुए समझौते के अनुसार अग्रिम देय 50 प्रतिशत धनराशि के हस्तांतरण के लिए बैंक खाते का पूरा विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, जिससे धनराशि हस्तांतरण की प्रक्रिया समय से पूरी की जा सके। इस पहल से परिषदीय विद्यालयों में संचालित योजनाओं के वित्तीय और भौतिक पक्षों का स्वतंत्र मूल्यांकन किया जा सकेगा। सोशल ऑडिट से प्राप्त निष्कर्षों और सुधार संबंधी सुझावों के आधार पर योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। एमओयू का मुख्य उद्देश्य समग्र शिक्षा योजना की पारदर्शिता, निष्पक्षता और प्रभावशीलता का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करना है। इसके अंतर्गत योजना से संबंधित वित्तीय अभिलेखों, वाउचर, अनुदान वितरण और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। साथ ही योजना के भौतिक लक्ष्यों एवं उपलब्धियों का मूल्यांकन भी होगा। लाभार्थियों का फील्ड वेरिफिकेशन और सैंपल चेकिंग की जाएगी। सोशल ऑडिट निदेशालय की टीम योजना के क्रियान्वयन में सामने आने वाली कमियों, वित्तीय अनियमितताओं और सुधार संबंधी सुझावों को शामिल करते हुए विस्तृत सोशल ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

रंग संसार

गौरव खन्ना-श्रद्धा आर्या के शो 'दिल की बेवफाइयां' के प्रोमो ने बढ़ाया फैंस का उत्साह, पहली बार दिखेगी ये जोड़ी



नई दिल्ली। अभिनेता गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या स्टार प्लस के आने वाले शो 'दिल की बेवफाइयां' में एक साथ नजर आएंगे। शनिवार, 14 नवंबर को इसका एक नया प्रोमो जारी किया गया। इसमें मानव और जानकी को शादी, रोमांस और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बारे में बातचीत करते हुए दिखाया गया है। यह शो 24 नवंबर 2026 को रात 9 बजे शुरू होगा। इस शो की कहानी शादी के 20 साल बाद मानव और जानकी के जीवन पर आधारित है। कभी अच्छे दोस्त रहे इस जोड़े ने अपना परिवार बसाने में कई साल लगा दिए, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी और घरेलू जिम्मेदारियों ने उनके रिश्ते पर असर डाला है।जानकी को वापस चाहिए पुराना रोमांस एक तरफ जहां जानकी उनके बीच के रोमांस को फिर से जगाने की कोशिश करती है, वहीं मानव पारिवारिक जिम्मेदारियों में उलझा हुआ लगता है और उसे ऐसा महसूस होता है कि उसकी अपनी निजी जिंदगी अधूरी रह गई है।प्रोमो की शुरूआत में जानकी (श्रद्धा आर्या) से होती है जिसमें वो मानव (गौरव खन्ना) से कहती है कि वह उसके बालों में हेयर कलर लगा दे। फिर वह सुझाव देती है कि मानव को भी अपने बालों में कलर कर लेना चाहिए, क्योंकि अच्छा दिखने से इंसान को अच्छा महसूस होता है।मानव की सोच कुछ अलग है। वह जानकी से कहता है कि यह बात तब तो ठीक लगती थी जब वे छोटे थे, लेकिन अब तो उनकी बड़ी बेटी की शादी हो रही है। फिर एक अलार्म उस जोड़े को उनकी शादी की सालगिरह की याद दिलाता है। जानकी मानव को बधाई देती है और उससे कहती है कि वह उससे प्यार करती है। मानव बस यूं ही जवाब देता है,'मैं भी' जिस पर जानकी पूछती है कि उसका रोमांटिक अंदाज कहां चला गया।

राज काज

पाकिस्तान को 12 टुकड़ों में बांटने की तैयारी, नए प्रांत बनाने के प्रस्ताव को मंत्रियों का समर्थन; सिंध के बंटवारे को लेकर विरोध

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अपने चार प्रांतों के ढांचे को बढ़ाकर 12 प्रांत करने के प्रस्ताव ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, इस प्रस्ताव को लेकर सबसे बड़ी रुकावट राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति का अभाव है, खासकर सिंध प्रांत के संभावित बंटवारे के लेकर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का तर्क है कि पाकिस्तान की बढ़ती आबादी को देखते हुए छोटे प्रांतों की जरूरत है, ताकि जन-सेवाएं ज्यादा बेहतर तरीके से दी जा सकें। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो न्यूज से बातचीत से कहा कि अगर पाकिस्तान में 12 प्रांत बनाए जाते हैं, तो उनकी सीमाएं भाषाई, जातीय या राजनीतिक आधार पर नहीं, बल्कि पूरी तरह प्रशासनिक आधार पर तय होनी चाहिए।इसके अलावा, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस विवादित मुद्दे पर जनता की राय जानने के लिए देशव्यापी जनमत संग्रह कराने का सुझाव दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार 2027 तक इस दिशा में कोई बड़ा संवैधानिक कदम उठा सकती है, हालांकि अभी तक कोई औपचारिक रोडमैप घोषित नहीं किया गया है।कैसा हो सकता है प्रस्तावित नक्शा?

पाकिस्तानी मीडिया में आए एक शुरूआती प्रस्ताव के मुताबिक, देश के मौजूदा ढांचे को इस प्रकार बांटा जा सकता है।

पंजाबः 4 प्रांतों में

खैबर पख्तूनख्वाः 3 प्रांतों में

बलूचिस्तानः 3 प्रांतों में

सिंधः 2 प्रांतों में

समर्थकों का मानना है कि मौजूदा व्यवस्था में सारी वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियां प्रांतीय राजधानियों तक सीमित हैं। छोटे प्रांत बनने से सत्ता का विकेंद्रीकरण होगा और संसाधन आम लोगों के अधिक करीब आ सकेंगे।

प्रस्ताव पर राजनीतिक विरोध

यह प्रस्ताव सत्ताधारी गठबंधन के भीतर ही मतभेदों को उजागर कर रहा है। बिलावल भुट्टो-जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने सिंध के किसी भी तरह के विभाजन का कड़ा विरोध किया है।

दैनिक राशिफल सोमवार 16 नवम्बर 2026

मेष – यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी।

वृष – लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मिथुन : दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा।

कर्क – विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे।

सिंह– नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कन्या – अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

तुला – व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें।

धनु – पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मकर – जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग।

कुंभ – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

मीन – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा।

दैनिक पंचांग

16 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	मकर में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.21 ब.से.
धनु	08.37 बजे से
मकर	10.42 बजे से
कुंभ	12.28 बजे से
मीन	14.01 बजे से
मेष	15.32 बजे से
वृष	17.12 बजे से
मिथुन	19.10 बजे से
कर्क	21.23 बजे से
सिंह	23.39 बजे से
कन्या	01.51 बजे से
तुला	04.02 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 320 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 04.20 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 02.17 बजे रात्र को समाप्त।
योग गण्ड 07.17 बजे को समाप्त।
करण गर 15.14 बजे तदनन्तर वणिज 04.20 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 6.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872895
जूलियन दिन 2461360.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 05
विशेष वृश्चिक संक्रांति, जलाराम बापा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुबारिकपुर से नाबालिग किशोरी लापता होने के मामले में युवक गिरफ्तार, मंसूरपुर बस अड्डे से दबोचा

14 वर्षीय किशोरी के पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ था मुकदमा, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव मुबारिकपुर से 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के लापता होने के मामले में मंसूरपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जांच में प्रकाश में आए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को मंसूरपुर बस अड्डे के निकट से दबोचा।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव मुबारिकपुर निवासी एक व्यक्ति ने 13 नवंबर को थाना मंसूरपुर में तहरीर देकर बताया था कि उनकी करीब 14 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों ने किशोरी की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 340/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी थी।

मामले की जांच के दौरान गांव मुबारिकपुर निवासी अजीत उर्फ आदित्य पुत्र धर्मेंद्र कुमार का नाम प्रकाश में आया।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को मंसूरपुर बस अड्डे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अभिषेक गुप्ता, कांस्टेबल रोहित कुमार एवं लोकेन्द्र कुमार शामिल रहे।

सैनी समाज की पंचायत में मिशन 2027 को लेकर चर्चा, 403 सीटों पर समाज के प्रत्याशियों को समर्थन देने का ऐलान

रजवाड़ा फार्म हाउस में आयोजित पंचायत में राजनीतिक भागीदारी और समाज की एकजुटता पर जोर

मुजफ्फरनगर। खतौली विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर सैनी समाज ने अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। खतौली-जानसठ रोड स्थित रजवाड़ा फार्म हाउस में सैनी समाज की विशाल पंचायत आयोजित की गई। इसमें समाज की एकजुटता और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। पंचायत में एडवोकेट राकेश कुमार सैनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में जहां भी सैनी समाज का प्रत्याशी चुनाव लड़ेगा, समाज के लोग उसे तन-मन-धन से समर्थन देंगे। उन्होंने समाज के लोगों से राजनीतिक रूप से जागरूक और संगठित होने का आह्वान किया।



पंचायत के मुख्य अतिथि एडवोकेट राकेश कुमार सैनी का कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। उनकी धर्मपत्नी रीता सैनी का भी महिलाओं ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। विभिन्न संगठनों से पहुंचे गणमान्य लोगों ने राकेश कुमार सैनी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। पंचायत की अध्यक्षता चौधरी हरपाल सैनी ने की, जबकि संचालन राजू सैनी ने किया।

राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर

पंचायत को संबोधित करते हुए एडवोकेट राकेश कुमार सैनी ने कहा कि सैनी समाज को अपनी राजनीतिक ताकत पहचानते हुए विधानसभा और लोकसभा में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता ही राजनीतिक भागीदारी का रास्ता मजबूत कर सकती है। उन्होंने कहा कि राजा अब राजघरानों में नहीं, बल्कि मतदान की पेटी से पैदा होता है। जनता का एक-एक वोट किसी भी प्रत्याशी को विधानसभा, लोकसभा, जिला पंचायत और ग्राम पंचायत तक पहुंचाने की ताकत रखता है। इसलिए समाज के लोगों को जागरूक होकर एकजुटता के साथ अपने समाज के प्रत्याशियों का समर्थन करना चाहिए।

शिक्षा और रोजगार को बताया जरूरी

राकेश कुमार सैनी ने कहा कि समाज के बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना और पढ़े-लिखे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। राजनीतिक भागीदारी का उद्देश्य समाज का उत्थान और आम जनता की सेवा करना होना चाहिए। उन्होंने पंचायत में पहुंचे बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं का आभार व्यक्त किया। पंचायत में समाज के सम्मान, शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी को लेकर भी विचार रखे गए।

करोड़ी बाईपास पर अनियंत्रित होकर पलटा साइकिलों से भरा ट्रक, चालक घायल



शामली। रविवार को सहारनपुर हाईवे स्थित करोड़ी बाईपास पर साइकिलों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक को मामूली चोटें आईं, जबकि ट्रक में लदी लाखों रुपये की साइकिलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। हादसे के चलते हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार, पंजाब निवासी कुलवंत सिंह रविवार को अपने ट्रक में एक कंपनी की साइकिलें भरकर लुधियाना से नेपाल जा रहा था। बताया जाता है कि जब वह शामली के सहारनपुर हाईवे स्थित करोड़ी बाईपास पर पहुंचा और मोड़ पर ट्रक मोड़ने लगा तो सड़क में एक ओर अधिक झुकाव होने के कारण ट्रक का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते साइकिलों से भरा ट्रक हाईवे पर पलट गया।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह ट्रक चालक को बाहर निकाला। चालक को मामूली चोटें आईं। वहीं, ट्रक पलटने से हाईवे पर यातायात प्रभावित हो गया। बाद में जेसीबी मशीन की मदद से ट्रक को सीधा कर सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका। हादसे में ट्रक और उसमें लदी साइकिलों को लाखों रुपये का नुकसान होने की बात कही जा रही है।

शामली में चेन स्नैचिंग का आरोपी गिरफ्तार, छीनी गई सोने की चेन और तमंचा बरामद

बस स्टैंड पर हरियाणा की महिला से हुई थी चेन लूट; पुलिस ने शामली-लिलौन मिल रोड पर रतिराम विहार के पास दबोचा, दूसरा आरोपी अभी फरार



शामली। सदर कोतवाली पुलिस ने चेन स्नैचिंग के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से महिला से छीनी गई पीली धातु की चेन, वारदात में इस्तेमाल अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, बीती 12 नवंबर को हरियाणा के करनाल निवासी धर्मवीर पुत्र स्वर्गीय मलखान सिंह अपनी पत्नी संगीता पंवार के साथ करनाल से शामली होते हुए जा रहे थे। इसी दौरान शामली बस स्टैंड पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने संगीता पंवार के गले से चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। शिकायत पर दर्ज हुआ था मुकदमा

घटना के संबंध में थाना कोतवाली शामली में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अक्षय उर्फ चंद्रपाल वर्मा निवासी गांव गढ़ी दौलत, थाना कांधला के रूप में हुई है। उसकी गिरफ्तारी शामली-लिलौन मिल रोड पर रतिराम विहार के पास से की गई। तमंचा और जिंदा कारतूस भी मिला

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीली धातु की छीनी गई चेन के साथ एक अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्तिक गंगास्नान मेले की तैयारियों को लेकर पुलिस सतर्क, सीओ ऋषिका सिंह ने धर्मपुरा जदीद में मेला स्थल का किया निरीक्षण

गंगा स्नान मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए लगेंगी बल्लियां, रोशनी और चिकित्सा व्यवस्था को लेकर भी दिए आवश्यक निर्देश

मुजफ्फरनगर। कार्तिक गंगास्नान मेले को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रामराज थाना क्षेत्र के धर्मपुरा जदीद में आयोजित होने वाले कार्तिक गंगास्नान मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जानसठ क्षेत्राधिकारी ऋषिका सिंह ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही, पुलिसकर्मी और मेला कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सीओ ने गंगा घाट और आसपास के क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा इंतजामों, गहरे पानी से बचाव, रोशनी और चिकित्सा सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। सीओ ऋषिका सिंह ने गंगा के गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां बल्लियां लगाने और चेतावनी के संकेत लगाने की व्यवस्था पर चर्चा की, ताकि श्रद्धालु निर्धारित सुरक्षित स्थानों पर ही स्नान करें। गंगा में जल की गहराई को देखते हुए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने पर जोर



दिया गया। खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए घाट पर निगरानी रखने की आवश्यकता बताई गई।

सीओ ने मेला स्थल पर प्रकाश व्यवस्था का जायजा लेते हुए रात के समय श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा की। इसके साथ ही मेले में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को तत्काल उपचार मुहैया कराने की व्यवस्था पर भी विचार किया गया। मेले के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और मेला कमेटी के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान सीओ ऋषिका सिंह ने मेला कमेटी के सदस्यों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आयोजन को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर चर्चा की। रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही को भी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने और मेले के दौरान पुलिस की सक्रियता बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान मेला प्रभारी राजकुमार त्यागी, हुसैनपुर चौकी प्रभारी हर्षित शर्मा, मेला अध्यक्ष एवं प्रधान मदन सिंह, बरन सिंह प्रधान, दुष्यंत सिंह और अमरदीप सिंह प्रधान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस प्रशासन और मेला कमेटी की इस तैयारी का उद्देश्य कार्तिक गंगास्नान मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है।

ऑपरेशन सवेरा के तहत मंसूरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 11 किलो से अधिक गांजे के साथ 65 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

सोन्टा जाने वाले रास्ते पर अंडरपास के निकट चेकिंग के दौरान मिली सफलता, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सवेरा के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 किलो 450 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी क्षेत्र के गांव जड़ौदा का रहने वाला 65 वर्षीय प्रदीप है।



पुलिस के अनुसार, रविवार को थाना मंसूरपुर पुलिस टीम सोन्टा जाने वाले रास्ते पर अंडरपास से पहले ट्यूबवेल के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप पुत्र अतरा निवासी ग्राम जड़ौदा, थाना मंसूरपुर, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 341/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, एसपी सिटी अमृत जैन, सीओ खतौली रूपाली राय चौधरी के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी विपिन कुमार त्यागी के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शिखर चौधरी, हेड कांस्टेबल राजीव भारद्वाज, सुहैल खान तथा कांस्टेबल मोहित यादव और मोनू शामिल रहे।

दिल्ली में मृत घोषित युवक की मेरठ के पास दोबारा चली सांस, सुभारती अस्पताल में भर्ती



खतौली। एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दिल्ली में मृत घोषित किए गए 36 वर्षीय युवक प्रदीप मसीह की मेरठ के निकट रास्ते में अचानक दोबारा सांस चलने लगी। युवक को तत्काल उपचार के लिए सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद परिजनों और परिचितों में उम्मीद की नई किरण जाग उठी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खतौली निवासी धरम मसीह के पुत्र प्रदीप मसीह को दिल्ली में चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया था। इसके बाद परिजन उसे लेकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मेरठ के पास अचानक युवक की सांस चलने की जानकारी सामने आई। इसके बाद परिजनों ने उसे तत्काल सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। युवक के पिता धरम मसीह ने पहले पुत्र के आकस्मिक निधन की सूचना देते हुए 16 नवंबर, सोमवार को खतौली स्थित क्रिश्चियन ग्रेव यार्ड में अंतिम संस्कार किए जाने की जानकारी दी थी। हालांकि, बाद में युवक की सांस दोबारा चलने की सूचना मिलने से परिवार में उम्मीद बंध गई है। इस घटनाक्रम की जानकारी मिलने पर मित्रों, शुभचिंतकों और परिचितों ने ईश्वर से प्रदीप मसीह के शीघ्र स्वस्थ होने तथा उसे जीवनदान मिलने की प्रार्थना की है। सभी की निगाहें अब अस्पताल में चल रहे उपचार पर टिकी हैं।

शामली में पत्नी के साथ रहने से इनकार और परिजनों की मारपीट से आहत युवक ने जहरीला पदार्थ खाया

शामली। झिंझाना क्षेत्र के कस्बा ऊन निवासी एक युवक ने पत्नी के साथ रहने को लेकर चल रहे विवाद के बीच जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर आसपास के लोगों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उपचार किया। युवक ने पत्नी के परिजनों पर मारपीट करने का आरोप भी लगाया है। जानकारी के अनुसार, ऊन निवासी सागर का वर्ष 2024 में दिल्ली निवासी एक युवती से प्रेम प्रसंग हो गया था। इसके बाद दोनों घर से चले गए और प्रेम विवाह कर लिया था। आरोप है कि दीपावली के अगले दिन युवती के परिजनों ने सागर को शामली के कैराना रोड स्थित एक कंपनी में काम करते समय



पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद वे युवती को भी अपने साथ ले गए।

पत्नी के साथ रहने को लेकर चल रहा विवाद

सागर का आरोप है कि अब उसकी पत्नी उसके साथ रहने से इनकार कर रही है और अदालत में भी उसके खिलाफ बयान दे रही है। इसी बात को लेकर वह मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। रविवार को कैराना रोड स्थित अपने कमरे में उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर आसपास के लोगों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। युवक ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ ही रहना चाहता है। फिलहाल युवक का उपचार जारी है।

फुगाना में ट्रक और वैगनआर की आमने-सामने भीषण भिड़ंत, पति-पत्नी गंभीर घायल, टक्कर से ट्रक के दोनों अगले पहिये निकले

खरड़ मार्ग पर हुआ दर्दनाक हादसा, कार के भी उड़े परखच्चे, राम ऋषि और पत्नी जयबीरी को सीएचसी से मुजफ्फरनगर किया गया रेफर, क्रेन से हटवाए गए क्षतिग्रस्त वाहन

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र में ट्रक और वैगनआर कार के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक के अगले दोनों पहिये निकलकर बाहर आ गए, जबकि वैगनआर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया।

पत्नी के साथ बड़ौत जा रहे थे राम ऋषि जानकारी के अनुसार बड़ौत निवासी राम ऋषि अपनी पत्नी जयबीरी (50) के साथ वैगनआर कार में सवार होकर खरड़ मार्ग से



होते हुए बड़ौत जा रहे थे। इसी दौरान फुगाना थाना क्षेत्र में सामने से आ रहे एक ट्रक से उनकी कार की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं ट्रक के अगले दोनों पहिये निकलकर बाहर आ गए। हादसे के बाद कार में फंसे घायलों को देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने मदद के लिए प्रयास किए। पति-पत्नी की हालत गंभीर, सीएचसी से मुजफ्फरनगर रेफर दुर्घटना में राम ऋषि और उनकी पत्नी जयबीरी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर खरड़ चौकी इंचार्ज अभिषेक चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाने की व्यवस्था की। सीएचसी में चिकित्सकों ने दोनों को प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। क्रेन से सड़क से हटवाई क्षतिग्रस्त कार

हादसे के बाद दोनों क्षतिग्रस्त वाहन सड़क पर होने के कारण आवागमन प्रभावित हो गया। पुलिस ने स्थिति संभालते हुए क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वैगनआर कार को सड़क से हटवाया। ट्रक को भी सड़क किनारे कराया गया, ताकि यातायात दोबारा सुचारू किया जा सके। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने मौके पर मौजूद लोगों को भी सड़क से दूर रहने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने के लिए कहा। कुछ देर प्रभावित रहा यातायात, पुलिस ने संभाली व्यवस्था

भीषण भिड़ंत के चलते मार्ग पर कुछ समय तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। सड़क पर क्षतिग्रस्त कार और ट्रक खड़े होने से दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को व्यवस्थित कराया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाए जाने के बाद आवागमन सामान्य हो सका। पुलिस हादसे के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

पाइपलाइन ठीक होने के बाद भी नहीं भरी सड़क की खुदाई, सती मंदिर रोड पर गड्ढों से लोग परेशान



शामली। शहर के सती मंदिर रोड पर क्षतिग्रस्त सड़क लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। करीब तीन दिन पहले पाइपलाइन टूटने के बाद सड़क की खुदाई की गई थी, लेकिन पाइपलाइन ठीक होने के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। इसके चलते मार्ग पर बने गड्ढों से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सती मंदिर रोड शहर का प्रमुख मार्ग है। यहां से शांतिनगर, पंसारियान, हाजी कॉलोनी, मुंडेट सहित कई कॉलोनियों और जिला अस्पताल के लिए रास्ता जाता है। ऐसे में मार्ग के प्रवेश पर ही सड़क क्षतिग्रस्त होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है।

सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। कई वाहन गड्ढों में फंस रहे हैं, जबकि अन्य वाहन चालकों को भी क्षतिग्रस्त हिस्से से निकलने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन टूटने के बाद सड़क की खुदाई की गई थी। पाइपलाइन की मरम्मत का काम पूरा होने के बावजूद सड़क को पहले की तरह दुरुस्त नहीं कराया गया। इससे रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण हादसे की आशंका भी बनी हुई है।

संध्या अर्घ्य के साथ महापर्व छठ के तीसरे दिन की पूजा सम्पन्न

सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पूरा होगा करीब 36 घंटे का निर्जला उपवास

नोएडा। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए रविवार की शाम देश की प्रमुख नदियों के तटों और जलाशयों के साथ ही कालोनियों, सोसाइटी और मंदिरों में बनाये गए विशेष पूजा स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति अद्भुत छटा बिखेर रही। इसके साथ ही लोकआस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन की पूजा सम्पन्न हुई। परिवार की खुशहाली, समृद्धि, संतान की लम्बी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य की कामना से इस चार दिवसीय महापर्व का समापन अब सोमवार को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ सम्पन्न होगा। इसी के साथ ही शनिवार की शाम को खरना के बाद शुरू हुआ लगभग 36 से 40 घंटे तक का निर्जला उपवास सोमवार को प्रसाद ग्रहण के साथ पूरा होगा। यह पर्व दृढ़ता, व्रती की प्रबल इच्छाशक्ति, भक्ति व विश्वास का अद्भुत उदाहरण है। परिवार जनों, पड़ोसियों और दोस्तों के साथ सूर्य देव व प्रकृति उपासना के इस चार दिवसीय महापर्व का पूरी श्रद्धा के साथ व्रत-पूजन कर रहीं विभा शर्मा का कहना है कि लोकआस्था के इस महापर्व छठ की शुरूआत शुक्रवार को नहाय-खाय से हुई थी। शनिवार को खरना से शुरू हुआ निर्जला उपवास सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण



के साथ पूर्ण होगा। तरह-तरह के मौसमी फलों से सजे सूप के बारे में उनका कहना है कि प्रकृति के यह ऐसे अनमोल रत्न हैं जो हमें प्रकृति की रक्षा और उनकी उर्वरा शक्ति को सहेजकर रखने का सन्देश भी देते हैं। भगवान सूर्य को जीवन प्रदान करने के साथ ही ऊर्जा से परिपूर्ण करने और जीवन में उजियारा बिखेरने की मनोकामना से भी विशेष पूजन-अर्चन का विधान है। पृथ्वी पर प्राणियों के अस्तित्व के आधार का भी दर्जा उन्हें ही प्राप्त है। इस तरह कार्तिक मास शुक्ल पक्ष षष्ठी पर उनके इस विशेष पूजन-अर्चन को सूर्य देव की बहन और प्रकृति की देवी छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भी पूरे विधि-विधान से किया जाता है। घाटों और पूजा स्थलों पर भक्ति गीत और लोकगीत भी गूंज रहे थे, जो बरबस लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे।

विश्वकर्मा-पांचाल समाज की एकजुटता पर जोर, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर 29 नवंबर को दिल्ली में होगा महासभा का बड़ा आयोजन

रुड़की रोड स्थित जगदीश पांचाल के कैंप कार्यालय पर अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा की चिंतन बैठक संपन्न

मुजफ्फरनगर। विश्वकर्मा-पांचाल समाज की सामाजिक एकजुटता, राजनीतिक भागीदारी और संगठनात्मक मजबूती को लेकर रुड़की रोड स्थित जगदीश पांचाल के कैंप कार्यालय पर अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा की चिंतन बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं को आगे बढ़ाने और राजनीतिक क्षेत्र में समाज की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता जगपाल पांचाल प्रधान ने की, जबकि संचालन मनोज पांचाल विश्वकर्मा ने किया। बैठक में दिल्ली से पहुंचे महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री अजय पांचाल सहित सुरेंद्र पांचाल, अरविंद पांचाल, राजू पांचाल और हरीश पांचाल का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान आगामी 29 नवंबर को दिल्ली में होने वाले महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई।

29 नवंबर को दिल्ली में होगा राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव

बैठक में दिल्ली से आए अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री अजय पांचाल ने अपने संबोधन में संगठन की आगामी गतिविधियों और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी 29 नवंबर 2026 को दिल्ली के पड़पड़गंज स्थित विक्टर पब्लिक स्कूल में महासभा के नेतृत्व में आम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर



प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज के संगठनात्मक भविष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसमें देशभर से विश्वकर्मा-पांचाल समाज के सम्मानित लोगों की भागीदारी अपेक्षित है।

समाज के लोगों से दिल्ली पहुंचकर कार्यक्रम सफल बनाने की अपील

राष्ट्रीय महामंत्री अजय पांचाल ने समाज के सभी सम्मानित बंधुओं से आह्वान किया कि वे 29 नवंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली आम सभा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की मजबूती उसकी एकता और संगठनात्मक सक्रियता पर निर्भर करती है। जब समाज के लोग एक मंच पर एकत्र होकर सामूहिक निर्णय लेते हैं तो संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलती है। उन्होंने सभी से आपसी मतभेद भुलाकर समाजहित में एकजुट होने और राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक में जगदीश पांचाल ने समाज की एकता और राजनीतिक भागीदारी को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जब तक समाज संगठित नहीं होगा, तब तक राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में अपेक्षित भागीदारी हासिल करना कठिन रहेगा। समाज के लोगों को एकजुट होकर अपने अधिकारों और हितों के लिए संगठित प्रयास करने होंगे। उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ाने, उन्हें शिक्षा, सामाजिक गतिविधियों और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया।

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद-2027 के लिए छह प्रतिभागियों का चयन, अनुराग शर्मा ने हासिल किया पहला स्थान

कलेक्ट्रेट के चौधरी चरण सिंह सभागार में जनपद स्तरीय चैलेंज ट्रैक पीपीटी प्रतियोगिता आयोजित

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय युवा उत्सव के अंतर्गत विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद-2027 के लिए जनपद स्तरीय चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान में कलेक्ट्रेट स्थित चौधरी चरण सिंह सभागार में चैलेंज ट्रैक की पीपीटी (पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, विचारों और प्रस्तुतीकरण क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के आधार पर छह प्रतिभागियों का अगले चरण के लिए चयन किया गया। अनुराग शर्मा ने प्रथम, अदिति आर्या ने द्वितीय और सुकैना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने अपने संबोधन में युवाओं को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सनातन धर्म महाविद्यालय के प्रोफेसर



डॉ. प्रीतम सिंह उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में जिला क्रीड़ा अधिकारी भूपेन्द्र यादव, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आशीष द्विवेदी, सनातन धर्म महाविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. पायल चौधरी तथा डीएवी महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. किरण पाल सिंह शामिल रहे। प्रतियोगिता की निर्णायक समिति के अध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार रहे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छह प्रतिभागियों का चयन किया। प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान के अनुसार चयनित प्रतिभागियों में अनुराग शर्मा प्रथम, अदिति आर्या द्वितीय, सुकैना तृतीय, यशवी चतुर्थ, कहकशा पांचवें और अंश वत्स छठे स्थान पर रहे। सभी चयनित प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी प्राची पंवार, कार्यक्रम प्रभारी एवं क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अंकुर कुमार, वीआई सन्नी वर्मा, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी जानसठ अजय कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी खतौली अर्जुन सिंह तथा वरिष्ठ सहायक राजीव कुमार मौजूद रहे। प्रतियोगिता का आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देने के उद्देश्य से किया गया। चयनित प्रतिभागी अब अगले चरण में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ककरौली पुलिस और एसओजी देहात का बड़ा खुलासा, तीन चोरी की वारदातों का पदार्फाश, छह लाख रुपये नकद और लाखों के जेवरात बरामद

बेहड़ा सादात रजवाहे की पटरी से दो शातिर चोर गिरफ्तार, मीरापुर और ककरौली क्षेत्र में हुई तीन चोरी की घटनाओं का खुलासा

–पीली व सफेद धातु के आभूषणों का बड़ा जखीरा मिला, एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने पुलिस लाइन में पत्रकारों को दी कार्रवाई की जानकारी

मुजफ्फरनगर। जनपद में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रवात के तहत ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त पुलिस टीम ने चोरी की तीन घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से छह लाख रुपये की नकदी के साथ चोरी किए गए पीली और सफेद धातु के भारी मात्रा में आभूषण बरामद किए हैं। बरामद आभूषणों में टीका, नथ, अंगूठियां, झूमर, बिछुए, पायल, कड़े, पाजेब, झुमके, हथफूल और सिक्के शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण सिंह के पर्यवेक्षण तथा ककरौली थानाध्यक्ष दीपक चौधरी के नेतृत्व में ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की है। एसपी देहात ने बताया कि 18 सितंबर 2026 को ककरौली थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा सादात में चोरी की घटना हुई थी। इस मामले में थाना ककरौली पर मुकदमा अपराध संख्या 116/2026 धारा 305/331(4)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। पुलिस टीम लगातार आरोपियों की



तलाश में जुटी हुई थी और चोरी की घटनाओं से जुड़े सुराग जुटाए जा रहे थे। इसी दौरान 14 नवंबर को ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम को मुखबिर से महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव बेहड़ा सादात रजवाहे की पटरी पर घेराबंदी कर दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से छह लाख रुपये नकद और चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद हुए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वरीन पुत्र नदीम निवासी मोहल्ला डंगडूंगरा, माया इंटर कॉलेज के पास कस्बा कांधला, जनपद शामली, हाल निवासी गांव बेहड़ा सादात थाना ककरौली तथा नजर मोहम्मद पुत्र बाबू निवासी गांव बेहड़ा सादात थाना ककरौली के रूप में हुई है।पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी थाना ककरौली में दर्ज चोरी के मुकदमे के अलावा थाना मीरापुर में दर्ज दो अन्य चोरी के मुकदमों में भी शामिल थे। इनमें मुकदमा अपराध संख्या 139/2026 और 150/2026 शामिल हैं। इस प्रकार संयुक्त पुलिस टीम ने तीन चोरी के अभियोगों का अनावरण किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने कुल छह लाख रुपये नकद बरामद किए हैं।

इनमें 54 हजार रुपये थाना मीरापुर में दर्ज मुकदमों से संबंधित बताए गए हैं, जबकि पांच लाख 46 हजार रुपये अन्य बरामद नकदी के रूप में मिले हैं। इसके अलावा पीली धातु का एक टीका और दो नथ बरामद की गई हैं। सफेद धातु के आभूषणों में 19 अंगूठियां, एक झूमर, दो सेट में कुल 12 बिछुए, दो जोड़ी पायल, आठ कड़े, दो जोड़ी पाजेब, कान के झुमकों की एक जोड़ी, हथफूल की दो जोड़ी, चार छल्ले और तीन सिक्के शामिल हैं।

समकालीन कहानीकारों के कहानी संग्रह काल के पार और अमृत कलश काव्य संग्रह का भव्य लोकार्पण

पौराणिक एवं ऐतिहासिक पात्रों का जीवन आज भी चिंतन एवं विश्लेषण का विषय...डा. बिजेंद्र सिंह त्यागी

मुजफ्फरनगर। जनपद के सकल साहित्य समाज के तत्वावधान में आर्दश कॉलोनी स्थित अरोमा पैलेस में गाजियाबाद की सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्रीमती लेखा वर्मा के संपादन में काल के पार कहानी संग्रह और अमृत कलश* काव्य संग्रह का भव्य लोकार्पण किया गया एवं विभिन्न शहरों से आए साहित्यकारों द्वारा पुस्तकों पर समीक्षात्मक विचार रखे गए ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंग्रेजी के पूर्व प्रवक्ता , साहित्यकार डा. बिजेंद्र सिंह त्यागी द्वारा विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की गई । डा. त्यागी ने काल के पार पुस्तक रामायण और महाभारत कालीन पौराणिक पात्रों के चरित्र को आज के परिपेक्ष में प्रस्तुत कर सरहानीय कहानी संग्रह संपादित किया गया है ।डा.त्यागी ने कहा कि पौराणिक पात्रों राम, सीता, लक्ष्मण, बाली ,रावण , कैकई, कृष्ण , युधिष्ठिर, अर्जुन ,कर्ण , कंस, आदि किसी ना किसी रूप में समाज में विद्यमान है उनका जीवन आज भी



चिंतन और विश्लेषण का विषय है।

कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जोशी साहित्यकार एवं शिक्षाविद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य का सृजन उद्देश्यपूर्ण और संदेश प्रद होना चाहिए । साहित्य जनचेतना , समस्याओं के समाधान और प्रेरणाओं का प्रभावी माध्यम है । पुस्तकों की संपादक श्रीमती लेखा वर्मा ने कहानी संग्रह में शामिल कहानीकारों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने अपनी कहानियों को काल के पार संग्रह में शामिल कराकर एक आदर्श पुस्तक तैयार करने में सहयोग किया।उन्होंने कहा कि ऐसा प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा। कार्यक्रम में जनपद की साहित्यिक संस्था वाणी की अध्यक्ष श्रीमती वीना गर्ग, भोपाल मध्यप्रदेश से कहानीकार कर्नल पंकज एवं डा.अलका कुमार, गाजियाबाद से आए साहित्यकारों श्रीमती नेहा दुष्यंत एवं योगेश वर्मा ने भी अपने समीक्षात्मक विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन रामकुमार शर्मा रागी और संचालन पंकज शर्मा ने किया।

भारतीय योग संस्थान की योग दक्षता क्लास में साधकों को कराया योगाभ्यास, आसनों की सही विधि और लाभ बताए

मुजफ्फरनगर। भारतीय योग संस्थान के निःशुल्क योग साधना केंद्र ग्रीनलैंड मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल, मुजफ्फरनगर में रविवार को प्रातः 5:15 बजे योग दक्षता क्लास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रधान नीरज बंसल ने ओउम् ध्वनि एवं गायत्री मंत्र के साथ कराया। इसके पश्चात भारतीय योग संस्थान के जिला प्रधान एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने साधकों को वृक्षासन, ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, गत्यात्मक पश्चिमोत्तानासन एवं धनुरासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। उन्होंने आसनों को सही विधि से करने, उनकी पूर्ण स्थिति में रुकने की प्रक्रिया तथा उनसे होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि किसी भी आसन को सही विधि से करने और उसकी पूर्ण स्थिति में कुछ समय रुकने से ही उसका वास्तविक लाभ मिलता है। शिक्षक को खड़े होकर आसन करवाने चाहिए तथा साधकों को केवल उतना ही निर्देश देना चाहिए, जितना उनकी समझ में आसानी से



आ सके। अधिक बोलने से योग साधना में व्यवधान उत्पन्न होता है।

उन्होंने कहा कि योग साधना को परिपक्व बनाने के लिए भारतीय योग संस्थान की पुस्तक 'शिक्षक संहिता' का सहयोग लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे सर्दी का मौसम बढ़ता है, योग साधना केंद्रों पर साधकों की संख्या कम होने लगती है, जबकि सर्दियों में योगाभ्यास का विशेष महत्व है। इसलिए सभी साधकों को प्रतिदिन योग साधना केंद्र पर पहुंचकर नियमित रूप से योगाभ्यास करना चाहिए और स्वयं को स्वस्थ रखना चाहिए। इस अवसर पर आचार्य रामकिशन सुमन ने ईश्वर भक्ति का सुंदर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में जिला मंत्री राजीव रघुवंशी, केंद्र प्रमुख कविंद्र बालियान, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. अक्षय बालियान, जिला प्रधान राज सिंह पुंडीर, अशोक मित्तल, ओम सिंह तोमर एडवोकेट, वीर सिंह, रविंदर धीमान, मनोज चौधरी एवं रेशु सहित अनेक योग साधक उपस्थित रहे।

स्व. मनोज भाटिया की पुण्यतिथि पर छठा रक्तदान शिविर आयोजित, 80 यूनिट रक्त एकत्रित



खतौली। स्वर्गीय मनोज भाटिया की पुण्यतिथि के अवसर पर सिद्धपीठ श्री दुर्गा मंदिर एवं पंजाबी समाज खतौली के संयुक्त तत्वावधान में छठे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए कुल 80 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदाताओं के उत्साह ने समाजसेवा और मानवता की मिसाल पेश की।

इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद व्यक्ति को रक्त उपलब्ध कराकर उसका जीवन बचाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। स्वर्गीय मनोज भाटिया को सच्ची श्रद्धांजलि देने का इससे बेहतर माध्यम कोई नहीं हो सकता। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं जनकल्याणकारी आयोजनों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

शिविर को सफल बनाने में संस्था के प्रधान तेजिंदर मोहन भाटिया, राजीव ग्रोवर, हनी ग्रोवर, रवि ग्रोवर, हर्ष भाटिया, गर्वित भाटिया, गजेंद्र, कुशांक ग्रोवर, रचित मेहता, मोहित मेहता, गगन भसीन, गौरी शंकर गौरी, हर्ष आहूजा, अमन सूरी, साहिल तनेजा सहित समाज के अनेक गणमान्य लोगों का विशेष योगदान रहा।

यंग लीडर्स ने नशा मुक्त भारत पर संवाद स्थापित किए



मुजफ्फरनगर। नेहरू युवा केंद्र व स्वच्छ भारत मिशन की ओर से जिला पंचायत के सभाकक्ष में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भारत सरकार और उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में मेरा युवा भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुनील तेवतिया रहे, जबकि अध्यक्षता जिला युवा कल्याण अधिकारी प्राची पंवार ने की। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन के अन्य अनेक अधिकारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. आकांक्षा निर्वाल, प्रोफेसर किरण पाल, क्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र यादव, केपी सिंह व पायल चौधरी ने युवा संवाद स्थापित करने वाले प्रतियोगियों का मूल्यांकन किया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित कराए। प्रथम श्रेणी में ह्यनशा मुक्त भारतह्न विषय के अंतर्गत देवांश प्रथम, अनुराग शर्मा द्वितीय, कहकशां तृतीय तथा शरण्या मित्तल सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित की गईं। अपने संबोधन में सीएमओ डॉ. तेवतिया ने कहा कि इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए। नशा मुक्ति का विषय बहुत गंभीर और महत्वपूर्ण है तथा आज समाज में इसके प्रति जागरूकता की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशे का कारण कुछ भी हो सकता है। चाहे वह मानसिक हो या पारिवारिक। अक्सर देखा गया है कि बड़े लोग नशे के लिए छोटे बच्चों को लत लगाते हैं, हम सबको इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने विचार व्यक्त किए। सभी प्रतिभागियों को विभाग की ओर से प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन भारत स्काउट एवं गाइड के कमिश्नर भारत भूषण अरोड़ा ने किया। कार्यक्रम में कार्यालय अधीक्षक अरुण कुमार, मोनिका, अंश, गौरव, आकाश, पूजा आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का निर्देशन युवा कल्याण अधिकारी अवेक्षा कपूर ने किया। उन्होंने बताया कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम पूरे वर्ष विभिन्न स्तरों पर आयोजित किए जाते रहेंगे।

गरीब कन्याओं की शादी कराएगा शिव महाशक्ति संगठन



मुजफ्फरनगर। लगभग 8 माह पूर्व समाज कल्याण के उद्देश्य से गठित शिव महाशक्ति संगठन ने गरीब कन्याओं की शादी कराने का बीड़ा उठाया है। इस बाबत कार्यवाही शुरू कर दी गई है और संस्था के माध्यम से अब तक दो गरीब कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जा चुका है। उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था की संस्थापक गीता सिंह ने बताया कि आगामी 20 नवंबर को उनकी संस्था तीसरी कन्या का विवाह ग्राम मखियाली में करने जा रही है, जिसमें समाज के सहयोग से वर-वधू को आवश्यक घरेलू सामग्री मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि संगठन के कार्यों में गति लाने के लिए किरण पाल को जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है, जो शीघ्र ही अपनी जिला कार्यकारिणी का गठन करेंगे। इसके साथ ही बघरा ब्लॉक के अध्यक्ष विजेंद्र कुमार भी इस नेक कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। इस सामाजिक अभियान में संस्था के उपाध्यक्ष संजय नाथ, निशु, सोनाक्षी, राखी और रूपाली आदि पदाधिकारियों का सहयोग भी निरंतर मिल रहा है।

हापुड़ में जाट समाज के युवक को गोली मारने के मामले में कडी कार्रवाई हो-सचिन सरोहा

मुजफ्फरनगर। हापुड़ जनपद में जाट समाज के युवक को गोली मारने की घटना को लेकर राष्ट्रीय जाट महासभा भारत ने कड़ा रोष जताया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सचिन सरोहा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में चौधरी सचिन सरोहा ने बताया कि हापुड़ के थाना सिंभावली क्षेत्र में नवादा फाटक के पास थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर निवासी परमजीत को नामजद अभियुक्त कलुवा त्यागी निवासी ग्राम कैली, खरखौदा, मेरठ द्वारा गोली मारने की घटना को अंजाम दिया गया। पत्र के अनुसार, इस वारदात में आरोपी के साथ सात अन्य अज्ञात व्यक्ति भी शामिल थे। गोली लगने से घायल परमजीत अस्पताल में जिंदगी और मौत के



बीच संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि घटना के लगभग 12 घंटे बीत जाने के बाद भी हापुड़ पुलिस प्रशासन आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहा है। उन्होंने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए इसे पुलिस प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार के लिए गंभीर चुनौती बताया।

चौधरी सचिन सरोहा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि अगले 48 घंटे के भीतर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं हुई तो राष्ट्रीय जाट महासभा भारत हापुड़ के पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने के लिए बाध्य होगी।

पत्र के साथ एफआईआर की प्रति भी संलग्न की गई है। संगठन ने स्पष्ट किया कि पीड़ित को न्याय दिलाने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए वह पूरी मजबूती से आवाज उठाएगा।

उत्तम भक्त वही है, जो भगवान से कुछ नहीं मांगता: श्री शान्तनु जी महाराज

मुजफ्फरनगर। रेशू विहार में 13 नवम्बर से चल रही अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन आज कथाव्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने आदिदम्पत्ति, मनु और शतरूपा, भगवान के वाराह अवतार, दक्ष प्रजापति, भगवान शंकर और माता सती की कथा का विस्तार से वर्णन करने के साथ ही ध्रुव चरित्र का बडे ही सुन्दर तरीके से वर्णन किया। रेशू प्रांगण में आयोजित कथा के दौरान वहां उपस्थित चारों धामों एवं दिव्य 9 वृक्षों (नवगृहों) के साथ ही 12 संगीतज्ञों की टीम ने माहौल को पूरी तरह से भक्तिमय बना दिया। इस दौरान सभी भक्तगण झूमने पर विवश हो गये। अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथाव्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने कहा कि सुख हमारे भीतर ही है, बस हम उसका अनुभव नहीं कर पा रहे हैं। सुख की खान भगवान ही हैं, इसलिये उनसे ही नाता जोडड़ा होगा। महाराज श्री ने एक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि परीक्षित जी ने शुकदेव जी से पूछा कि मरने वाले मनुष्य को क्या करना चाहिये, शुकदेव जी ने बहुत ही सरल स्वभाव में कहा कि ऐसे व्यक्ति को गोविन्द के पादकमलों (भगवान के चरणों) का



ध्यान करना चाहिए, क्योंकि गोविन्द ही इस कलिकाल (कलियुग के समय) से मुक्ति दिला सकते हैं। इसके बाद महाराज श्री ने सृष्टि प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन करते हुए सृष्टि के आदिदम्पत्ति, मनु और शतरूपा की कथा विस्तार से सुनाई। इसके पश्चात श्री शान्तनु जी महाराज ने भगवान के वाराह अवतार की कथा का विस्तार से वर्णन किया। देवहूति माँ और कर्दम मुनि की कथा का वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि इनके यहाँ भगवान कपिल का जन्म हुआ, जिन्होंने सांख्यशास्त्र का उपदेश दिया। इतना ही नहीं उन्होंने अपनी माता देवहूति जी को भी उपदेश दिया, जिसे भागवत जी में कपिल अष्टाध्याय कहते हैं। कपिल भगवान कहते हैं कि आत्मा की तृप्ति सांसारिक संसाधनों से नहीं होती, बल्कि आत्मा की तृप्ति के लिये पूर्ण परमात्मा की आराधना करना जरूरी है, परमात्मा का मनन करो और ऐसे लोगों का संग करो, जिनका मन भगवान के चरणों में लगा हो। सन्तों के लक्षण के बारे में महाराज श्री ने बताया कि जिसके अन्दर धैर्य-करुणा हो और वह सभी वस्तुओं एवं जीवों में भगवान का दर्शन करता हो, वही सन्त है। भक्तों के बारे में महाराज जी ने कहा कि उत्तम कोटि का भक्त वही है, जो कभी भगवान से कुछ नहीं मांगता, इसलिये बस केवल भगवान के चरणों का आश्रय लीजिये। इसके बाद दक्ष प्रजापति, भगवान शंकर और माता सती की कथा का वर्णन करते हुए श्री शान्तनु जी महाराज ने कहा कि दक्ष को बड़ा पद मिलने के कारण उसे अभिमान हो गया था और उसने ब्रहमा जी की सभा में भगवान शंकर का अपमान कर दिया था, इसके बाद भगवान ने दक्ष को बकरे का मुंह होने का श्राप दे दिया। इसी का बदला लेने के लिये उसने यज्ञ का आयोजन किया और भगवान शिव को नहीं बुलाया, परन्तु माता सती शिव जी के मना करने के बाद भी अपने मायके गई, लेकिन यज्ञ में भगवान शिव का अपमान देख उन्हें बहुत क्रोध आया और उन्होंने अपने आप को योग की अग्नि में जलाकर स्वयं को राख कर लिया। सती माँ के दहन को सुनकर भगवान शंकर ने वीरभद्र को प्रकट किया। वीरभद्र ने जाकर दक्ष की गर्दन को काटकर यज्ञ में ही डाल दिया और सम्पूर्ण यज्ञ को नष्ट कर दिया। अन्त में महाराज जी ने ध्रुव चरित्र की कथा को विस्तार से सुनाते हुए कहा कि जब ध्रुव जी को सौतेली माता सुरुचि ने पिता की गोद में बैठने से रोका और कड़वे वचन कहे, तब उनकी माता सुनीति ने उन्हें प्रतिशोध के बजाय भगवान की शरण में जाने की सीख दी, जिसके बाद ध्रुव जी ने परमात्मा को प्राप्त करने के लिये उनमें अपना मन लगा लिया। नारद जी ने उन्हें बालक समझकर घर लौट जाने और राजसुख भोगने का सुझाव दिया, जो वास्तव में उनके दृढ़ संकल्प और वैराग्य की परीक्षा थी, जिसमें वह पास हो गये, जिसके बाद नारद जी ने ध्रुव जी को द्वादश अक्षर का गुरुमन्त्र दिया है और पाँच वर्ष की अवस्था में अत्यन्त कठिन साधना कराई, तब जाकर भगवान ने ध्रुव जी को अपने दर्शन दिये। भगवान विष्णु की कृपा से ध्रुव जी को 36,000 वर्षों का दीर्घायु राज्य प्राप्त हुआ। इतने लंबे समय तक धर्मपूर्वक शासन करने और अंत में कठोर तप व ध्यान द्वारा आत्मसंयम साधने के बाद वे भगवान के दिव्य धाम अर्थात "ध्रुव लोक" (जिसे ध्रुव तारा या तारामंडल भी कहा जाता है) को प्रस्थान कर गए। अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के साथ ही रेशू एडवर्टाइजिंग प्रांगण में प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 9.30 बजे तक पूजन किया जाता है, जिसमें महाराजश्री स्वयं उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करते हैं।



फसलों में विषाणु रोगों के प्रकोप से काफी नुकसान होता है। विषाणु रोगों का महत्व इसलिये भी अधिक है क्योंकि इनके रोगकारक विषाणु का दायरा विस्तृत होता है तथा कई फसलों पर रोग उत्पन्न करते है। साथ ही इनका प्रसारण भी सुगमता से कीटों द्वारा, यांत्रिक विधियों व अन्य माध्यम से हो जाता है। प्रमुख फसलों के हानिकारक विषाणु रोग हैं :-

प्रमुख फसलों के विषाणु रोग - नियंत्रण

सोयाबीन, मूंग, उड़द का पीला मोजेक

यह रोग खरीफ मौसम की सोयाबीन, मूंग, उड़द, अरहर, फ्रेंचबीन व कुछ अन्य खरपतवारों जैसे–गोखरू पर भी आता है। अरहर लम्बी अवधि की होने के कारण इस रोग का मुख्य जरिया है। जिन क्षेत्रों में मूंग, गर्मियों में लगाते है, वहां इस रोग का विषाणु सोयाबीन पर आसानी से आकर रोग फैलाता है। इस रोग का संचारण सफेद मक्खी द्वारा होता है। यह सफेद पंख व पीले शरीर वाली छोटी मक्खी 1 मिली मीटर से भी छोटी होती है।

रोग के लक्षण पौधों की नई पत्तियों पर चमकीले धब्बों के रूप में शुरू होते है। पत्ती की मुख्य शिराओं के साथ पीली पट्टी सी बन जाती है, और उन पर चित्तियाँ बन जाती है, जो रस्ट (मोर्चा) रंग की होती है। पत्तियों का आकार प्रभावित नहीं होता, पत्तियों पर पीलापन बढ़ता रहता है और सिरे की कुछ पत्तियां पूरी पीली हो जाती है। रोगी पौधे देर से परिपक्व होते हैं। फलियों का आकार घटता है, बीज अपरिपक्व व छोटे सिकुड़े हुए होते हैं।



रोग नियंत्रण हेतु बीज को बोने के पहले इमिडाक्लोप्रिड 600 (गाउचो) अथवा थायोमेथोक्सेम 70 डब्ल्यू.पी. की 3 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. बीज का उपचार कर बोयें। चूंकि यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है अत: सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु इथोफेनप्राक्स (न्यूकिल) 10 ई.सी. 1000 मि.ली. या आक्सीडीमेयन मिथाइल (मेटासिस्टॉक्स) 750 मि.ली. का छिड़काव 10 दिन के अंतर से करना चाहिये। पहला छिड़काव 10 दिन के अंतर से करना चाहिये। पहला छिड़काव बुवाई के 20 दिन बाद करना चाहिये। इसके अलावा यथासंभव रोग रोधी किस्मों यथा मूंग–के 851, पी.डी.एम. 16, पूसा 9531, एच.यू.एम.–1,पंत मूंग–1, पंत मूंग–2 इसी प्रकार उड़द–पंत–19, पंत–30, पंत–35, जवाहर–2, जवाहर–3, जवाहर–3, पी.डी.यू.–1 का प्रयोग करें।

अरहर का स्टरलिटी मोजेक

यह रोग उन क्षेत्रों में अधिक देखा गया है जहां मेड़ों पर अरहर के पौधे एक वर्ष से अधिक समय तक बने रहते है। यह रोग (एरियोफिड माइट) छोटी मकड़ी से फैलता है। रोगी पौधे स्वस्थ पौधों की अपेक्षा छोटे, झाड़ीनुमा हल्के हरे रंग की छोटी पत्तियों वाले होते हैं। रोगी पौधों की शाखायें घनी हो जाती हैं एवं पत्तियों पर चितेरी की चित्तियाँ पड़ जाती हैं। अरहर की कुछ किस्मों में पत्तियों पर रोग के कारण गोल धब्बे पड़ जाते। रोगी पौधों पर प्रायः फूल ही नहीं आते और पौधे बांझ रह जाते हैं। अगर पौधे पर रोग का आक्रमण देर से हो तो कुछ फूलों में कलियाँ बन जाती है किंतु वे नहीं के बराबर होती है। रोगी पौधे झाड़ीनुमा, हल्के हरे रंग के एवं बांझ होने के कारण खेत में दूर से अलग पहचाने जा सकते हैं। रोग नियंत्रण हेतु रोगवाहक कीट छोटी मकड़ी के नियंत्रण के लिये आक्सी मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. 0.75 ली. या इथियान 50 ई.सी. 1.0 ली. प्रति हे. की दवा छिड़काव करें। यह छिड़काव रोग की शुरू की अवस्था में ही (जब रोग एक दो पौधों पर ही दिखाई दे) लाभदायक रहेगा। रोगी पौधों को रोग दिखते ही निकालकर नष्ट कर दें।



मिर्च का चुर्रामुर्रा रोग

इस रोग के कारण तम्बाकू, टमाटर, मिर्च, पपीता की फसलें प्रभावित होती हैं। यह रोग सफेद मक्खी (बेमेसिया टैवेकाई) द्वारा फैलता है। यह रोग सफेद मक्खी, माइट्स आदि द्वारा पौधों का रस चूसने के दौरान विषाणु के द्वारा होता है। सफेद मक्खी द्वारा विषाणुओं का प्रकोप होने पर पत्तियाँ नीचे की ओर मुड़ती है जबकि माइट्स द्वारा विषाणुओं के प्रकोप पर पत्तियाँ ऊपर की ओर मुड़ जाती है। रोग से बचाव हेतु पौध रोपण के समय पत्तियों को इमिडाक्लोप्रिड या एसिटामिप्रिड घोल में डुबोकर रोपण करें। बीमार पौधों के शीर्ष भाग काट कर जला दें तथा सफेद मक्खी पर नियंत्रण हेतु पौध रोपण के 30 दिन बाद इमिडाक्लोप्रिड या एसिटामिप्रिड की 125 प्रति मि.ली. हे. या मिथाइल डिमेटान अथवा एसिफेट की 300 प्रति मि.ली. हे. छिड़काव करें। साथ ही प्रत्येक छिड़काव के समय सल्फेक्स 500 ग्राम प्रति हे. के मान से मिश्रित करें।



विषाणु जनित रोगों के समेकित नियंत्रण हेतु उपाय

- खेत की सफाई समय पर करें, पूर्व फसल के अवशेषों को एकत्र कर नष्ट करें, खेत के आसपास खरपतवारों को न उगने दें। समय पर निंदाई करने से विषाणु जनित रोगों से भी बचा जा सकता है।
- आलू में विषाणु जनित मोजेक रोग नियंत्रण हेतु खेत की प्रथम/किनारे की लाइन में माहू लगे पौधों की टहनियों का तोड़कर नष्ट करें। इसी प्रकार पीला मोजेक रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करें।
- हमेशा स्वस्थ एवं रोग रहित पौधों से ही बीज बनाये व रोग रोधी किस्मों का उपयोग करे। खाद एवं उर्वरकों का संतुलित मात्रा में प्रयोग करना फसल की सुरक्षा की दृष्टि से बहुत जरूरी है।
- रस चूसक कीटों से बचाव हेतु बीज को बोने के पहले इमिडाक्लोप्रिड 600 अथवा थायोमेथोक्सेम 70 डब्ल्यू.पी. की 3 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. बीज का उपचार कर बोयें इससे 25–30 दिनों तक रसचूसक कीटों का प्रकोप नहीं होता और उस समय तक प्राकृतिक शत्रुओं की संख्या बढ़ जाती है।
- सब्जियों की कतारों के मध्य मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन की अंतरवर्तीय फसलें लें इससे मुख्य फसल पर कीटों का प्रकोप कम होता है और प्राकृतिक शत्रुओं की संख्या को सुरक्षित रखा जा सकता है।
- सब्जियों में नीम का तेल अथवा नीम अर्क 5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने में रस चूसक कीटों व पत्तीभक्षक कीटों के प्रकोप से बचा जा सकता है।
- रोग से बचाव हेतु पौध रोपण के समय पत्तियों को इमिडा क्लोप्रिड या एसिटामिप्रिड घोल में डुबोकर रोपण करें। रोग नियंत्रण हेतु बीमा पौधों के शीर्ष बाग काटकर जला दे तथा सफेद मक्खी नामक कीट नियंत्रण हेतु पौध रोपण के 30 दिन बाद सर्वांगी कीटनाशी इमिडाक्लोप्रिड या एसिटामिप्रिड की 125 प्रति मि.ली. हे. या मिथाइल डिमेटान अथवा एसिफेट की 300 प्रति मि.ली. हे. छिड़काव करें साथ ही प्रत्येक छिड़काव के समय सल्फेक्स 500 ग्राम प्रति हे. के मान से मिश्रित करें।

नोट – पाइरेथ्राइड का प्रकोप फसल काल में केवल एक बार अंतिम समय पर करें। सिंथटिंक पाइरथ्राइड के अधिक उपयोग से सफेद मक्खी का प्रकोप और अधिक उग्र हो जाता है।

कीटनाशकों के उपयोग से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें



कीटनाशकों के चयन में यह ध्यान रखना चाहिए कि दवा कीट विशेष के लिए प्रभावकारी होना चाहिए परन्तु जानवरों, मनुष्यों, परागण में मदद करने वाले कीटों, मधुमक्खियों एवं लाभदायक कीटों के लिए सुरक्षित होना चाहिए। दवाओं की कीमत कृषकों की क्रय क्षमता के अंदर हो, बाजार में आसानी से उपलब्ध हो, तथा इसका प्रयोग का तरीका आसान हो। इनके उपयोग के पश्चात् अधिक दिनों तक विषैला प्रभाव पौधों पर नहीं रहना चाहिए इन्हें पौधों के अन्दर जाकर किसी ऐसे अवशेष में नहीं बदलना चाहिए जो मनुष्यों एवं जानवरों के लिए हानिकारक हो, कीट के लिए इनका विषैला प्रभाव अधिक दिनों तक बना रहना चाहिए, इन्हें कंद, फलियों, फलों एवं खाने योग्य भागों में जमा नहीं होना चाहिए। कीटनाशकों को अन्य कृषि रसायनों जैसे कवकनाश, खरपतवारनाशक व उर्वरक आदि के साथ मिलाकर प्रयोग किया जा सके।

घर /संग्रहण में

1. कीटनाशक रसायनों को यथासंभव ठंडे व शुष्क स्थान में रखना चाहिए। कीटनाशकों को हमेशा बच्चों एवं पालतू पशुओं की पहुंच से दूर यथा संभव ताले में रखना चाहिए। इन्हें खाद्य सामग्री के साथ न रखें।
2. कीटनाशक, मूल डिब्बे से अलग अन्य किसी बिना लेबिल वाले डिब्बे, शीशी या पेपर की थैली आदि में न रखें।
3. उपयोग के लिए कीटनाशक निकालते समय बन्द स्थान का प्रयोग करें। चूर्ण आदि की थैली खोलते समय सावधानी रखें जिससे चूर्ण उड़ने न पाए।

क्रय करते समय सावधानियां

1. कीटनाशक रसायन हमेशा विश्वसनीय कम्पनी का विश्वस्त विक्रेता से ही लेना चाहिए। रसायन को खरीदते समय उसकी रसीद अवश्य लें एवं उसके उपयोग की अंतिम तिथि देख लें।
2. कीटनाशक रसायन वास्तविक पैकेट में ही क्रय करें।
3. कीटनाशकों के साथ दिए पत्रक या टिन पर दिए निर्देशों को पढ़कर ध्यान में रखें।
4. कीटनाशक रसायन के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर दवा विक्रेता, दवा कंपनी, कृषि विभाग व उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत प्रमाण सहित की जा सकती है।

दवा प्रयोग करते समय (खेत में)

- दवाओं का प्रयोग फसल की अवस्था के अनुसार करना चाहिए। फसल छोटी हो तो उनकी कम मात्रा प्रयोग में लानी चाहिए अन्यथा फसल झुलस सकती है।
- फसल एवं कीट के अनुसार सुझायी दवाएं अनुशंसित मात्रा में ही उपयोग करें। कीट द्वारा क्षति की सीमा आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है तो कीटनाशक दवा का प्रयोग न करें।
- कीटनाशक दवा का विलयन लकड़ी की सहायता से अच्छी तरह मिलाकर तैयार करें। हाथ से मिलाना हानिकारक हो सकता है। कीटनाशक रसायन को छिड़काव यंत्र में सीधा डालकर घोल बनाने के कारण भी कई बार घोल समान रूप से नहीं बन पाता व उसकी प्रभावशीलता में अंतर आ जाता है।
- स्वस्थ एवं कुशल व्यक्तियों को ही कीटनाशकों का छिड़काव या भुरकाव करना चाहिए। जिन व्यक्तियों को चोट या घाव हो या चर्म रोग हो उन्हें यह कार्य नहीं करना चाहिए। कीटनाशक रसायनों का प्रयोग करते समय दस्ताने एवं चश्मा या मास्क का उपयोग करें। कीटनाशक या छिड़काव करने वाले व्यक्ति को समय-समय पर अपने खून कोलीन एस्टरेज की जांच कराना चाहिए। यदि खून में कोलीन एस्टरेज सामान्य से कम हो तो उस व्यक्ति को छिड़काव नहीं करना चाहिए।
- त्रुटिरहित पौध संरक्षण यंत्रों का ही प्रयोग करना चाहिए। यंत्र में लीकेज नहीं होना चाहिए। जहां छिड़काव करना हो वहां पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।
- छिड़काव या भुरकाव यंत्र को घोल या चूर्ण से पूरी तरह कभी न भरें।
- यदि छिड़काव करते समय नोजल में कचरा आ जाने से फुहार बंद हो जाए तो उसे मुंह से फूंक मार कर साफ नहीं करना चाहिए। इसे पानी या पतले तार से साफ करना चाहिए।
- कीटनाशक दवा शरीर के किसी भाग पर गिरने न दे। इनके प्रयोग के समय तंबाकू, सुपारी, धूम्रपान या अन्य खाद्य सामग्री का सेवन न करें।
- एक दिन में जितनी दवा का उपयोग हो सकता हो उतना घोल तैयार करें, उससे अधिक नहीं।
- छिड़काव या भुरकाव करते समय सिरदर्द होने, चक्कर या मितली आने पर कार्य बंद कर देना चाहिए एवं प्राथमिक उपचार के साधन तैयार रखना चाहिए।
- दवा के उपयोग की तारीख लिखकर रखना चाहिए। दवा के प्रयोग की अंतिम तिथि निकलने के पश्चात् उसका उपयोग न करें।

कीटनाशकों की विषाक्तता का स्तर

डिब्बे, शीशी, लेबिल अथवा थैली पर बने तिकोन का रंग

अत्यधिक विषैला	गहरा लाल
अधिक विषैला	गहरा पीला
मध्यम विषैला	गहरा नीला
कम विषैला	गहरा हरा

कीटनाशकों का विषाक्तता स्तर कैसे जाने

कीटनाशकों के डिब्बों, शीशियों या लेबिल पर बने तिकोन के रंग के आधार पर उनकी विषाक्तता का अनुमान लगाया जा सकता है। अतः जो कीटनाशक जिस स्तर का है उसे उतनी ही सतर्कता के साथ प्रयोग करें। कीट विषों का विषाक्तता के आधार पर निम्नानुसार वर्गीकरण किया जाता है :-



भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता के अद्भुत संगम से आलोकित हुआ नोएडा का सेक्टर-105



नोएडा। 'दर्शन दीनानाथ, अरघ के बेर बा...' और 'काँच ही बाँस के बहंगिया...' जैसे पारंपरिक व हृदयस्पर्शी लोकगीतों की मधुर स्वरलहरियों से आज नोएडा का सेक्टर-105 पूरी तरह आध्यात्मिक आभा और लोक आस्था के रंग में रंग गया। आर.डब्ल्यू.ए. कार्यकारिणी समिति एवं छठ पूजा समिति, सेक्टर-105 के संयुक्त तत्वावधान में कम्युनिटी सेंटर प्रांगण में आयोजित चार दिवसीय महापर्व छठ के तीसरे दिन, संध्या अर्घ्य का यह महाउत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान न रहकर भारतीय संस्कृति, प्रकृति-प्रेम और अटूट सामाजिक एकता का एक ऐतिहासिक प्रतिमान बनकर उभरा।

गन्ने के हरे-भरे मंडपों की पावन छांव, पारंपरिक सूप-दउरे में सजे ऋतुफल, ठेकुआ व अर्घ्य सामग्री और दीपों की जगमगाती रोशनी के बीच जब व्रतियों ने पवित्र जलराशि में प्रवेश किया, तो समूचा परिसर छठी मैया और भगवान भास्कर के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। हर आंख में श्रद्धा, हर हृदय में कृतज्ञता और पूरे वातावरण में एक अलौकिक शांति का अनुभव हो रहा था।

अस्ताचलगामी सूर्य को नमन: संघर्ष से प्रकाश की ओर ले जाने वाला शाश्वत संदेश: छठ महापर्व विश्व की एकमात्र ऐसी सनातन परंपरा है, जो उगते सूर्य के साथ-साथ डूबते (अस्ताचलगामी) सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा से नमन करना सिखाती है। यह पावन अनुष्ठान मानव जीवन को यह गहरा दर्शन देता है कि परिस्थितियां चाहे जितनी भी प्रतिकूल या अंधकारमय क्यों न हों, आस्था, संयम और सकारात्मकता का दीप कभी बुझना नहीं चाहिए–क्योंकि हर सूर्यास्त के बाद एक नया और उज्ज्वल सूर्योदय निश्चित है।

सायं ठीक 4:00 बजे से प्रारंभ हुए इस भव्य अनुष्ठान में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं और मातृशक्ति ने विधि-विधानपूर्वक अस्ताचलगामी सूर्य देव को प्रथम अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, समाज के सौहार्द तथा राष्ट्र और विश्व के कल्याण की मंगलकामना की।

महानगरीय व्यस्तता के बीच जीवंत हुई जड़ें; पूरे एनसीआर में बना मिसाल: नोएडा जैसे आधुनिक और तेज रफ्तार महानगर की भागदौड़ भरी जीवनशैली के बीच सेक्टर-105 के इस सामूहिक आयोजन ने सिद्ध कर दिया कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें आज भी उतनी ही गहरी, जीवंत और ऊर्जावान हैं। पारंपरिक लोकगीतों की गूंज, अनुशासित व्यवस्था और महाप्रसाद वितरण ने समूचे प्रांगण को एक विशाल, आत्मीय और स्नेहिल परिवार के सूत्र में पिरो दिया। अपनी भव्यता, स्वच्छता और सौहार्दपूर्ण वातावरण के कारण यह आयोजन क्षेत्र में चर्चा और प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

इस ऐतिहासिक आयोजन को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में सेक्टर-105 कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रे, महासचिव राजीव दुबलिश, उपाध्यक्ष श्रीमती रानी गौतम, कोषाध्यक्ष सुरेश बंसल, संयुक्त सचिव अनिल भदौरिया तथा कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य उमेश माथुर, महेश चौहान एवं नवीन पालीवाल का दूरदर्शी नेतृत्व और अथक परिश्रम अत्यंत सराहनीय रहा।

इसके साथ ही छठ पूजा समिति के अभिषेक पांडेय, विवेक पांडेय, प्रभात रंजन तथा सेक्टर के समस्त सम्मानित निवासियों ने जिस तन्मयता और सेवा-भाव से अपना योगदान दिया, उसने इस उत्सव में चार चांद लगा दिए। विशेष रूप से श्रीमती पूजा शर्मा जी की गरिमामयी सहभागिता और समर्पण ने इस आयोजन को सेक्टर-105 की स्मृतियों में सदा के लिए अविस्मरणीय बना दिया।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने ?इस पावन अवसर पर सभी व्रतियों, तपस्वियों और माताओं के कठोर व्रत व अटूट समर्पण को नमन करते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रे ने कहा ? 'सेक्टरवासियों के इसी अटूट विश्वास, अपनत्व और सामूहिक सहभागिता की शक्ति से हमारा सेक्टर-105 आज एक आदर्श और जीवंत परिवार के रूप में खड़ा है।

ग्रेनो की आधुनिक टाउनशिप में बनेंगे सर्विलांस कैमरे

नोएडा। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में विकसित की जा रही आधुनिक इंटीग्रेटेड टाउनशिप में सर्विलांस कैमरे भी बनेंगे। यहां बनने वाले अत्याधुनिक कैमरों से हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी। इसके लिए सीपी प्लस कंपनी को जमीन आवंटित की गई है। वहीं जेके पेपर को भी भूखंड दिया गया है। कंपनी मोनो कार्टन बनाएगी। अधिकारी के मुताबिक टाउनशिप में सीपी प्लस कंपनी को 26,229 वर्गमीटर यानी 6.48 एकड़ का भूखंड आवंटित किया गया है। कंपनी 515 करोड़ रुपये का निवेश कर सर्विलांस कैमरों का निर्माण करेगी। इससे 539 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा जेके पेपर कंपनी को 51,659 वर्गमीटर यानी 12.76 कड़ जमीन आवंटित की गई है। कंपनी 288 करोड़ का निवेश करेगी। यहां स्थापित होने वाली इकाई में मोनो कार्टन बनाए जाएंगे। इससे 375 लोगों को रोजगार मिलेगा। बता दें कि मोनो कार्टन सिंगल लेयर वाले छोटे डिब्बे होते हैं, जो मोटे पेपर बोर्ड से बनते हैं। दवा, टूथपेस्ट, क्रीम, साबुन, बिस्किट, मिठाई के पैकेट और मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक आइटम के छोटे बॉक्स इसी श्रेणी में आते हैं।

टाउनशिप का विकास और सुविधाएं

दरअसल इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड: (आईआईटीजीएनएल) की तरफ से 750 एकड़ में अत्याधुनिक टाउनशिप विकसित की जा रही है। यहां एक ही परिसर में उद्योग, व्यावसायिक और आवास की सुविधा मिलेगी। सभी मूलभूत सुविधाएं पहले से तैयार मिलेंगी। टाउनशिप में अब तक 31 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इनमें से हायर इलेक्ट्रॉनिक्स समेत 5 कंपनियों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है।

टाउनशिप में निवेश करने वाली कंपनियां: आधुनिक टाउनशिप में सोनालिका इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स, नोवामैक्स इंडस्ट्रीज एलएलपी, एएनडी हाईटेक इंडस्ट्रीज, जीकेएस डिजिटल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डीएस एनएक्सट जेन प्राइवेट लिमिटेड, श्रीजी डीएलएम, नेपच्यून एनर्जी आदि को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। जापान और सिंगापुर से भी निवेश आने की संभावना है। दोनों देशों का प्रतिनिधिमंडल टाउनशिप का दौरा कर चुका है।

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर छठवां जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाया गया

गौतमबुद्धनगर। भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती के अवसर पर छठवां जनजातीय गौरव दिवस जनपद में पूरे उत्साह, श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय योगदान, संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को स्मरण करते हुए जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम के दौरान गढ़चिरौली, महाराष्ट्र में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की वर्चुअल माध्यम से गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय मुख्य समारोह का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया। विकास भवन सभागार में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम को देखा एवं सुना। इस दौरान जनजातीय समाज के उत्थान, उनकी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विषयों को प्रमुखता से देखा एवं सुना गया।

विकास भवन सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तथा जनजातीय समाज के अधिकारों एवं स्वाभिमान की रक्षा के लिए किए गए उनके प्रयासों को याद किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आज हम सभी एक ऐसे महान जननायक और आदिवासी समाज के गौरव को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने अपने जीवन के अल्प समय में ही समाज के अधिकारों, सम्मान और स्वाभिमान के लिए अद्भुत संघर्ष किया। कल्पना कीजिए कि जिस उम्र में युवा अपने भविष्य के सपने देखते हैं, उस उम्र में उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की जेल में कठोर यातनाएँ सहन कीं और अपने जीवन का बलिदान दे दिया। उनका संघर्ष केवल अपने लिए नहीं था, बल्कि उस आदिवासी समाज के लिए था, जो अपनी जमीन, जंगल, अधिकार और अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा था। उस दौर में न आज जैसे यातायात के साधन थे और न ही संचार के माध्यम। एक ओर पारंपरिक हथियारों से लड़ने वाला सामान्य समाज था, तो दूसरी ओर आधुनिक बंदूकों और अपार संसाधनों से लैस अंग्रेजी सत्ता थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में अंग्रेजों जैसी शक्तिशाली हुकूमत के सामने खड़े होना और समाज को? उसके अधिकारों के प्रति जागरूक करना कितना कठिन रहा होगा, इसकी कल्पना ही हमें उनके साहस का परिचय देती है।

हम सब जानते हैं कि कोई भी समाज जब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण पिछड़ जाता है, तो उसे आगे बढ़ने के लिए कितना संघर्ष करना पड़ता है। समय को पहचानकर उसके अनुसार कदम उठाने वाला ही आगे बढ़ता है। उनका संघर्ष, उनका साहस और उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। हमें उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।

इसी क्रम में अन्य शासकीय कार्यालयों में भी जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में भगवान बिरसा मुंडा एवं अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया गया।

कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान से परिचित कराने के साथ ही अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

भव्य एवं भावपूर्ण रामकथा के साथ हुआ तीन दिवसीय 'अपने-अपने राम' कथा का समापन, मुकेश शर्मा ने जताया सभी का आभार







नोएडा। सेक्टर-38 स्थित वर्ल्ड्स ऑफ वंडर में समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं उद्यमी मुकेश शर्मा के सौजन्य से आयोजित तीन दिवसीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अपने-अपने राम' का रविवार को भव्य एवं भावपूर्ण समापन हुआ। प्रख्यात कवि, वक्ता एवं रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने अपनी विशिष्ट काव्यात्मक, साहित्यिक एवं ओजस्वी शैली में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, आदर्शों और जीवन दर्शन का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया कि तीनों दिन हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय रहा और बार-बार जय श्रीराम के जयघोष से गूंजता रहा।

तीन दिवसीय आयोजन के प्रथम दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का पावन प्रसंग प्रस्तुत किया गया। डॉ. कुमार विश्वास ने प्रभु श्रीराम के जन्म, उनके व्यक्तित्व, मर्यादा, संस्कारों और जीवन मूल्यों का सुंदर वर्णन करते हुए बताया कि श्रीराम का जीवन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानवता, कर्तव्यनिष्ठा, त्याग और आदर्श आचरण की अनुपम प्रेरणा है। उन्होंने अपनी भावपूर्ण वाणी के माध्यम से श्रीराम के चरित्र को वर्तमान सामाजिक और पारिवारिक जीवन से जोड़ते हुए श्रोताओं को उनके आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन भगवान श्रीराम एवं माता सीता के विवाह का दिव्य प्रसंग सुनाया गया। पुष्पवाटिका में राम-सीता का प्रथम मिलन, सीता स्वयंवर, शिवधनुष भंग और लक्ष्मण-परशुराम संवाद जैसे प्रसंगों का डॉ. कुमार विश्वास ने अत्यंत रोचक, साहित्यिक और भावपूर्ण शैली में वर्णन किया। इन प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने प्रेम, विश्वास, समर्पण, सम्मान और पारिवारिक संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया। उनकी प्रस्तुति ने श्रोताओं को कभी भावुक किया तो कभी अपनी ओजस्वी अभिव्यक्ति से मंत्रमुग्ध कर दिया।

तीसरे एवं अंतिम दिन भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का पावन प्रसंग प्रस्तुत किया गया। इस दौरान रामराज्य की परिकल्पना, आदर्श शासन व्यवस्था, न्याय, समानता, करुणा, त्याग और जनकल्याण के महत्व को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। डॉ. कुमार विश्वास ने श्रीराम के जीवन दर्शन के माध्यम से बताया कि रामराज्य का वास्तविक अर्थ ऐसा समाज है, जहां प्रत्येक व्यक्ति को न्याय, सम्मान और समान अवसर प्राप्त हों तथा शासक स्वयं को जनता का सेवक समझकर जनकल्याण के लिए समर्पित रहे।

उन्होंने संदेश दिया कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्ता का उद्देश्य व्यक्तिगत वैभव नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सम्मान और सुख पहुंचाना होना चाहिए। रामराज्य केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा, सद्भाव, नैतिकता, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक समरसता का आदर्श है। मर्यादा, त्याग और लोककल्याण के मार्ग पर चलकर ही एक बेहतर समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर आयोजक मुकेश शर्मा ने तीन दिवसीय आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हनुमंत परिवार के सभी सदस्यों, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों, अतिथियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा दूर-दूर से पधारे समस्त श्रद्धालुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

मुकेश शर्मा ने कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं, बल्कि हनुमंत परिवार के प्रत्येक सदस्य की मेहनत, समर्पण, सेवाभाव और सभी सहयोगियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी ने जिस निष्ठा, अनुशासन और उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, उसके लिए वे सभी के प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं का अपार स्नेह, सहयोग और सहभागिता ही इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता है।

उन्होंने कार्यक्रम में उमड़े अपार जनसमूह और लोगों के अभूतपूर्व उत्साह पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तीनों दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या उम्मीद से कहीं अधिक रही। बड़ी संख्या में लोगों ने 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रुचि दिखाई और पंजीकरण कराने का प्रयास किया, लेकिन स्थान एवं बैठने की सीमित व्यवस्था के कारण कई श्रद्धालुओं का पंजीकरण नहीं हो सका और उन्हें कार्यक्रम में प्रवेश नहीं मिल पाया। उन्होंने ऐसे सभी श्रद्धालुओं के प्रति हृदय से खेद प्रकट करते हुए कहा कि जो लोग इस आध्यात्मिक आयोजन का हिस्सा नहीं बन सके, उनकी भावनाओं का वे पूरा सम्मान करते हैं। लोगों का इतना अपार प्रेम, उत्साह और भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा ही इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता है। इतने बड़े स्तर पर मिले जनसमर्थन और सहभागिता ने उन्हें भविष्य में भी इस तरह के भव्य आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए और अधिक प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि नोएडा में पहली बार 'अपने-अपने राम' जैसे भव्य आध्यात्मिक आयोजन के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन दर्शन को इतने व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाना उनके लिए सौभाग्य और आत्मिक संतोष का विषय है। इस आयोजन के पीछे मूल भावना भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और जीवन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और सेवा की भावना को मजबूत करना है।

मुकेश शर्मा ने डॉ. कुमार विश्वास के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी अद्भुत वाणी, साहित्यिक अभिव्यक्ति, काव्यात्मक शैली और भावपूर्ण प्रस्तुति ने तीनों दिनों तक पूरे वातावरण को राममय बनाए रखा। उन्होंने भगवान श्रीराम के प्रसंगों को जिस सहजता और प्रभावशाली ढंग से वर्तमान जीवन से जोड़ा, उससे श्रद्धालुओं को न केवल आध्यात्मिक अनुभूति हुई, बल्कि जीवन में मर्यादा, कर्तव्य, प्रेम और सेवा के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा भी मिली।

अंत में मुकेश शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे भगवान श्रीराम के आदर्शों को केवल सुनने और समझने तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने परिवार, सामाजिक जीवन और व्यवहार में भी अपनाएं। यही इस तीन दिवसीय 'अपने-अपने राम' आयोजन की वास्तविक सार्थकता और सफलता होगी।

सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में छठव्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया



नोएडा। श्री सूर्यदेव पूजा समिति,नोएडा के अध्यक्ष डॉ मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि आज कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को चार दिवसीय सूर्योपासना के महान छठ महापर्व के तीसरे दिन सेक्टर-75 स्थित सेंट्रल पार्क के छठ घाट पर हजारों छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा,भक्ति एवं उल्लास के साथ सायंकाल अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। इस पावन अवसर पर छठव्रतियों ने पारंपरिक पकवान,ठेकुआ,लड्डुआ, बताशा,बद्धी,अगरबत्ती,सिंदूर,पान,कसेली एवं विभिन्न प्रकार के मौसमी फलों को बांस के सूप में सजाकर अपने हाथों में उठाया और अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि,संतान की खुशहाली,आरोग्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की।घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं परिवार के सदस्यों ने भी भगवान सूर्यदेव को जल अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने, पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश

गौतमबुद्धनगर। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 17 नवंबर 2026 से प्रारंभ होने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों, मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन, बीएलओ एवं सुपरवाइजरों की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था तथा मतदाता पंजीकरण से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 17 नवंबर को प्रकाशित होने वाली आलेख्य मतदाता सूची के संबंध में आमजन को जागरूक किया जाए, ताकि प्रत्येक नागरिक अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में जांच सके। नाम दर्ज न होने अथवा किसी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से समय से आवेदन करने के लिए नागरिकों को जानकारी दी जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के कार्यों की नियमित समीक्षा करें। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करें तथा पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं, महिलाओं एवं ऐसे पात्र नागरिकों को चिह्नित किया जाए, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। इसके साथ ही मृत, स्थानांतरित एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की प्रविष्टियों के संबंध में नियमानुसार फॉर्म-7 के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही की जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित कराने के लिए मा0 भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल 1श्ह्ल-द्दह्म्ह्य.द्गष्ठ्ठ.द्दश1.द्बठ्ठ पर ऑनलाइन फॉर्म-6 भर सकते हैं अथवा अपने क्षेत्र के बीएलओ के माध्यम से ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। मतदाता सूची में नाम, पता एवं अन्य विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म-8 तथा नियमानुसार नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त श्वष्टढ्ढ ह्वश्वङ्ग तथा 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' सुविधा के माध्यम से भी पात्र मतदाता अपने बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। संबंधित अधिकारियों को इन सुविधाओं की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को जनभागीदारी से जोड़ते हुए आरडब्ल्यूए, एओए, औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों, बार एसोसिएशन, शैक्षणिक संस्थानों, महाविद्यालयों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। कॉलेजों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर युवाओं को मतदाता पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही बैठकों, जनसंपर्क कार्यक्रमों एवं विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए आमजन को पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सारिणी, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया जाए, जिससे अधिकाधिक पात्र मतदाता इस अभियान से जुड़ सकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

सूर्य को अर्घ देकर मांगी सुख-समृद्धि की कामना



नोएडा। नोएडा में रविवार को छठ महापर्व के तीसरे दिन श्रद्धा और उल्लास के साथ व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ दिया। शहर के करीब 21 घाटों पर लाखों श्रद्धालु जुटे। छठी मइया के जयकारों और पारंपरिक गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। खरना की पूजा के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत कर रहीं महिलाएं परिवार के साथ दोपहर से ही घाटों पर पहुंचने लगी थीं।

शाम को सूर्यास्त से पहले व्रती पानी में उतरीं और सूप में फल, ठेकुआ, नारियल व पूजन सामग्री रखकर सूर्य देव की आराधना की। नोएडा स्टेडियम समेत शहर की अलग-अलग कॉलोनियों और सोसाइटियों में छठ पूजा के विशेष इंतजाम किए गए थे। व्रती महिलाओं ने सूर्य देव को अर्घ देकर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

सूर्यास्त तक पानी में खड़े होकर की पूजा: व्रती महिलाओं ने पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर की आराधना की। सूर्यास्त तक हाथों में सूप लेकर अर्घ दिया। सूप में फल, ठेकुआ, नारियल और अन्य पूजन सामग्री सजाई गई थी। परिवार के सदस्य भी पूजा में शामिल हुए।

इस दौरान महिलाओं ने 'कांचहि बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए' और 'दर्शन दीन्हीं ना अपन ये छठी मइया' जैसे पारंपरिक गीत गाए। नोएडा स्टेडियम में पूजा के दौरान जनप्रतिनिधि भी पहुंचे।

कई इलाकों में प्रशासन ने तैयार कराए घाट: छठ पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन और प्राधिकरण ने शहर के अलग-अलग इलाकों में घाट तैयार कराए थे। छिजारसी, चोटपुर कॉलोनी, बहलोलपुर, सलारपुर, भंगेल और कुलेसरा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

इसके अलावा सेक्टर-25 में मोदी मॉल के पास, सेक्टर-45 की कांशीराम कॉलोनी, सेक्टर-62 और सेक्टर-63ए में भी पूजा के इंतजाम किए गए थे। घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और पूजन सामग्री से जुड़ी व्यवस्थाएं की गई थीं।

सोसाइटियों के स्विमिंग पूल में भी दिया अर्घ: नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट की कई सोसाइटियों में भी छठ पर्व की रौनक रही। यहां कृत्रिम घाट बनाए गए थे। कुछ सोसाइटियों में स्विमिंग पूल में ही अर्घ देने की व्यवस्था की गई थी।

शाम होते ही सोसाइटियों में छठी मइया के गीत गूंजने लगे। परिवार के सभी सदस्य पूजा में शामिल हुए। बच्चों में भी पर्व को लेकर उत्साह दिखा। कई जगह बच्चों ने आतिशबाजी कर खुशियां मनाई।

मन्नत पूरी होने पर सूर्य देव का जताते हैं आभार: नोएडा स्टेडियम में पूजा करने पहुंचीं महिलाओं ने बताया कि छठ सूर्य उपासना का महापर्व है। भोजपुरी समाज के लोग पूरे साल इस पर्व का इंतजार करते हैं। यह केवल पूजा नहीं, बल्कि आस्था और मन्नतों से भी जुड़ा है। कई परिवार संतान, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना के साथ व्रत रखते हैं। मन्नत पूरी होने पर विधि-विधान से सूर्य देव और छठी मइया की पूजा कर उनका आभार जताते हैं।

रजत विहार में हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा छठ महापर्व का आयोजन



नोएडा। पिछले 20 वर्षों से रजत विहार में छठ महापर्व का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से किया जा रहा है।

इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रविवार को छठ महापर्व के पावन अवसर पर अस्ताचलगामी सूर्य देव को विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक अर्घ्य अर्पित किया गया।

इस अवसर पर पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रजत विहार में छठ पूजा का यह भव्य आयोजन हमारी आस्था, एकता, संस्कृति एवं सामाजिक समरसता का सुंदर उदाहरण है। मंगलवार को प्रातः उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ छठ महापर्व का समापन होगा।

ओखला बैराज में नए जल शोधन संयंत्र का शुभारंभ

नोएडा। कालिंदी कुंज के ओखला स्थित यमुनोत्री परिसर में नए जल शोधन संयंत्र की रविवार से शुरुआत हो गई। इसका शुभारंभ यूपी सरकार के जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने किया। इस संयंत्र के शुरू होने से झील के पानी की गुणवत्ता में और सुधार आएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस संयंत्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झील के जल का प्रभावी शोधन एवं शुद्धिकरण सुनिश्चित करना है। इसके संचालन से झील के पानी की गुणवत्ता में सुधार लाने, जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जल संसाधनों के संरक्षण, जल की गुणवत्ता बनाए रखने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से जल शोधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने से जुड़ी योजनाओं पर और बेहतर तरीके से काम किए जाने की जरुरत है।

नक्षत्र वाटिका में 27 वृक्षों का रोपण: इस मौके नक्षत्र वाटिका के अंतर्गत भारतीय ज्योतिष परंपरा में वर्णित 27 नक्षत्रों के प्रतीक स्वरूप 27 विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों का रोपण भी किया गया। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह वाटिका न केवल भारतीय सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को प्रकृति से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन एवं हरित परिसर के विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। इस मौके पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग, मुख्य अभियंता (सज्जा एवं सामग्री प्रबंधन) उपेन्द्र सिंह, मुख्य अभियंता, यमुना संगठन दिनेश सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सलारपुर छठ महापर्व की पूजा में मुख्य अतिथि रहे अशोक भाटी



नोएडा। लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर नोएडा के सलारपुर में आयोजित छठ महापर्व की पूजा में भारतीय किसान यूनियन, गौतम बुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पहुंचने पर कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र पाठक द्वारा मुख्य अतिथि अशोक भाटी का पुष्पमाला एवं छठी मैया की आशीर्वाद स्वरूप चुनरी भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात पंडित राजेश मिश्रा के सानिध्य में जिलाध्यक्ष अशोक भाटी द्वारा विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ छठ घाट का पूजन कराया गया।

पूजन के उपरांत महंत चंद्रशेखर गिरी से आशीर्वाद प्राप्त कर अशोक भाटी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि छठी मैया को संतान की रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य तथा परिवार की सुख-समृद्धि के लिए अत्यंत कठिन एवं श्रद्धापूर्ण व्रत रखती हैं। उन्होंने सभी से अपने माता-पिता एवं गुरुओं का सदैव सम्मान करने का आह्वान किया।

इस पावन आयोजन में विपिन प्रधान, बलजीत भड़ाना बिंटू, अमित कुमार, अजय कुमार, जयराज भाटी, रमाकांत झा, शिलाकांत झा, देवचंद झा, गणेश मिश्र, रामचंद्र शर्मा, हरिश्चंद्र ठाकुर, शंभू झा, मनोहर झा, मुन्ना शर्मा, मयंक ठाकुर, सुनील मिश्रा, विनय मिश्रा, मन्नू मिश्रा, शंकर चौधरी, संतोष झा, मनमोहन झा, प्रमोद चौधरी, गणेश झा एवं रंजीत झा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

3.16 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा के गांव तिरथली में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को करीब 3 करोड़ 16 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने कहा कि जेवर अब पिछड़ेपन की पहचान से निकलकर औद्योगिक निवेश और विकास के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का लाभ हर गांव और प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना प्राथमिकता है। जेवर में एयरपोर्ट, औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, बेहतर सड़क संपर्क और शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। रोजगार के अवसर तैयार हो रहे हैं और देश-विदेश के उद्यमी निवेश के लिए पहुंच रहे हैं।

प्रतिबंध के बावजूद चल रही 319 गाड़ियों के चालान

नोएडा। प्रतिबंध के बावूजद चल रही गाड़ियों के खिलाफ यातायात पुलिस की कार्रवाई जारी है। रविवार को ऐसी 319 गाड़ियों के चालान किए गए। अन्य सभी नियमों का उल्लंघन करने पर 5019 वाहनों के चालान किए गए। डीसीपी यातायात सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि रविवार को मैनुअल तरीके से 1987 और आईएसटीएमएस कैमरों के जरिए 3032 वाहनों के चालान किए गए। उन्होंने बताया कि हेलमेट नहीं पहनने पर 1991, नो पार्किंग का उल्लंघन करने पर 561, गलत नंबर प्लेट लगाने पर 211, मोडिफाइड साइलेंसर लगे होने पर 13, हूटर-प्रेशर हॉर्न लगे होने पर 36 वाहनों के चालान किए गए। डीसीपी ने बताया कि ग्रेप-3 लगे होने के कारण बीएस-4 की पेट्रोल व डीजल गाड़ियों के चलने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। इसके बावजूद ऐसी गाड़ियां चल रही हैं। ऐसी रविवार को 319 गाड़ियां चलती हुई मिलीं। इन गाड़ियों के चालान किए गए। डीसीपी ने बताया कि चालान के अलावा कोई कागजात नहीं मिलने पर सात वाहनों को सीज भी किया गया।

सेक्टर-150 के नाले में मिला 58 वर्षीय व्यक्ति का शव

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के सेक्टर-150 में रविवार को नाले में 58 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान मोहम्मद इस्लाम पुत्र अजीज के रूप में हुई है। वह कोंडली गांव में रहता था और मूल रूप से संभल जिले के रजपुरा का निवासी था। वह तीन दिन से लापता था।

पुलिस के मुताबिक, परिजनों ने बताया कि मोहम्मद इस्लाम हाउसकीपिंग का काम करता था। वह शराब पीने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। रविवार को सेक्टर-150 के नाले में उसका शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने शव की जांच की। उसके शरीर पर चोट के कोई साफ निशान नहीं मिले। शुरुआती जांच में आशंका है कि शराब के नशे में संतुलन बिगड़ने से वह नाले में गिरा होगा। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगी। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

चोरी की बाइक और चाकू संग दो नाबालिग गिरफ्तार

नोएडा। फेस-3 थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक पर सवार दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो चाकू बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम सेक्टर-71 के सर्विस रोड पर बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। एक की उम्र 15 जबकि दूसरे की उम्र 16 साल है। एक आरोपी बुलंदशहर का जबकि दूसरा गौतमबुद्धनगर का निवासी है। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ। जांच में मोटरसाइकिल भी चोरी की निकली। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने दो-तीन दिन पहले गाजियाबाद के चोरोपुर गांव से बाइक चोरी की थी। उसकी नंबर प्लेट तोड़कर फेंक दी थी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की है। दोनों का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

शराब पार्टी में कहासुनी के दौरान युवक को तीन गोली मारी, हालत गंभीर

नोएडा। नौकरी लगने की खुशी में शराब पार्टी कर रहे चार दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई। इसी दौरान एक युवक ने तमंचा से अपने दोस्त पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फायरिंग में गोली लगने से घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीन सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव रामपुर बांगर निवासी पवन को शनिवार रात आठ बजे पड़ोसी गांव मिर्जापुर का रहने वाला प्रमोद और प्रमोद के सगे भाई मेहरचंद और गौरव घर से नौकरी लगवाने के बहाने बुलाकर ले गए थे। पास ही स्थित गौड़ यमुना सिटी में बैठकर प्रमोद ने किसी जगह पवन की नौकरी लगवाने की बातचीत की। उसके बाद नौकरी लगने की खुशी में चारों गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी के बाहर खेत में बैठकर शराब पार्टी करने लगे। इसी दौरान पवन और प्रमोद के बीच किसी बात को लेकर बहसबाजी और कहासुनी हो गई। आरोप है कि प्रमोद ने अवैध हथियार से पवन को पेट, कंधे और जांघ में तीन गोली मारी। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। यह देखकर आरोपी तीनों भाई मौके से फरार हो गए। वारदात रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है।

गौतमबुद्ध नगर में स्क्रूक्रका बड़ा असर... नोएडा, दादरी और जेवर में कटे 3.60 लाख मतदाताओं के नाम

नोएडा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रूक्र) ने गौतमबुद्ध नगर की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। जिले की नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभा सीटों से कुल 3,60,595 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 1,83,887 नाम नोएडा विधानसभा सीट से कटे हैं। दादरी में 1,21,628 और जेवर में 55,080 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

मतदाता सूची में इतने बड़े बदलाव के बाद राजनीतिक दलों को अपनी पहले से तैयार चुनावी रणनीति, बूथ स्तर की ताकत और जीत-हार के पुराने आकलन पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। बीजेपी समेत अन्य दलों के सामने अब पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने और अपने मतदाताओं के वोट सुरक्षित रखने की चुनौती होगी।

नोएडा सीट पर सबसे ज्यादा मतदाताओं के नाम कटे: नोएडा विधानसभा सीट पर स्क्रूक्र का सबसे अधिक असर देखने को मिला है। यहां से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह विधायक हैं और इस सीट को बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है। इसके बावजूद नोएडा से सबसे ज्यादा 1,83,887 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं।

वहीं, दादरी विधानसभा सीट से 1,21,628 और जेवर विधानसभा सीट से 55,080 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने के बाद बीजेपी सहित सभी राजनीतिक दलों के लिए अपनी चुनावी गणना नए सिरे से तैयार करना जरूरी हो सकता है।

अप्रैल की सूची में थे 18.65 लाख मतदाता: विशेष गहन पुनरीक्षण के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 की अंतिम मतदाता सूची में गौतमबुद्ध नगर जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर कुल 18,65,673 मतदाता दर्ज थे। स्क्रूक्र की शुरुआती प्रक्रिया में 4,48,015 मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित अथवा मृत की श्रेणी में रखा गया था।

इसके बाद दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के दौरान 86,880 नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़े गए। इस प्रक्रिया के बाद सूची से हटाए गए मतदाताओं की कुल संख्या 3,60,595 रह गई।

राजनीतिक दलों को बूथ स्तर पर बदलनी पड़ सकती है रणनीति: मतदाता सूची में हुए इस बड़े बदलाव के बाद राजनीतिक दलों को अपनी पहले की चुनावी तैयारी और आकलन पर दोबारा काम करना पड़ सकता है। खासतौर पर उन बूथों पर नई रणनीति बनाने की जरूरत होगी, जहां मतदाताओं की संख्या में बड़ा बदलाव दर्ज किया गया है।

गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीटों पर बीजेपी अब तक अपने पारंपरिक समर्थकों और मजबूत बूथ संगठन के भरोसे चुनावी तैयारी करती रही है। लेकिन मतदाता सूची में आए इस परिवर्तन के बाद पार्टी को अपने पुराने आंकड़ों और चुनावी गणना को नए सिरे से परखना होगा।

विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं के स्थानांतरण और अनुपस्थित रहने का असर बूथ स्तर की रणनीति पर पड़ सकता है। बीजेपी को यह पता लगाना होगा कि किन इलाकों में मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक घटी है और इसका उसके पुराने वोट बैंक पर क्या असर पड़ सकता है।

नोएडा में किरायेदारों की आवाजाही भी बड़ी वजह: नोएडा विधानसभा सीट पर स्क्रूक्र का प्रभाव सबसे स्पष्ट रूप से सामने आया है। यहां लगातार बढ़ती आबादी, किरायेदारों की आवाजाही और नए आवासीय क्षेत्रों के विकास के कारण मतदाता सूची का प्रबंधन पहले से ही जटिल रहा है।

तेज हवा और खिली धूप ने वायु प्रदूषण से मामूली राहत दी

नोएडा। तेज हवा और खिली धूप ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में रविवार को वायु प्रदूषण से मामूली राहत दी है। दोनों शहरों का एक्यूआई 300 से कम रहा। विशेषज्ञों की मुताबिक दो तीन दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रह सकता है।

नोएडा का एक्यूआई 256 और ग्रेटर नोएडा का 225 दर्ज किया गया। एक दिन पहले के मुकाबले नोएडा का एक्यूआई 62 अंक कम हुआ। ग्रेटर नोएडा के एक्यूआई में 99 अंकों की कमी दर्ज की गई। सेक्टर-62 जिले का सबसे वायु प्रदूषित स्थान बना हुआ है। जिले में सिर्फ घोड़ी बछेड़ा का एक्यूआई 200 से कम 162 दर्ज किया गया। अन्य 11 स्थानों का एक्यूआई 200 से अधिक रहा। वायु प्रदूषण विशेषज्ञ सचिन पंवार बताते हैं कि हवा के झोंकों की गति 12-13 किलोमीटर प्रतिघंटे रही। साथ ही तेज धूप निकलने से धरती से गर्म हवा ऊपर की ओर बढ़ी और प्रदूषित कणों को अलग-अलग कर दिया, जिससे वे फैल गए। आसमान साफ हो गया। दो-तीन दिनों तक मौसम साफ रहने की संभावना है। इसके बाद ठंड बढ़ेगी और सुबह और शाम को वायु प्रदूषण बढ़ सकता है।

नवंबर में वायु गुणवत्ता का हाल: नोएडा में नवंबर महीने में अब तक नौ दिन एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया है। वहीं ग्रेटर नोएडा में हवा बेहद खराब श्रेणी में चार दिन रही है। इससे स्पष्ट है कि नोएडा के मुकाबले ग्रेटर नोएडा में वायु प्रदूषण कम रहा है। 13 नवंबर को नोएडा और ग्रेटर नोएडा देश के वायु प्रदूषित टॉप 10 शहरों में शामिल थे।

अस्पतालों में सांस के मरीज बढ़े: पिछले एक हफ्ते से जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या में 30 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हुआ है। जिला अस्पताल में ही प्रत्येक दिन ओपीडी में 120 से अधिक मरीज सांसों से संबंधित दिक्कत लेकर पहुंच रहे हैं। ऐसे मरीज पहले से ही सांसों की बीमारी से पीड़ित थे, लेकिन अब उनकी दिक्कत बढ़ गई है।

मेंटेनेंस की मोटी रकम, सुविधाओं के नाम पर मायूसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित हाईराइज सोसाइटियों में रहने वाले लोगों के लिए हर महीने मेंटेनेंस शुल्क चुकाना बड़ी आर्थिक जिम्मेदारी बनता जा रहा है। फ्लैट के आकार के हिसाब से हजारों रुपये तक मेंटेनेंस वसूला जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद निवासियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। सोसाइटी प्रबंधन की कार्यप्रणाली और सुविधाओं के रखरखाव को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

एम्स ग्रीन एवेन्यू, इको विलेज-1, इको विलेज-2, इको विलेज-3 और मिग्सन विलासा समेत कई सोसाइटियों में मेंटेनेंस व्यवस्था को लेकर निवासी सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि हर महीने नियमित रूप से शुल्क जमा करने के बावजूद लिफ्ट, पानी, साफ-सफाई और सुरक्षा जैसी जरूरी सुविधाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। कहीं लिफ्ट खराब होने से बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी उठानी पड़ती है तो कहीं पानी की अनियमित आपूर्ति और परिसर में सफाई की कमी की शिकायतें सामने आती रहती हैं।

आलोक, नीरज और मनीष ने बताया कि मेंटेनेंस शुल्क लेने के बाद भी सोसाइटियों में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए भी बार-बार शिकायत करनी पड़ती है। कई बार शिकायतों के बाद भी समस्याएं लंबे समय तक बनी रहती हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी लोगों की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं। मेंटेनेंस के नाम पर हर महीने बड़ी रकम वसूली जाती है, लेकिन सुविधाओं के मामले में निवासियों को निराशा हाथ लगती है। उनका कहना है कि प्रबंधन को मेंटेनेंस शुल्क के खर्च का पारदर्शी ब्योरा देना चाहिए। साथ ही लिफ्ट, पानी, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी होनी चाहिए, ताकि लोगों को अपने ही घर में बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े।

'ऑपरेशन क्लीन-2' के तहत सूरजपुर थाने में 83 वाहनों की नीलामी, 14.75 लाख रुपये में बिकीं गाड़ियां



नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन-2' अभियान के तहत सूरजपुर थाने में जब्त किए गए 83 वाहनों की नीलामी की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई है। इस नीलामी में मोहम्मद आकिल ने सबसे अधिक 14 लाख 75 हजार रुपये की बोली लगाकर सभी वाहनों को अपने नाम किया।

कानूनी प्रक्रिया और वाहनों का विवरण: प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये सभी 83 वाहन धारा 207 एमवी एक्ट के तहत जब्त किए गए थे। न्यायालय से आवश्यक आदेश मिलने और कानून के मुताबिक निर्धारित समयावधि पूरी होने के बाद ही पुलिस ने इन वाहनों का मूल्यांकन कराया और नीलामी की प्रक्रिया शुरू की। नीलाम की गई गाड़ियों में 48 दोपहिया वाहन, 32 तिपहिया वाहन और 3 चारपहिया वाहन शामिल थे।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की देखरेख में हुई कार्रवाई: यह पूरी कार्रवाई पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशों के तहत अमल में लाई गई। नीलामी प्रक्रिया का पूरा पर्यवेक्षण डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीण रंजन सिंह और एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह की देखरेख में संपन्न कराया गया।

दो-दो लाख की धरोहर राशि के साथ शुरू हुई बोली: नीलामी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए गठित टीम ने थाना सूरजपुर परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया था। इस नीलामी में हिस्सा लेने वाले प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता से दो-दो लाख रुपये की धरोहर राशि जमा कराई गई थी। वाहनों के लिए न्यूनतम शुरुआती बोली तीन लाख रुपये तय की गई थी। इसके बाद बोली बढ़ती गई और अंत में मोहम्मद आकिल के पक्ष में 14.75 लाख रुपये की सर्वोच्च बोली पर नीलामी समाप्त हुई।

संक्षिप्त समाचार

सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए बताया है कि वह यह



सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल हों। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में मौजूद कमियों को भी दूर कर रहा है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, समय-समय पर कुछ समस्याएं आती रही हैं और आगे भी आ सकती हैं। आयोग इस बात को लेकर पूरी तरह सजग है कि जो लोग वोट देने के पात्र हैं, उनके नाम मतदाता सूची में हों। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन सूचियों में मौजूद सभी कमियों को दूर किया जाए। चुनाव आयोग ने कहा, जिन मतदाताओं के नाम पिछली मतदाता सूची में थे, लेकिन मौजूदा ड्राफ्ट मतदाता सूची से गायब हैं, वे बिना किसी कानूनी कार्रवाई के डर के फॉर्म 6 भरकर फिर से आवेदन कर सकते हैं। बशर्ते, वे किसी अन्य संसदीय या विधानसभा क्षेत्र में पहले से पंजीकृत न हों और उनके द्वारा दिए गए घोषणा-पत्र कानून के अनुरूप हों। चुनाव आयोग ने कोर्ट को यह भी बताया, उन मतदाताओं तक पहुंचने के सुझाव पर ध्यान दिया है जिन्हें (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लिकेट) श्रेणी में रखा गया है, ताकि उन्हें मतदाता सूची में फिर से शामिल किया जा सके। चुनाव आयोग की तरफ से यह स्पष्टीकरण तब आया है, जब ऐसी चिंताएं जताई गईं कि जो लोग पहले से पंजीकृत हैं, वे यदि फिर से फॉर्म 6 जमा करते हैं, तो उन पर %जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है। आयोग ने 6 नवंबर, 2026 को उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है। चुनाव आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा, वे मतदाताओं को अपने वर्तमान निवास स्थान पर एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना फॉर्म) भरकर इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर या बूथ लेवल ऑफिसर के पास जमा करने की अनुमति दें। चुनाव आयोग ने बताया, जो मतदाता कहीं और स्थानांतरित नहीं हुए हैं, वे हस्ताक्षर किया हुआ एन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। इसके साथ उन्हें एक बयान भी देना होगा कि उन्होंने पहले यह फॉर्म क्यों जमा नहीं किया था।

यूपी-बिहार समेत कई राज्यों के लिए राज्य-स्तरीय समितियों का भी गठन

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक ढांचे के विस्तार की घोषणा करते हुए नए क्षेत्रीय प्रभारियों और राज्य-स्तरीय समन्वय समितियों की नियुक्ति की है। पार्टी ने जारी बयान में बताया कि इस कदम का उद्देश्य देश भर में जमीनी स्तर पर अपनी उपस्थिति को मजबूत करना, क्षेत्रीय समन्वय में सुधार करना और स्थानीय नेतृत्व का एक सशक्त नेटवर्क तैयार करना है। समस्याओं को प्रभावी ठंड से उठाने की मांग पार्टी के अनुसार, इन नई समितियों का गठन आम नागरिकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने और जमीनी स्तर की गतिविधियों को गति देने के लिए किया गया है। मुख्य नियुक्तियों में क्षितिज पगार को पश्चिम क्षेत्र (पश्चिम जोन) का प्रभारी और डा. विवेक सांगवान को उत्तर क्षेत्र (उत्तर जोन) का प्रभारी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, उत्तर क्षेत्र समन्वय समिति में मुहम्मद जुनैद और गीगराज जोरली को शामिल किया गया है। राजस्थान, बंगाल, हरियाणा, झारखंड, उत्तर-पूर्व क्षेत्र, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लिए भी राज्य-स्तरीय समन्वय समितियों का गठन किया है। पार्टी के अनुसार, इन समितियों में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, जो पार्टी की संगठनात्मक पहुंच बढ़ाने और जमीनी आंदोलन को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दिल्ली में दोहरे हत्याकांड से सनसनी, आपसी झगड़े में पहले चली गोली; फिर बदले में हुई दूसरी हत्या

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में बवाना के पूठ खुर्द गांव में आपसी झगड़े के बाद दो युवकों की हत्या हो गई। पहले एक युवक ने दूसरे को गोली मार दी। विवाद के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। इसके बाद मृतक के भाई ने गोली चलाने वाले युवक को पकड़कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में मृतक सचिन के भाई नरेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस वारदात के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात बवाना थाने को एक युवक को गोली लगने की सूचना मिली। पुलिस टीम जब महर्षि वाल्मीकि अस्पताल पहुंची तो



वहां सचिन (27 वर्ष) का शव मिला। उसकी छाती में गोली लगी थी। वह पूठ खुर्द गांव का रहने वाला था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो सचिन के परिवार की गौशाला में खून के निशान और तीन खाली कारतूस मिले। आसपास की जांच के दौरान घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर एक दूसरी गली में सोनू उर्फ प्रदीप का शव भी मिला। वह भी पूठ खुर्द गांव का रहने वाला था। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। शुरुआती जांच में पता चला कि किसी बात को लेकर हुए झगड़े के बाद सोनू उर्फ प्रदीप ने सचिन को गोली मार दी थी। इसके बाद सचिन के भाई नरेश ने सोनू को पकड़ लिया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने नरेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब दोनों के बीच झगड़े की वजह और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

दिल्ली में शोरूम के चेंजिंग रूम में 18 साल की लड़की की हत्या, बेरहमी से काटा गला; शक के दायरे में दोस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। मोती नगर में शनिवार रात कपड़े के शोरूम में काम करने वाली 18 वर्षीय युवती की गला काटकर हत्या कर दी गई। आरोपी युवक शोरूम में पहुंचा और युवती को चेंजिंग रूम में ले जाकर धारदार हथियार से उसके गले पर हमला कर दिया। वारदात के बाद वह मौके से फरार हो गया। शोरूम बंद करने से पहले स्टाफ ने चेंजिंग रूम में युवती का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। शुरुआती जांच में हत्या के पीछे एकतरफा प्यार की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान शबनम के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ पश्चिमी दिल्ली में रहती थी और मोती नगर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित वस्त्र महल नाम के कपड़े के शोरूम में काम करती थी। शनिवार शाम उसकी छुट्टी के समय युवक शोरूम पहुंचा था। बताया जा रहा है कि आरोपी और शबनम पहले से एक-दूसरे को जानते थे और उनके बीच दोस्ती थी। हालांकि, पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच अनबन चल रही थी। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है



कि आरोपी ने मौका देखकर शबनम को शोरूम के चेंजिंग रूम में ले जाकर धारदार हथियार से उसके गले पर वार किया। हमले में गंभीर रूप से घायल युवती की अधिक खून बहने से मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। रात करीब नौ बजे शोरूम बंद करने से पहले कर्मचारी चेंजिंग रूम की जांच करने पहुंचे तो शबनम वहां बेसुध हालत में पड़ी मिली। जांच करने पर उसकी मौत का पता चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मिलते ही मोती नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके जरिए आरोपी की पहचान और वारदात के बाद उसके भागने के रास्ते का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए युवती के परिचितों और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

बॉलीवुड अभिनेता और दिल्ली के व्यापारी पर हमले की साजिश नाकाम, गैंगस्टर अनिल पंडित के दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्पेशल सेल ने विदेश में छिपे कुख्यात गैंगस्टर अनिल पंडित के दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली के एक व्यापारी से रंगदारी वसूलने के लिए उनके घर पर फायरिंग और मुंबई में एक बॉलीवुड अभिनेता पर हमले की साजिशों को नाकाम कर दिया है। इनमें एक को दिल्ली और दूसरे को मुंबई से गिरफ्तार किया गया।

व्यापारी के घर फायरिंग की थी साजिश

डीसीपी नारा चैतन्य के मुताबिक स्पेशल सेल की टीम ने पहले सिंडिकेट के मुख्य गुर्गे विकास ठाकुर उर्फ विक्की को दिल्ली से गिरफ्तार किया। वह विदेश में बैठे गैंगस्टर के इशारे पर दिल्ली के एक व्यापारी को निशाना बनाने के इरादे से आया था।

विकास से पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम ने उसके साथी दीप उर्फ दीपक सिंह को मुंबई से दबोच लिया गया। दीपक, अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर %मैड संधू% की हत्या के मामले में वांछित था और मुंबई में छिपकर एक बॉलीवुड अभिनेता पर फायरिंग करने की फिराक में था।

इस संबंध में स्पेशल सेल में तीन नवंबर को आर्म्स एक्ट की धारा में एफआईआर दर्ज की गई थी। विकास ठाकुर, न्यू गांधी नगर, जालंधर व दीप उर्फ दीपक सिंह, तरनतारन, पंजाब का रहने वाला है। विकास ठाकुर बुरी संगत में पड़कर सट्टेबाजी करने लगा था। 2019 में नाबालिग रहते हुए झपटमारी की वारदात कर अपराध की दुनिया में कूद पड़ा था। 2023 में विकास ने कुख्यात अनमोल बिश्नोई को अवैध हथियार सप्लाई करना शुरू किया।

बिश्नोई की गिरफ्तारी के बाद वह अनिल पंडित और रणदीप मलिक के लिए काम करने लगा। वह गिरोह में नए लड़कों की भर्ती, हथियार सप्लाई और रंगदारी के लिए टारगेट की रेकी करता था। बाद में वह किसी एक गिरोह से बंधे रहने के बजाय पैसों के लिए अलग-अलग गिरोहों के लिए काम करने लगा। हाल ही में वह विदेश में बैठे एक भगोड़े गैंगस्टर के संपर्क में आया। गैंगस्टर ने पहले उसे मुंबई में एक अभिनेता पर फायरिंग करने का काम सौंपा



था। इसी दौरान अमृतसर हत्याकांड के बाद दीपक भी मुंबई में छिपा था। विकास ने ही दीपक को अनिल पंडित से मिलवाया। इसके बाद गैंगस्टर ने दीपक को मुंबई में ही रुककर अभिनेता पर हमले की तैयारी करने को कहा, जबकि विकास को दिल्ली के एक व्यापारी पर फायरिंग करने भेजा गया। दीपक को भी बाद में दिल्ली आकर विकास का साथ देना था, लेकिन वारदात को अंजाम देने से पहले ही स्पेशल सेल ने दोनों को दबोच लिया।

एआई से बने फर्जी अदालती आदेशों पर पीएमओ ने लिया संज्ञान, टेलीकॉम सचिव तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से बने फर्जी अदालती आदेशों के जरिए देश में 129 बेटिंग वेबसाइटों को बंद कराने का हैरतअंगेज मामला सामने आया है। समाचार एजेंसी रॉयटर की जांच में राजफाश हुआ है कि दूरसंचार विभाग ने राजस्थान और इलाहाबाद हाई कोर्ट के दो अलग-अलग इन फर्जी आदेशों के आधार पर इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को इन वेबसाइटों को ब्लाक करने का निर्देश दिया था। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, दूरसंचार मंत्रालय ने भी आंतरिक जांच शुरू की है और फर्जी अदालती आदेश अपनी वेबसाइट से हटा दिए हैं। इस बीच, मामला संज्ञान में आने के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने टेलीकाम सचिव अमित अग्रवाल को तलब किया और उनसे उन वेबसाइटों को बंद करने के मामले में स्पष्टीकरण मांगा है जिनके खिलाफ फर्जी अदालती आदेशों के आधार पर कार्रवाई की गई थी। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टेलीकाम सचिव एक राज्य के दौरे पर थे और उन्हें अपना दौरा बीच में समाप्त कर वहां से लौटना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, दूरसंचार विभाग ने 21 जुलाई और दो सितंबर को दो अलग-अलग आदेशों में ये वेबसाइट ब्लॉक करने के निर्देश जारी किए थे। इनके साथ राजस्थान हाई कोर्ट और इलाहाबाद हाई कोर्ट के नाम से जारी कथित अदालती आदेश भी संलग्न थे। जांच में सामने आया कि राजस्थान हाई कोर्ट के फर्जी आदेश के आधार पर कुल 34 बेटिंग वेबसाइटों को बंद करने का निर्देश दिया गया था, जबकि इलाहाबाद हाई कोर्ट के फर्जी आदेश के आधार पर 95 बेटिंग वेबसाइटों को ब्लॉक करने के निर्देश जारी हुए थे। इस तरह कुल 129 बेटिंग वेबसाइट प्रभावित हुईं। फर्जी आदेशों पर अदालतों की नीली मुहर, राष्ट्रीय प्रतीक और न्यायिक भाषा का इस्तेमाल किया गया था। रॉयटर ने जब संबंधित अदालतों के आनलाइन रिकार्ड की जांच की तो दोनों आदेशों का कोई आधिकारिक रिकार्ड नहीं मिला। राजस्थान हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार ने भी ईमेल के जरिए पुष्टि की कि उसके नाम से जारी आदेश फर्जी है और अदालत के सर्वर पर मौजूद नहीं है। वहीं, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी अपने नाम से जारी 14 अगस्त के आदेश को फर्जी पाया और इसके बाद छह नवंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में जांच शुरू की है। कथित आदेश पर आर्यन चौधरी नाम के व्यक्ति के हस्ताक्षर थे, जबकि इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर अधिवक्ता होने का दावा करने वाले कार्तिकेय पांडे का नाम दर्ज था। हालांकि, इन आदेशों को तैयार करने वालों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। भारत में बेटिंग वेबसाइट अवैध हैं, लेकिन इस मामले ने सरकारी वेबसाइटों और इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से मिलेगी राहत, एक्यूआई पहुंचा 400 के पार; जहरीली हवा से घुट रहा दम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में अभी प्रदूषण और धुंध से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। रविवार सुबह भी राजधानी की हवा बहुत खराब श्रेणी में रिकॉर्ड की गई। आज भी दिल्ली में 400 के पार रहा। आज सुबह करीब 6 बजे सराय काले खां में एयर क्वालिटी इंडेक्स 355 दर्ज किया गया, जिसे सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, बहुत खराब कैटेगरी में रखा गया है। उधर, अक्षरधाम मंदिर के आसपास सुबह 6 बजे एक्यूआई 365 पहुंच गया, जो कि बहुत खराब कैटेगरी में आता है। इसके अलावा आनंद विहार में भी एयर क्वालिटी इंडेक्स 365 देखा गया, यहां की हवा भी बहुत खराब बनी हुई है। वहीं, आज तड़के के आसपास की हवा सबसे खराब रही। यहां सुबह 5:30 बजे के आसपास एयर क्वालिटी इंडेक्स 415 दर्ज किया गया, जिसे सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार गंभीर कैटेगरी में रखा गया है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दो दिनों में वर्षा की संभावना के चलते वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार हो सकता है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम ने भी अगले दो दिनों में हवा में मौजूद प्रदूषक कणों पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में गिरावट का अनुमान जताया है।

आस्था, प्रदूषण और सियासत, छठ पूजा आते ही हर बार सुर्खियों के केंद्र में होती है यमुना

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरे देश में छठ का पर्व पूरी आस्था के साथ मनाया जा रहा है। छठ पूजा के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए पवित्रता, स्वच्छता और साफ-सफाई सबसे अहम होती है।

प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य को साक्षी मानकर भक्त चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन अनुष्ठान के हर नियम और शुद्धता का पूरी निष्ठा से पालन करते हैं। लेकिन, देश की राजधानी दिल्ली में आस्था के इस महापर्व की तस्वीर हर साल थोड़ी अलग नजर आती है।

जहरीले झाग देखने को मिले: नई दिल्ली के कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में जहरीला झाग देखने को मिला। झाग को हटाने के लिए एंटी-फोमिंग केमिकल का छिड़काव किया जा रहा है। छठ पूजा से पहले यमुना की सफाई के लिए ओखला बैराज के पास झाग को खत्म करने के लिए केमिकल का छिड़काव किया जा रहा है।

मजबूर हैं श्रद्धालुत्न दिल्ली में श्रद्धालु इस अटूट विश्वास के साथ यमुना के दूषित पानी में कदम रखने को मजबूर हैं कि उनकी आस्था ही उनकी रक्षा करेगी। दीवाली के बाद से ही दिल्ली जहरीली हवा और खतरनाक प्रदूषण से जूझ रही है। वहीं, यमुना नदी की सफाई को लेकर



जमकर राजनीति हो रही है। आम आदमी पार्टी समेत विपक्ष के नेता यमुना नदी में तैरते जहरीले झाग को लेकर बीजेपी पर निशाना साध रही है तो वहीं बीजेपी नेता भी खुलकर पलटवार कर रहे हैं। वहीं, छठ के मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु यमुना के घाटों पर जुटेंगे और कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देंगे, तो एक तरह से यह नदी की स्वच्छता और सरकारी दावों का %सालाना पब्लिक ऑडिट भी होगा। यमुना की सफाई को लेकर भाजपा के दावों पर आप ने सवाल उठाए हैं। आप का आरोप है कि शुक्रवार को एक टीवी में बहस में भाजपा प्रवक्ता ने शनिवार सुबह कालिंदी कुंज घाट पर यमुना में डुबकी लगाने की घोषणा की थी, लेकिन घाट नहीं पहुंचे। आप के अनुसार, उनके प्रवक्ता वहां पहुंचकर घंटों इंतजार करते रहे। पार्टी ने आरोप लगाया कि यमुना में छह नावों के जरिये पानी में रसायनों का छिड़काव किया जा रहा है। इस संबंध में आप के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज के साथ-साथ अनमोल पंवार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

पार्टियों को मतदान और मतगणना से जुड़ा फॉर्म-17 सी लेना ही होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव नतीजों के बाद जिस तरह से डाले गए और गिने गए वोटों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं, उसे देखते हुए चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को मुहैया कराए जाने वाले फॉर्म-17 सी की व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने का संकेत दिया है।

अब पार्टियों को मतदान और मतगणना से जुड़ा यह फॉर्म अनिवार्य रूप से लेना ही होगा। इसके बगैर वे न तो मतदान केंद्र और न ही मतगणना काउंटर छोड़ सकेंगे। राजनीतिक दलों के एजेंटों को इसे देने की वीडियो रिकार्डिंग भी कराई जाएगी, ताकि वे बाद में मुकर न सकें। चुनाव आयोग ने हाल ही में महाराष्ट्र, हरियाणा सहित कई राज्यों में नतीजों के बाद डाले गए व गिने गए वोटों में अंतर को लेकर खड़े किए सवाल के बाद यह पहल शुरू की है।

माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश सहित अगले साल की शुरुआत में पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में इसे अमल में लाया जा सकता है। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो मतदान और मतगणना के बाद इस समय भी बूथ



पर मौजूद राजनीतिक दलों के एजेंटों को फार्म-17 सी देने की व्यवस्था है। यह फार्म दिया भी जाता है। लेकिन, कई बूथों पर इसे हल्के में ले लिया जाता था।

राजनीतिक दलों के एजेंट भी इसे हासिल करने में रुचि नहीं दिखाते थे और पीठाधीन अधिकारी भी इसे गंभीरता से नहीं लेते थे। चुनाव के दौरान फार्म-17 सी राजनीतिक दलों के एजेंटों को दो जगहों पर दिया जाता है। पहली बार यह मतदान के बाद बूथ पर और दोबारा मतगणना के बाद दिया जाता है।

क्या है फॉर्म-17 सी और इसका उपयोग

फॉर्म-17 सी किसी भी मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का सबसे महत्वपूर्ण और वैधानिक लेखा-जोखा होता है। इसके भाग-1 में मतदान से जुड़ी हर बारीक जानकारी दर्ज होती है। यानी बूथ पर कितने मतदाता हैं? कितने लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है? वास्तविक मतदान से पहले कितने माक पोल डाले गए हैं? इस्तेमाल की गई ईवीएम की पहचान संख्या और प्रत्येक मशीन में दर्ज कुल वोटों का पूरा ब्योरा होता है।

इसके आधार पर मतगणना के दौरान राजनीतिक दल इसका मिलान कर सकते हैं। मतगणना के बाद राजनीतिक दलों को फार्म-17 सी भाग-दो दिया जाता है।

सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग फॉर्म-17 सी को लेकर राजनीतिक दलों के बीच भी जागरूकता अभियान चलाएगा। इससे वे अपने बूथ एजेंटों को प्रशिक्षित कर सकेंगे कि उन्हें यह फार्म लेकर ही बूथ छोड़ना है। चुनाव के दौरान प्रत्येक बूथ पर राजनीतिक दलों के भी एजेंट होते हैं। उनकी देखरेख में ही चुनावी प्रक्रिया संचालित होती है।

मतदान प्रतिशत को लेकर खड़े किए जाने वाले सवालों से निपटने के लिए भी चुनाव आयोग ने एक पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई थी। इसमें प्रत्येक पीठाधीन अधिकारी को निर्देश दिया गया था कि वे बूथ छोड़ने से पहले हर हाल में मतदान के आंकड़ों को अपलोड करें। इसके चलते पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत की सारी जानकारी नौ बजे तक अपडेट हो गई। इसके बाद इनमें कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला। इससे पहले मतदान प्रतिशत की जानकारी अगले दिन तक अपडेट होती थी। इसके चलते मतदान वाले दिन और अगले दिन के आंकड़ों में दो से तीन प्रतिशत तक का अंतर पैदा हो जाता था।

सिर्फ 36 मिनट में दिल्ली से मेरठ, 8 मिनट में आनंद विहार से गाजियाबाद; जल्द दौड़ेगी नमो भारत फास्ट ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। नमो भारत में रोजाना सफर करने वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब यात्रियों का और ज्यादा समय बचेगा, क्योंकि 16 नवंबर 2026 से एनसीआरटीसी की नमो भारत फास्ट ट्रेनें शुरू होने वाली हैं। मेरठ से दिल्ली का सफर करने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एनसीआरटीसी ने यह कदम उठाया है। एनसीआरटीसी के अनुसार, ये ट्रेनें पीक आवर्स में पैसेंजर्स का यात्रा समय काफी कम करेंगी, जैसे आनंद विहार से गाजियाबाद सिर्फ 8 मिनट में पहुंच सकेंगे। इसके अलावा आनंद विहार से बेगमपुल 36 मिनट में पहुंच जाया करेंगे। जानकारी के मुताबिक, नमो भारत की ये फास्ट ट्रेनें हर स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। इन ट्रेनों के दिल्ली से मेरठ के बीच कुछ ही स्टेशन रखे गए हैं। 16 नवंबर के बाद गाजियाबाद से बेगमपुल की दूरी सिर्फ 28 मिनट में पूरी होगी। वहीं, पूरे कॉरिडोर का सफर मात्र 50 मिनट से भी कम समय में पूरा हो सकेगा। एनसीआरटीसी ने इन फास्ट ट्रेनों के लिए समय भी तय किया है। सुबह के पीक आवर्स में दोनों टर्मिनल स्टेशनों से 2-2 फास्ट ट्रेनें चलाई जाएंगी। सराय काले खां से मोदीपुरम और मोदीपुरम से सराय काले खां के लिए ये ट्रेनें सुबह 8:00 बजे और 8:30 बजे रवाना होंगी। ट्रेनें शाम 6:00 बजे और 6:30 बजे चलेंगी। ये फास्ट ट्रेनें मौजूदा नियमित नमो भारत सेवाओं के अतिरिक्त चलाई जाएंगी।

7 साल बाद भारत ने न्यूजीलैंड में जीती सीरीज, पांचवां वनडे हराया

गेंदबाजों ने दिलाई करिश्माई जीत



नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे में भारत ने हारी हुई बाजी जीत ली है। माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी टीम इंडिया महज 209 रन ही बना सकी थी। जवाब में एक समय न्यूजीलैंड का स्कोर दो विकेट पर 82 रन था। ऐसा लग रहा था कि कीवी टीम आसानी से यह मैच जीत लेगी और सीरीज 2-2 से बराबर हो जाएगी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने बाजी पलट दी। कीवी टीम 187 रनों पर ढेर हो गई। भारत ने 22 रनों से पांचवां वनडे जीता। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 3-1 से टीम इंडिया के नाम हुई।

न्यूजीलैंड में भारत ने सात साल बाद वनडे सीरीज जीती है। इससे पहले आखिरी बार टीम इंडिया ने 2018-19 में न्यूजीलैंड में पांच मैचों की वनडे सीरीज 4-1 से जीती थी। कीवी टीम भी अपने घर पर सात साल बाद वनडे सीरीज हारी है। भारत की इस जीत के हीरो रहे अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज। अर्शदीप ने 3 और सिराज ने 2 विकेट चटकाए। अर्शदीप ने अकेले ही न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर ध्वस्त किया। उन्होंने विल यंग (22 रन), क्रिस्टियन (16 रन) और निक केली (24 रन) को आउट किया। वहीं सिराज ने फिन एलन (01) और टिम सीफर्ट (14 रन) को पवेलियन भेजा।

210 रनों के मामूली से लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 26 के कुल स्कोर पर उसका पहला विकेट गिरा। टिम सीफर्ट 21 गेंद में दो चौकों की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विल यंग और निक केली ने 38 रनों की साझेदारी की। यंग 42 गेंद में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने तीन चौके लगाए। वहीं केली 45 गेंद में दो चौकों की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए।

एक समय न्यूजीलैंड का स्कोर दो विकेट पर 82 रन था, लेकिन फिर 83 रनों पर उन्होंने 4 विकेट गंवा दिए। इसके बाद डीन फॉक्सक्रॉफ्ट और माइकल ब्रेसवेल ने मोर्चा संभाला। दोनों ने 36 रनों की साझेदारी की। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने दोनों को सेट होने के बावजूद आउट कर दिया। फॉक्सक्रॉफ्ट 42 गेंद में 31 और ब्रेसवेल 33 गेंद में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 119 पर न्यूजीलैंड का पांचवां विकेट गिरा और 119 पर ही छठा विकेट भी गिरा।



सैंटनर ने 31 गेंद में बनाए 24 रन बनाए

इसके बाद मिचेल सैंटनर और क्रिस्टियन क्लार्क ने 39 रनों की साझेदारी कर दी। सैंटनर ने 31 गेंद में एक चौके और दो छक्के की मदद से 24 रन बनाए। वहीं क्लार्क 35 गेंद में 16 रन बनाकर आउट हुए। अब न्यूजीलैंड का स्कोर 158-6 से 161-8 हो गया था। इसके बाद ब्लेयर टिक्नर और और डैकब डफी ने 20 रनों की साझेदारी की, और न्यूजीलैंड की उम्मीद फिर से जगा दी। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने मैच पलटने नहीं दिया। टिक्र 14 और डफी 09 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले भारतीय टीम 42।1 ओवर में 209 रनों पर ऑल आउट हुई। भारत के लिए अक्षर पटेल ने 55 गेंद में 46 और ईशान किशन ने 58 गेंद में 46 रन बनाए। रोहित शर्मा 07 और विराट कोहली 05 रन ही बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 22 और नमन धीर ने 22 रन बनाए। अंत में अर्शदीप सिंह ने 4 गेंद में 14 और मोहम्मद सिराज ने 20 गेंद में महत्वपूर्ण 14 रन बनाए। दोनों ने 183-9 के स्कोर को 209 तक पहुंचाया।

घर पर लगातार वनडे द्विपक्षीय सीरीज जीत

जीत	टीम	अवधि
17	दक्षिण अफ्रीका	2002-2009
11	न्यूजीलैंड	2019-2025
9	इंग्लैंड	2016-2020
9	वेस्ट इंडीज	1981-1990
8	दक्षिण अफ्रीका	2013-2017
8	न्यूजीलैंड	2015-2017
8	श्रीलंका	2023-2025

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास, नंबर-11 पर उतरकर लगाया सिक्स

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले में भले ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से खास रिकॉर्ड बना दिया। अर्शदीप ने नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगाया। उनका यह शॉट इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह भारतीय पारी में आखिरी बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे थे। नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा वनडे क्रिकेट में बेहद कम भारतीय बल्लेबाजों ने किया है।नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची अब तीन नामों की हो गई है। वेंकटेश प्रसाद, जसप्रीत बुमराह और अब अर्शदीप सिंह ने यह कमाल किया है।

गंभीर के नेतृत्व में विदेशी धरती पर पहली वनडे सीरीज जीती

भारत ने न्यूजीलैंड के इस शानदार रिकॉर्ड पर रोक लगा दी। दिलचस्प बात यह है कि न्यूजीलैंड को अपने घर में पिछली बार वनडे सीरीज में भी भारत ने ही हराया था। उसे 2019 में भारत के खिलाफ ही हार मिली थी। भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी यह जीत खास रही। भारत के मुख्य कोच के रूप में यह उनकी घर से बाहर पहली वनडे सीरीज जीत है। इससे पहले 2024 में न्यूजीलैंड ने भारत में टेस्ट क्रिकेट का 12 साल और 18 सीरीज से चला आ रहा अजेय अभियान खत्म किया था। अब भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के घरेलू वनडे रिकॉर्ड पर रोक लगाकर जवाब दिया है।

भारतीय फुटबॉल टीम को न्यूजीलैंड ने 0-3 से हराया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए फ्रेंडली मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। रविवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने भारत को 3-0 से शिकस्त दी। भारतीय टीम की रक्षापंक्ति पहले हाफ में पूरी तरह बिखरी नजर आई और न्यूजीलैंड ने इसी का फायदा उठाते हुए तीन गोल दाग दिए। दूसरे हाफ में भारतीय खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। मुकाबले के शुरुआती मिनटों में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को



मिली, लेकिन 22वें मिनट में न्यूजीलैंड ने पहला गोल करके बढ़त हासिल कर ली। फिन सुरमन ने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इस दौरान गेंद भारतीय डिफेंडर आकाश मिश्रा से टकराकर गोल में चली गई और न्यूजीलैंड को 1-0 की बढ़त मिल गई। पहला गोल करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ गया। मैच के 40वें मिनट में जेम्स मैकगैरी ने बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शानदार शॉट लगाया। भारतीय गोलकीपर इस प्रयास को रोकने में नाकाम रहे और गेंद सीधे गोलपोस्ट में चली गई। इस गोल के साथ न्यूजीलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर ली।

क्रिस वुड ने किया तीसरा गोल

न्यूजीलैंड ने पहले हाफ में ही भारत की मुश्किलें और बढ़ा दीं। कप्तान क्रिस वुड ने जेसी रैंडल से मिले शानदार पास को गोल में बदल दिया। इसके साथ ही मेजबान टीम ने स्कोर 3-0 कर दिया। पहले हाफ के समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने मुकाबले पर पूरी तरह अपनी पकड़ बना ली थी। पहले हाफ में तीन गोल खाने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत किया। भारतीय खिलाड़ियों ने ज्यादा व्यवस्थित तरीके से खेल दिखाया और न्यूजीलैंड को आगे गोल करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। हालांकि, टीम की ओर से आक्रामक खेल में वह धार नजर नहीं आई, जिसकी जीत के लिए जरूरत थी। भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे हाफ में स्कोर बराबर करने की कोशिश जरूर की, लेकिन न्यूजीलैंड की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रहे। मेजबान टीम ने अपनी 3-0 की बढ़त को अंत तक बरकरार रखा और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस तरह भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ फ्रेंडली मैच में तीन गोल से हार झेलनी पड़ी।

लक्ष्य ने रचा इतिहास... जापान मास्टर्स खिताब किया अपने नाम

फाइनल में वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 3 गेम में हराया, 2 हफ्ते में दूसरा बीडब्ल्यूएफ टाइटल

कुमामोटो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।

एक घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया।लक्ष्य का यह लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे दो हफ्ते पहले उन्होंने जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीता था।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी

घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कोकी वातानाबे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपनी रणनीति बदली और लंबी रैलियों के जरिए मुकाबले में वापसी की। कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने यह गेम 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया।निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-10 को हराया था

फाइनल से पहले शनिवार को लक्ष्य ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-10 अलवी फरहान को हराया था। तीन गेम तक चले मुकाबले में उन्होंने 21-12, 15-21, 21-11 से जीत दर्ज की थी।लक्ष्य सेन के लिए हायलो ओपन से पहले का समय चुनौतीपूर्ण रहा था। वे लगातार 6 टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से वे किसी बड़े खिताब का इंतजार कर रहे थे।



एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में बनाई जगह

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। डब्ल्यूटीए फाइनल 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना ने महज 65 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। अब खिताब के लिए उनका सामना 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा से होगा। एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने लिंडा नोस्कोवा को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी स्वितोलिना का दबदबा जारी रहा और उन्होंने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।



डब्ल्यूटीए फाइनल के फाइनल में स्वितोलिना के सामने 19 वर्षीय मिर्रा एंड्रीवा की चुनौती होगी। एंड्रीवा ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। साल 2026 की फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा इस टूर्नामेंट में भी शानदार लय में नजर आ रही हैं। 32 साल की उम्र में डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचकर स्वितोलिना ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा वह 32 साल की उम्र के बाद डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

आईपीएल 2027के मुंबई के सभी 11 मैच वानखेड़े में होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विमेंस प्रीमियर लीग आईपीएल 2027 के मुंबई लेग का वेन्यू बदल दिया है। मुंबई में होने वाले सभी 11 मुकाबले अब ब्रेबोर्न स्टेडियम की जगह वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इनमें 9 लीग मैच, एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं। हालांकि, मैचों की तारीख और शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

बीसीसीआई के मुताबिक, मुंबई लेग के मुकाबले 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच होंगे। फरवरी में होने वाली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के कारण यह फैसला लिया गया है। ब्रेबोर्न स्टेडियम को भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। ऐसे में दोनों टूर्नामेंट के बीच पिचों को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।डब्ल्यूपीएल गवर्निंग काउंसिल ने 15 सितंबर 2026 को हुई बैठक में टूर्नामेंट के पांचवें सीजन के वेन्यू और तारीखों को मंजूरी दी थी। इसके तहत मुंबई लेग के मैच नंबर 12 से 20, एलिमिनेटर और फाइनल ब्रेबोर्न स्टेडियम में होने थे।

भारत की अंडर-19 टीम को दिग्गजों ने दी जमकर बधाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा, हर खिलाड़ी, हर योगदान और हर पल मायने रखता है। भारत ने आज यह बात शानदार तरीके से दिखाई। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आर्यवीर सहवाग की तारीफ करते हुए लिखा- वीरू को बहुत गर्व हो रहा होगा। वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने फाइनल में 58 रन की पारी खेली। वे 361 रन बनाकर टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। इस जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को चैंपियन बनाया। मैच के बाद उन्होंने कहा- मुझे पता था कि आज मेरा दिन है और मैं मैच खत्म करूंगा।

क्या मैच था, शानदार अंत- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने भारत की जीत को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने लिखा, क्या मैच था! क्या शानदार अंत! 338 रन का पीछा करते हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए जबरदस्त जज्बे की जरूरत थी। लक्ष्य ने 80 रन बनाए, आर्यवीर ने 58 रन की पारी खेली। और जब टीम को



चमत्कार की जरूरत थी, तब मानल चौहान और मोहित उल्वा ने कमाल कर दिया। इन युवा चैंपियंस पर गर्व है।

शाबाश इंडिया अंडर-19- गांगुली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने भारत की जीत के साथ-साथ आर्यवीर सहवाग के प्रदर्शन की भी तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, शाबाश इंडिया अंडर-19। शानदार प्रदर्शन। युवा सहवाग ने पूरे टूर्नामेंट में कमाल किया।

टीम ने असली जज्बा दिखाया- इरफान

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान ने लिखा, पाकिस्तान के खिलाफ हमारी अंडर-19 टीम की क्या शानदार जीत है। खिलाड़ियों ने असली लड़ाकू जज्बा दिखाया। यह देखकर बहुत अच्छा लगा।

दबाव में धैर्य और साहस दिखाया- लक्ष्मण

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा, लड़कों, आपको बहुत-बहुत बधाई। दबाव में आपने जिस तरह धैर्य, साहस और संयम दिखाया, वह शानदार था।

भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में- कार्तिक

पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने ने लिखा, एशिया कप में इन युवा खिलाड़ियों की शानदार जीत। फाइनल में जिस स्थिति से टीम ने मैच जीता, वह उनके जज्बे, साहस और लड़ने की भावना को दिखाता है। भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है।

भगवान पर भरोसा था- मोहित

फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच मोहित उल्वा ने कहा कि उन्हें खुद पर और भगवान पर भरोसा था। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में गेंदबाज के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे, लेकिन उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर विश्वास था।आखिरी ओवर के बारे में उन्होंने कहा, मैं बस सही गेंद का इंतजार कर रहा था। मुझे पता था कि बाउंड्री लगाकर मैच खत्म करूंगा।